जबलपुर
रविवार, 31 दिसंबर 2023
■ पौस मास कृष्ण पक्ष-5
■ वर्ष : 18, अंक : 239
■ पृष्ठ : 14 मूल्य 3.00 रूपये

मौसम
अधि. 24
न्यून. 13

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

4 भविष्य की तैयारी का समय
जबलपुर मैट्रो
14 फिर बन रहे कोहरे और बूंदाबांदी के आसार

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

जतारा बीएमओ ने गोली मारकर की खुदकुशी

टीकमगढ़। जतारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुरेश शर्मा ने शनिवार की दोपहर 1 बजे गांधी ग्राम के पास स्थित अपने ही निवास पर स्वयं की 315 बोर की लायसेंसी बंदूक से सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली चलने की आवाज सुनकर पड़ोसी घटना स्थल पर पहुंचे। और पुलिस की घटना की जानकारी दी।

मनोज गुप्ता बने अपेक्स बैंक के एमडी

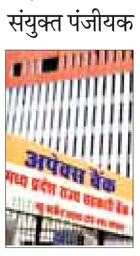

भोपाल। राज्य शासन ने सहकारिता विभाग इंदौर में पदस्थ संयुक्त पंजीयक (न्यायिक) मनोज गुप्ता को अपेक्स बैंक के एमडी के पद पर पदस्थ किया है। अभी तक अपेक्स बैंक के एमडी के पद पर पीएस तिवारी पदस्थ थे। वे 31 दिसंबर को सेवानिवृत्ति हो रहे हैं। उनकी सेवानिवृत्ति के बाद गुप्ता एमडी का पद संभालेंगे।

उमाकांत उमराव को राजस्व मंडल में सदस्य नियुक्त

भोपाल। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग तथा सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव को हटाकर ग्वालियर में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी सह सदस्य राजस्व मंडल में पदस्थ किया । उनकी जगह पर खेल एवं युवा कल्याण की अपर मुख्य सचिव स्मिता भारद्वाज को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग तथा सहकारिता का प्रभार सौंपा गया है।

राजस्थान में 22 विधायकों ने ली शपथ

जयपुर। राजस्थान में सीएम भजनलाल शर्मा के मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया। इसमें पहली बार और दूसरी बार चुने गए विधायकों को शामिल किया गया है। शनिवार को यहां राजभवन में एक समारोह के दौरान 22 भाजपा विधायकों ने राजस्थान सरकार के मंत्री के रूप में शपथ ली। इस दौरान 12 ने कैबिनेट मंत्री, 5 ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 5 ने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली।

राम के द्वार 'सरकार'

अयोध्या में पीएम मोदी के 15 किमी लंबे रोड शो में पुष्प वर्षा, शंखनाद व डमरू बजाकर स्वागत, जय श्री-राम के उद्घोष

एजेंसी ⏭ अयोध्या

पीएम नरेंद्र मोदी 22 जनवरी के श्री रामलला प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से पूर्व शनिवार को अयोध्या पहुंचे। वहां अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर उन्होंने 6 वंदे भारत और 2 अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। अमृत भारत ट्रेन शनिवार से शुरू हो गई। उन्होंने अयोध्या धाम को भी लोकार्पित किया। पीएम मोदी ने अयोध्या में एयरपोर्ट का भी उद्घाटन किया। यह एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय है।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी उनके साथ मौजूद रहे। पीएम ने यहां जनता के लिए सौगातों का पिटारा खोल दिया। मोदी ने 15,700 करोड़ रुपए से अधिक की केंद्र व राज य सरकार की 46 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उनके दौरे को लेकर जनता में काफी उत्साह दिखाई दिया। लोगों ने पीएम का भव्य तरीके से स्वागत किया।

रोड़-शो के बाद पीएम मोदी ने की 140 करोड़ देशवासियों से अपील

22 जनवरी को घरों में श्रीराम ज्योति जलाएं और मकर संक्रांति से देश के हर मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाएं

अयोध्या के निवासियों से पीएम ने की अपील- अब अयोध्या में बरसों तक देश-दुनिया के लोग आएंगे। आपको अयोध्या को स्वच्छतम शहर बनाना है। इसके लिए अभी से सब जुट जाएं

पीएम ने कहा कि आजादी के आंदोलन से जुड़े ऐसे पावन दिवस पर आज हम आजादी के अमृतकाल के संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं। आज विकसित भारत के निर्माण को गति देने के अभियान को अयोध्या नगरी से नई ऊर्जा मिल रही है

अत्याधुनिक अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन व अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की सौगात दी, 6 वंदे भारत व 2 अमृत भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंड़ी

15,700 करोड़ रुपए से अधिक की केंद्र व राज्य सरकार की 46 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

और, क्या बोले पीएम

ये 'त्रिशक्ति' भारतीय रेलवे का कायाकल्प करने जा रही

आज आधुनिक रेलवे निर्माण की तरफ एक और बड़ा कदम देश ने उठाया है। वंदे भारत और नमो भारत के बाद एक और आधुनिक ट्रेन देश को मिली है। इस नई ट्रेन का नाम अमृत भारत ट्रेन रखा गया है। वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत ट्रेनों की ये त्रिशक्ति भारतीय रेलवे का कायाकल्प करने जा रही है।

रामभक्तों से बोले मोदी...

22 जनवरी को आप न आएं अयोध्या, साढ़े पांच सौ साल इंतजार किया, कुछ दिन और सही

पीएम ने राम भक्तों से भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा पर 22 जनवरी को अयोध्या न आने की अपील की। हर किसी की इच्छा है कि 22 जनवरी को होने वाले आयोजन का साक्षी बनने के लिए वे स्वयं अयोध्या आएं। पर सुरक्षा कारणों व व्यवस्थाओं के लिहाज से कुछ ही लोगों को न्यौता गया है। पीएम ने कहा कि आप भी जानते हैं कि हर किसी का आना संभव नहीं है। सभी राम भक्तों को, विशेषकर उत्तर प्रदेश के राम भक्तों को, मेरी हाथ जोड़कर प्रार्थना है कि 22 जनवरी को एक बार विधि पूर्वक कार्यक्रम हो जाने के बाद, 23 तारीख के बाद अपनी सुविधा के अनुसार वे अयोध्या आएं। प्रभु श्रीराम आ रहे हैं, तो हम उनके दर्शनों के लिए इंतजार करें। 550 साल इंतजार किया है, कुछ दिन और इंतजार कीजिए।

उज्ज्वला की 10 करोड़ वीं लाभार्थी के घर पहुंचे पीएम...

मीरा मांझी ने चाय पिलाई, बोले मोदी-थोड़ी मीठी कर दी

राम मंदिर जाने से पहले पीएम मोदी एक दलित परिवार के घर गए। यहां उन्होंने चाय भी पी। ये परिवार उज्ज्वला योजना का 10करोड़ वां लाभार्थी है। मीरा मांझी के घर पीएम मोदी अचानक ही पहुंच गए। यह देख पूरी बस्ती के लोग हैरान रह गए। पीएम मोदी अयोध्या के राजघाट इलाके के कंधरपुर की गली में पहुंचे । वे मीरा मांझी के घर आए, चाय पी और कहा कि मैं भी चाय वाला हूं। प्रधानमंत्री ने चाय पीकर कहा कि थोड़ी मीठी कर दी है।

मेरे घर में तो भगवान आ गए: मीरा

मीरा ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है। मेरे घर तो भगवान आ गए। मुझे एक घंटे पहले ही पता चला था कि मेरे घर मोदी आ रहे हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने बच्चे को भी दिया।

पहले ही दिन राजधानी के दर्जन भर पंप पर खत्म हुआ पेट्रोल

पेट्रोल-डीजल के 400 टैकरों के पहिए थमे,आज ड्राई हो जाएंगे आधे फ्यूल पंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

केंद्र सरकार के नए कानून में सड़क हादसा होने पर ट्रक और टैंकर चालकों को दस साल की सजा का प्रावधान करने के बाद मप्र समेत देशभर के ट्रांसपोर्टर सड़कों पर उतर आए हैं। राजधानी में मप्र पेट्रोल पंप एसोसिएशन ने शनिवार को डिपो के अंदर टैंकरों को जाने नहीं दिया, जिससे चार सौ टैंकरों की सप्लाई रुक गई।

■ केंद्र सरकार के कानून के विरोध में सड़कों पर उतरे ट्रांसपोर्टर

30 से अधिक जिलों में सप्लाई रुकी

मप्र पेट्रोल पंप एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने 'हरिभूमि' को बताया कि शनिवार को प्रदेश के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल की सप्लाई नहीं की गई है, जिससे रविवार को अधिकतर पंप ड्राई हो सकते हैं। राजधानी के भारत, इंडियन ऑयल, एचपीसीएल और रिलायंस डिपो से प्रदेश के 30 से अधिक जिलों में पेट्रोल-डीजल की सप्लाई का जाती है। भोपाल में टैंकर ऐसोसिएशन के साथ इंदौर, जबलपुर, सागर और ग्वालियर डिपो के टैंकर चालक भी हड़ताल पर चले गए हैं। मप्र टैंकर ऐसोसिएशन के कोषाध्यक्ष शौकत अली ने बताया कि केंद्र सरकार के नए कानून टैंकर चालकों के लिए खतरा बढ़ गया है।

सीएम ने की आर्थिक सहायता की घोषणा

डंपर ने ऑटो को उड़ाया, 4 की मौत, 2 की हालत नाजुक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीधी

शनिवार की दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार हाइवा (डंपर) और ऑटो की जोरदार भिड़ंत में एक मासूम समेत 4 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतको के परिजनों को 2-2 लाख एवं घायलों को 50-50 हजार की सहायता का एलान सीएम डॉ मोहन यादव ने किया है। ऑटो में कुल 7 लोग सवार थे जिसमे 2 लोग बुरी तरह से घायल हो गए हैं। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ और पुलिस के बीच नोकझोक भी हुई। पुलिस ने आक्रोशित भीड़ को शांत कराया। हादसा शनिवार की दोपहर सीधी जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 39 के ग्राम शिपुरवा पर हुआ। बताया जा रहा है की ऑटो सीधी से शिपुरवा की तरफ जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार हाइवा ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से ऑटो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में ऑटो सवार 4 लोगों की मौत हो गई जिसमें एक 8 वर्षीय मासूम भी शामिल है। हादसे में 2 लोग बुरी तरह से घायल हो गए हैं।

सीएम ने ओंकारेश्वर से प्रवाहित होने वाली मां नर्मदा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना भी की

हनुवंतिया टापू पर किया रात्रि विश्राम

सीएम यादव हनुवंतिया पहुंचे, वहां से खंडवा पहुंच संत सिंगाजी समाधि स्थल के किए दर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई दिल्ली से लौटने के तत्काल बाद शनिवार को खंडवा जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल हनुवंतिया टापू पहुंच गए। वे एक दिन पहले ही विभागों के बंटवारे समेत अन्य मुद्दों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने नई दिल्ली गए थे। उन्होंने शुक्रवार को रात्रि विश्राम भी वहीं किया।

बोले सीएम यादव...

हम सब पूरी ताकत व ऊर्जा से मप्र को ऊंचाई पर पहुंचाएंगे

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को बताया कि यह स्थल सदैव से आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बना रहता है। उन्होंने यहां पहुंचकर दर्शन-पूजन किया है। नर्मदा के किनारे का यह अद्भुत स्थल हम सभी के लिए चेतना का केंद्र बिंदु बना रहता है। उन्होंने मंत्रिमंडल के गठन के बाद मंत्रियों को विभागों का बंटवारा कर दिया है।

अयोध्या में मोदी की जय-जय

इकबाल अंसारी ने पीएम पर बरसाए फूल,...तो प्राण प्रतिष्ठा में भी जाएंगे

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अयोध्या रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट का उद्घाटन किया और वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इससे पहले प्रधानमंत्री ने एयरपोर्ट से रेलवे स्टेशन तक रोड शो किया। पीएम के स्वागत में सड़क के दोनों किनारे बड़ी संख्या में लोग जुटे। इनमें एक इकबाल अंसारी भी थे, जो बाबरी मस्जिद-राम मंदिर केस में एक पक्षकार थे। वे भी प्रधानमंत्री मोदी पर फूल बरसाते नजर आए। इनके अलावा मुस्लिम समुदाय के और भी कई लोग प्रधानमंत्री के स्वागत में पहुंचे और फूल बरसाते नजर आए।

पीएम के स्वागत में सड़क के दोनों किनारे उमड़ पड़े लोग

वे देश के पीएम, अयोध्या का भरपूर विकास किया

इकबाल अंसारी ने बताया कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं और वे सभी के लिए हैं। उनकी अगुवाई में अयोध्या में खूब विकास हुआ है। अयोध्या में छोटा रेलवे स्टेशन था जिसका अब पुनर्निर्माण कराया गया है। इकबाल ने बताया कि अयोध्या में पहले एयरपोर्ट नहीं था लेकिन अब बन गया है। प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के सवाल पर इकबाल अंसारी ने कहा कि वे बिल्कुल प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होना चाहेंगे। न्योता दिया जा रहा है अगर मुझे भी न्योता मिलेगा तो मैं भी जाऊंगा।

उनकी वजह से ही अयोध्या खूबसूरत दिख रही

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने पहले ही पीएम मोदी के स्वागत में फूल बरसाने का निर्णय लिया था, उन्होंने कहा कि वह देश के प्रधानमंत्री हैं और अयोध्या आ रहे हैं यह लाजिम है कि हम उनका स्वागत करें। उन्होंने कहा कि जो अयोध्या में होता है वैसा ही पूरे देश में करना चाहिए। सभी लोग एक साथ रहते हैं और पूजा पाठ में भी शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खुद अयोध्या में हैं और यह अयोध्यावासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि अयोध्या की खूबसूरती उनकी वजह से ही है।

अब्दुल्ला के भी बदले सुर

जिसने भी राम मंदिर बनाने की कोशिश की उनका धन्यवाद

राम मंदिर को लेकर सियासी बयानबाजियां भी तेज हो गई हैं। नेशनल कांफ्रेंस के नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री

फारूक अब्दुल्ला का राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर बयान सामने आया है। सांसद फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि भगवान राम का मंदिर खुलने वाला है। जिन्होंने भी ये कोशिश की उनका मंदिर बने मैं उनको धन्यवाद देता हूं। साथ-साथ उनसे ये भी कहता हूं कि भगवान राम केवल हिंदुओं के राम नहीं हैं। वे पूरे विश्व के राम हैं, ये उनकी पुस्तकों में लिखा है।

राम सिर्फ हिंदुओं के नहीं पूरे विश्व के भगवान

उद्घाटन को लेकर मुबारकबाद

फारूक अब्दुल्ला ने राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर मुबारकबाद दी है। उन्होंने कहा कि राम सिर्फ हिंदुओं के ही भगवान नहीं, बल्कि पूरे विश्व के हैं। उन्होंने भाईचारे का संदेश दिया है। मैं उन सभी को मुबारकबाद देता हूं, जिन्होंने राम मंदिर के निर्माण के लिए अपना अथक प्रयास किया। राम ने मोहब्बत और एक दूसरे की सहायता की बात की।

मातृभूमि मम पुरी सुहावनि...., अयोध्या एयरपोर्ट पर दिखा भव्य नजारा, लोगों के उत्साह से लगा मानो त्रेता युग आ गया हो

धाए धाम काम सब त्यागी, मनहुं रंक निधि लूटन लागी

हनुमान चालीसा के पाठ से गूंज उठा विमान जमीं से लेकर आसमां तक बस..राम ही राम

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

पीएम मोदी शनिवार को अयोध्या पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को अयोध्या में नवनिर्मित महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे अयोध्या धाम का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद अयोध्या धाम एयरपोर्ट से एक शानदार वीडियो सामने आया है। महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे अयोध्या धाम की उद्घाटन के दौरान एयरपोर्ट से जब विमान उड़ा तो अंदर मौजूद लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया, जिसका वीडियो सामने आया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि विमान के अंदर मौजूद लोग हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने अयोध्या को कई सौगातें भेंट की हैं। उन्होंने मिथिला से रामनगरी के बीच नई ट्रेन अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इसके अलावा उन्होंने अयोध्या में नवनिर्मित महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे अयोध्या धाम का उद्घाटन किया। अयोध्या में करीब 15 किमी का रोड शो किया। इसमें लोगों का ऐसा हुजूम उमड़ा मानो किसी निधि को लूटने के लिए जैसे रंक लूटने लगे हों।

रोड शो में उमड़ा लोगों का हुजूम, कई सौगातों से भर गई अयोध्या की झोली

पीएम ने अयोध्या को दी कई सौगात

इसके अलावा पीएम मोदी ने अयोध्या रेलवे स्टेशन के नए भवन का भी लोकार्पण किया और वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत की। उन्होंने लोगों को भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी चौथी बार अयोध्या पहुंचे हैं।

पीएम ने लोगों को किया संबोधित

पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि एक वक्त पर रामलला टेंट में विराजमान थे और आज उनका घर बन गया है। पीएम ने कहा कि रामलला को घर मिलने के साथ-साथ देश के चार करोड़ गरीबों को भी अपना मकान मिल रहा है।उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास में 30 दिसंबर की तारीख बहुत ऐतिहासिक रही है। उन्होंने याद दिलाया कि 1943 में आज के ही दिन नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने अंडमान में झंडा फहरा कर भारत की आजादी का जयघोष किया था।

1450 करोड़ से बना एयरपोर्ट

पीएम मोदी ने अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे अयोध्या धाम का उद्घाटन किया है। इस एयरपोर्ट के चरण-1 को 1450 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का क्षेत्रफल 6500 वर्गमीटर होगा, जो सालाना लगभग 10 लाख यात्रियों की सेवा के लिए सुसज्जित होगा।

आधुनिक सुविधाओं से लैस

अयोध्या हवाई अड्डे का टर्मिनल भवन विभिन्न सुविधाओं से लैस है जिनमें इंसुलेटेड रूफिंग सिस्टम, एलईडी लाइटिंग, वर्षा जल संचयन, फव्वारे के साथ भूनिर्माण, जल उपचार संयंत्र, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं। हवाई अड्डे से क्षेत्र में संपर्क में सुधार होगा, जिससे पर्यटन, व्यावसायिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे जहां वह राज्य में 15,700 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

पीएम मोदी का भव्य स्वागत

15 किमी लंबे रोड शो में होती रही फूलों की बारिश, अद्भुत नजारा

पीएम मोदी जैसे ही अयोध्या के वाल्मिकी एयरपोर्ट पहुंचे एयरपोर्ट पर सीएम योगी ने पीएम मोदी का स्वागत और अभिनंदन किया। पीएम का जबर्दस्त स्वागत हुआ। फूलों की वर्षा के साथ आम लोगों ने स्वागत किया। पीएम मोदी वहां से 15 किलोमीटर लंबे रोड शो किया। इस रोड शो में भारी भीड़ रही। रोड शो के दौरान सड़क के दोनों किनारे लोगों की भारी भीड़ जुटी है। फूलों की बारिश हो रही है। कड़ी सुरक्षा के बीच पीएम का रोड शो आगे बढ़ रहा था। पीएम ने अयोध्या के विकास को नई उड़ान दी। लता चौक से रामपथ पर पहुंचे पीएम का साधु-संतों ने स्वागत किया। सड़क के दोनों किनारे पर लोगों ने उनका स्वागत किया। पीएम भी अभी का नमन भी किया। यहां महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करने के साथ 15,700 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया।

पीएम मोदी ट्रेन में बच्चों से बोले

चाय पिला दो न, कुछ खाने को नहीं लाए?

पीएम मोदी अमृत भारत ट्रेन में बैठे कुछ स्कूली बच्चों से मिले। बच्चों संग मुलाकात के दौरान पीएम मोदी का एक अनोखा अंदाज नजर आया, जहां वह बच्चों से हंसी-मजाक करते नजर आए। जब बच्चों ने पीएम मोदी की फोटो दिखाई तो प्रदानमंत्री ने कहा कि वे उस फोटो में गुस्से में दिखाई दे रहे हैं। पीएम मोदी बच्चों से कहते हैं कि 'थोड़ी चाय पिला देती, कुछ खाने को नहीं लाए क्या?' ट्रेन में इस दौरान पीएम मोदी के साथ यूपी के सीएम योगी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद थे।

भारी मन से बोले उद्धव

मुझे राम मंदिर उद्घाटन का आमंत्रण ही नहीं मिला

भव्य राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को होना है। इसके लिए सभी बड़े नेताओं

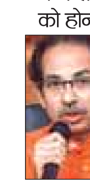

को आमंत्रण भेजा जा चुका है। इस बीच महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) गुट के मुखिया उद्धव ठाकरे ने दावा किया है कि उन्हें उद्घाटन समारोह का आमंत्रण ही नहीं मिला। उन्होंने राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा मंदिर के लिए सैकड़ों लोगों ने बलिदान दिया है।

मोदी ने किया अयोध्या के 'सुसज्जित' रेलवे स्टेशन का उद्घाटन

पीएम मोदी अयोध्या के पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया। इस रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास 240 करोड़की लागत से किया गया है। यह एक तीन मंजिला सर्टिफाइड ग्रीन बिल्डिंग है, जहां पर लिफ्ट, एस्केलेटर, वेटिंग हॉल, क्लॉकरूम और फूड प्लाजा जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन का बाहरी हिस्से में पारंपरिक झलक है, इसमें डिजाइन के कई पहलू भगवान राम के जीवन के साथ-साथ राम मंदिर से भी प्रेरित हैं। एक अधिकारी ने बताया कि स्टेशन के ऊपर एक संरचना है, जिसका डिजाइन शाही 'मुकुट' (मुकुट) जैसा है, जबकि इसके ठीक नीचे एक दीवार पर एक धनुष को चित्रित किया गया है। यह अयोध्या के साथ भगवान राम के जुड़ाव को दिखाता है।

खबर संक्षेप

रेल और प्लेटफॉर्म टिकट कर दिया महंगा: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बेरोजगारी और महंगाई

जैसे मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरा है। उन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स में ट्वीट करके रेलवे किराए और रसोई गैस की कीमत को लेकर कटाक्ष किया है। राहुल ने कहा रेल ने हर वर्ग का किराया बढ़ा दिया है।

चित्रदुर्ग में 5 कंकाल मिलने से मचा हड़कंप

चित्रदुर्ग। कर्नाटक के चित्रदुर्ग इलाके में एक पुराने घर के अंदर

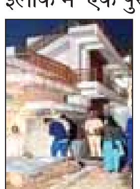

5लोगों के कंकाल मिले हैं। पुलिस का मानना है कि इन पांच लोगों की मौत 2019 में हुई होगी। पुलिस और पड़ोसियों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि किसी को इसका पता कैसे नहीं चला।

सड़क हादसे में 5 की मौत,19 लोग घायल

पुदुक्कोट्टई। जिले के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई।हादसे

में एक महिला सहित 5 लोगों की मौत हो गई और 19 लोग घायल हो गए। जिला पुलिस ने बताया त्रिची-रामेश्वरम राजमार्ग पर एक बेकाबू ट्रक एक चाय की दुकान में घुस गया। घायलों को सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया है।

पूज्य पुराणी स्वामी स्मृति महोत्सव में बोले गृहमंत्री शाह

कई साल तक लटकाया गया राम मंदिर का काम मोदी रामलला को उनके 'भवन' में करेंगे विराजित

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भगवान राम की जन्मभूमि को नष्ट कर दिया गया था। पीएम नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को संतों की मौजूदगी में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। शाह गुजरात के अहमदाबाद शहर में स्वामीनारायण गुरुकुल विश्वविद्या प्रतिष्ठानम (एसजीवीपी) के जरिए आयोजित की गई पूज्य पुराणी स्वामी स्मृति महोत्सव में शामिल होने यहां पहुंचे।

पूज्य पुराणी स्वामी स्मृति महोत्सव में लोगों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि अगर स्वामी नारायण संप्रदाय के गुरुकुल गुजरात में अलग-अलग जगहों पर काम नहीं करते तो गुजरात का सर्व शिक्षा अभियान अधूरा रह जाता। यहां उन्होंने राम मंदिर, आतंकवाद, भारतीय सेना के पराक्रम से लेकर देश की अर्थव्यवस्था को लेकर बात की। लोकसभा चुनाव में भाजपा को जिताने की भी अपील की।

पहले राम के जन्मस्थान को नष्ट कर दिया था

शाह ने कहा कि कई साल से भगवान राम के जन्मस्थान को नष्ट कर दिया गया था। 22 जनवरी से रामलला अपने घर में उन्होंने कहा कि पीएम मोदी 22 जनवरी को अयोध्या जाएंगे और संतों की मौजूदगी में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। पीएम मोदी समेत भाजपा के लगभग सभी प्रमुख नेता 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या पहुंचने वाले हैं।

घर में घुसकर जवाब दे रही भारतीय सेना

पाकिस्तान का नाम नहीं लिए बगैर शाह ने कहा कि पड़ोसी के साथ रिश्ता अच्छा होना चाहिए, मगर सीमा से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को नहीं है। बालाकोट एयरस्ट्राइक और उरी सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना अब घर में घुसकर जवाब देती है। मोदी सरकार ने ही पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक करवाई थी।

मोदी को फिर बनाइए पीएम,बदली देश की तस्वीर

शाह ने कहा गुजरात के सीएम जब पीएम बने तो देश की तस्वीर बदल गई। कोरोना काल में सरकार ने अच्छा काम किया है। मोदी को फिर से पीएम बना दीजिए।

धुंध और कोहरे ने रोकी रेल के साथ ही हवाई सफर की रफ्तार

80 से ज्यादा फ्लाइट्स हो गईं डिले 30 से अधिक ट्रेनें देरी से चल रहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सर्दियों के मौसम में न सिर्फ लोगों को कड़ाके की ठंड से जूझना पड़ता है, बल्कि धुंध और कोहरे के चलते भी लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।

धुंध का सबसे ज्यादा असर यातायात पर देखने को मिलता है। खराब मौसम की वजह से दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अब तक करीब 80 फ्लाइट्स डिले यानी देरी से चल रही हैं। कोहरे के चलते बड़ी संख्या में ट्रेनें भी देरी से चल रही हैं। कुछ ट्रेन कैंसिल भी हुई हैं।

देरी की वजह खराब विजिबिलिटी

एजीआई से उड़ान भरने वाली 80 के करीब फ्लाइट्स खराब मौसम की वजह से देरी से चल रही हैं। देरी की वजह खराब विजिबिलिटी और कोहरा है।

उत्तर भारत घने कोहरे की चपेट में

पिछले तीन दिनों में उत्तर भारत में जिस तरह से कोहरे का प्रकोप देखने को मिल रहा है। उसकी वजह से न सिर्फ फ्लाइट्स कैंसिल हो रही हैं, बल्कि देरी से चल रही हैं। बुधवार को 100 फ्लाइट्स डिले हुईं और 25 दिसंबर को गुरुवार के दिन 58 फ्लाइट्स को डायवर्ट किया। ऐसे में हवाई सफर कर रहे यात्रियों को कोहरे की वजह से काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। ऐसा ही कुछ रेल यात्रियों का भी है, जिनकी ट्रेनें कई-कई घंटे लेट चल रही हैं।

राजस्थान में भजनलाल मंत्रिमंडल का विस्तार, समारोह से दूर रहीं राजे

राज्यवर्धन और किरोड़ीलाल बने मंत्री, 22 ने ली शपथ

12 को कैबिनेट, 5 को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 5 विधायकों को राज्यमंत्री बनाया

एजेंसी ▶▶ जयपुर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राजस्थान में आखिरकार कई दिनों के इंतजार के बाद शनिवार को कैबिनेट का विस्तार कर दिया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और किरोड़ी लाल मीणा समेत 22 लोगों को मंत्री बनाया गया है। जिनमें से 12 को कैबिनेट, 5 को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 5 विधायकों को राज्यमंत्री बनाया गया। प्रदेश में सीएम भजनलाल शर्मा समेत अब 25 मंत्री हो चुके हैं। हालांकि, कैबिनेट विस्तार समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे सिंधिया शामिल नहीं हुईं।

राज्यपाल ने मीणा को सबसे पहले शपथ दिलाई

राज्यपाल कलराज मिश्र ने सबसे पहले डॉ. किरोड़ी लाल मीणा को मंत्री पद की शपथ दिलाई। फिर राज्यवर्धन सिंह राठौड़, गजेंद्र सिंह खींवसर, बाबूलाल खराड़ी और मदन दिलावर, जोगाराम पटेल, सुरेश सिंह रावत, अविनाश गहलोत, जोराराम कुमावत, हेमंत मीणा, कन्हैयालाल चौधरी व सुमित गोदारा ने शपथ ली।

राज्यपाल से मिले सीएम

इससे पहले सीएम भजनलाल शर्मा शनिवार सुबह राज्यपाल कलराज मिश्र से मिले और नए मंत्रियों को पद की शपथ दिलाने का अनुरोध किया। शनिवार सुबह रामगंजमंडी से विधायक मदन दिलावर सुबह भाजपा के प्रदेश कार्यालय पहुंचे और उन्होंने भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की।

सुरेंद्रपाल भी मंत्री बनाए गए

सुरेंद्रपाल सिंह टीटी को भी कैबिनेट में शामिल किया है। प्रदेश में बनाए गए कैबिनेट मंत्रियों में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, गजेंद्र सिंह खींवसर के साथ-साथ राज्यवर्धन सिंह राठौड़, बाबूलाल खराड़ी, जोगाराम पटेल, मदन दिलावर, अविनाश गहलोत, सुरेश सिंह रावत, हेमंत मीणा, कन्हैयालाल चौधरी, जोराराम कुमावत और सुमित गोदारा शामिल हैं.जबकि विधायक झाबर सिंह खर्रा, सुरेंद्रपाल सिंह टीटी, संजय शर्मा, गौतम कुमार और हीरालाल नागर को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ दिलाई गई तो विधायक ओटाराम देवासी, डॉ. मंजू बाघमार, केके बिश्नोई, विजय सिंह चौधरी और जवाहर सिंह बेढम प्रदेश के राज्य मंत्री बने।

भाजपा ने की थी शिकायत

कोच्चि शहर में 'गवर्नर' टाइटल वाला नाटक किया प्रतिबंधित

एजेंसी ▶▶ कोच्चि

केरल के कोच्चि शहर में अधिकारियों ने शुक्रवार को चल रहे कोच्चि कार्निवल में एक नाटक के मंचन पर प्रतिबंध लगा दिया। भाजपा ने इस नाटक को लेकर आरोप लगाया था कि इसके टाइटल ने संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का अपमान किया है। नाटक गावर्नरम थोपियुम जिसका अनुवाद 'गवर्नर

एंड हिज हैट' है। केरल में होने वाला नाटक जर्मन नाटक 'विलियम टेल' का मलयालम रूपांतरण है। इस नाटक का मंचन शुक्रवार रात को होने वाला था।

कथित 'तानाशाह गवर्नर' को दर्शाया गया

नाटक में एक राज्य के 'तानाशाह गवर्नर' को दर्शाया गया है जो शहर में एक टोपी रखता है और लोगों को उसके प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए उसे झुकने का आदेश देता है। राज्यपाल अपने आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए गार्ड तैनात करता है और जो ऐसा करने में विफल रहता है उसे दंडित किया जाता है।

खबर संक्षेप

दुनिया की आबादी एक साल में 7.5 करोड़ बढ़ी

वॉशिंगटन। 1 जनवरी 2024 से दुनिया की आबादी 8 अरब को पार कर जाएगी। अमेरिका के सेंसस

ब्यूरो ने अपनी रिपोर्ट में ये दावा किया है। इसके मुताबिक, पिछले 1 साल में दुनिया की जनसंख्या में करीब 7.5 करोड़ का इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में हर सेकेंड 4.3 लोग जन्म लेते हैं, जबकि 1 सेकेंड में 2 लोगों की मौत होती है। ब्यूरो के मुताबिक, 1 जनवरी 2024 को दुनिया की कुल आबादी 8.02 अरब हो जाएगी। 1 जनवरी 2023 ये आंकड़ा 7.94 अरब था। नवंबर 2022 में यूएन ने कहा था दुनिया की आबादी 8 अरब पहुंच गई।

चीन ने डोंग जून को बनाया नया रक्षा मंत्री

बीजिंग। चीन ने डोंग जून को अपना नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया। नवनियुक्त 62 वर्षीय रक्षा

मंत्री डोंग जून पहले पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के नौसेना प्रमुख थे। इससे पहले उन्होंने उत्तरी समुद्री बेड़े, पूर्वी समुद्री बेड़े के साथ-साथ दक्षिणी कमांड थिएटर सहित पीएलए के सभी प्रमुख डिवीजनों में काम किया है। पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू अगस्त से अचानक लापता हो गए थे, जिसके बाद चीन ने उन्हें बिना किसी स्पष्टीकरण के पद से हटा दिया था। ली के बारे में अभी तक कोई सटीक जानकारी नहीं मिल पाई है।

मुख्य सचिवों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को पीएम मोदी ने किया संबोधित

नागरिकों के लिए सुशासन सुनिश्चित करने के तरीकों पर प्रतिबद्ध हो करें काम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करने के साथ-साथ सभी नागरिकों के लिए प्रतिबद्धता के साथ सुशासन की दिशा में काम करना होगा। तीसरे मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन के अंतिम दिन पीएम नरेंद्र मोदी ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि सम्मेलन के मुख्य विषय 'जीवन की सुगमता' यानी 'ईज ऑफ लिविंग' को ध्यान में रखते हुए बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करने के साथ सभी नागरिकों के लिए सुशासन सुनिश्चित करने के तरीकों पर प्रतिबद्धता के साथ काम करना होगा।

मुख्य सचिवों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को पीएम मोदी ने कहा कि बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करने के साथ-साथ सभी नागरिकों के लिए प्रतिबद्धता के साथ सुशासन की दिशा में काम करना होगा।

देश की प्रगति के लिए सुशासन पर जोर दिया

खास बातें

- कल्याणकारी योजनाओं तक आसान पहुंच करवाएं
- सेवा वितरण में गुणवत्ता पर विशेष जोर दें
- जमीन, बिजली, पेयजल, स्वास्थ और स्कूल पर दें ध्यान

लोगों की भलाई से जुड़ी योजनाओं पर हुई चर्चा

पीएम मोदी ने बैठक में आम लोगों की भलाई से जुड़ी सभी योजनाओं को और सरल बनाने की कोशिश के साथ साइबर सुरक्षा, एआई की चुनौतियों जैसे उभरते हुए मसलों पर भी चर्चा की। इसके अलावा राज्यों के साथ प्रधानमंत्री आकांक्षी जिलों व आकांक्षी ब्लाक प्रोग्राम के बारे में भी चर्चा हुई। राज्यों में पर्यटन के प्रोत्साहन, उनकी ब्रांडिंग, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना व पीएम स्वनिधि योजना के अमल को लेकर भी सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से बातचीत हुई।

सम्मेलन में 200 से अधिक लोगों की रही भागीदारी

तीन दिवसीय इस सम्मेलन में केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि, मुख्य सचिव और सभी राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्र के विकास और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण नीतिगत-संबंधी विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। नागरिकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी और नवीन समाधानों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

राज्यों ने सफल मॉडल प्रस्तुत किए

सम्मेलन में सभी राज्यों के मुख्य सचिवों ने बेहतर सुशासन के लिए अपने संबंधित अधिकार क्षेत्र में कार्यान्वित कार्यक्रमों एवं अनुभवों का सफल मॉडल प्रस्तुत किया, मुख्य सचिवों का यह सम्मेलन राष्ट्र को प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिबद्धता की एक नई भावना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

तीसरा सम्मेलन

बता दें कि यह इस तरह का तीसरा सम्मेलन है। इससे पहले जून 2022 में धर्मशाला में और दूसरा जनवरी 2023 में दिल्ली में आयोजित किया गया था। सहकारी संघवाद के सिद्धांत को जमीन पर उतारने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहभागी शासन और साझेदारी को प्रोत्साहित करना उद्देश्य है।

सरकारी वितरण तंत्र को मजबूत करें

पीएम मोदी ने कहा कि इस सम्मेलन का आयोजन उद्देश्य सरकारी वितरण तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है। साथ ही सहयोगात्मक कार्रवाई के माध्यम से ग्रामीण और शहरी, दोनों आबादी के लिए जीवन की बेहतर गुणवत्ता के लक्ष्य को हासिल करना है, इसके अलावा कल्याणकारी योजनाओं तक आसान पहुंच और सेवा वितरण में गुणवत्ता पर विशेष जोर देने की पहल शामिल है।

इन 5 सेक्टरों पर रहा मुख्य फोकस

जिन पांच सेक्टर की सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ वितरण को आसान बनाने की तैयारी की जा रही है उनमें में जमीन, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य और स्कूल को शामिल किया गया, ताकि इन पांच सेक्टर की सेवा शहर से लेकर गांव तक के सभी व्यक्तियों को आसानी से मिल सके। इनकी सेवाओं में गुणवत्ता आने से लोगों की उत्पादकता भी बढ़ेगी जिससे देश को विकसित बनाने में मदद मिलेगी।

पुलिस घरेलू हिंसा व वित्तीय तनाव से जोड़ रही

5 मिलियन डॉलर की हवेली से पति-पत्नी व बेटी की लाशें मिलीं

टीना और उनके पति पहले एक बंद हो चुकी एडुनोवा नाम की शिक्षा प्रणाली कंपनी चलाते थे

एजेंसी ▶▶ मैसाचुसेट्स

अमेरिका के मैसाचुसेट्स में भारतीय मूल के एक कपल और उनकी बेटी को घर में मृत पाया गया है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। भारतीय मूल का यह जोड़ा अपनी 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की हवेली में बेटी के समेत रहता था। इसी हवेली में सभी मृत अवस्था में पाए गए हैं।

पुलिस इस घटना को घरेलू हिंसा से जोड़कर देख रही है। जबकि जांच एजेंसियों का दावा है कि दंपति हाल के वर्षों में वित्तीय समस्याओं का सामना कर रहा था। इस बात की पुष्टि कपल के खातों के ऑनलाइन रिकॉर्ड से पता चलता है। रिपोर्ट के अनुसार, टीना और उनके पति पहले एक बंद हो चुकी एडुनोवा नाम की शिक्षा प्र णा ली कंपनी चलाते थे।

मृतक के पास पाई गई एक बंदूक

स्थानीय अभियोजक माइकल मॉरिससी ने बताया कि यह घटना गुरुवार (28 दिसंबर) शाम को हुई थी। जब अपनी हवेली में 57 वर्षीय राकेश कमल, उनकी पत्नी, 54 वर्षीय टीना और उनकी 18 वर्षीय बेटी एरियाना मृत पाए गए। उन्होंने कहा कि मौके पर राकेश कमल के शरीर के पास एक बंदूक पाई गई थी। हालांकि, वह इस घटना को हत्या या आत्महत्या बताने से पहले मेडिकल जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह संभवतः एक घरेलू हिंसा से जुड़ा हुआ मामला हो सकता है।

इजराइली सेना ने तेज की कार्रवाई

24 घंटे में 200 की मौत, खान यूनिस में हमास की सुरंगों पर किए हवाई हमले

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइल और हमास का हिंसक संघर्ष जारी है। बीते ढाई महीने से जारी इस युद्ध में अब तक 21 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इजराइली सेना ने हमास के आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए हमले तेज कर दिए हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक गाजा पट्टी के खान यूनूस में हमास की सुरंगों पर भीषण बमबारी में बीते 24 घंटे के दौरान 200 लोगों की मौत हुई है। दक्षिणी शहर में लगातार आगे बढ़ रहे इजराइली सेना के जवानों ने हमास के सुरंगों पर हवाई हमले किए। साथ ही तोप के गोले भी बरसाए गए।

82 दिनों में 21 हजार से अधिक लोगों की मौत

गौरतलब है कि बीते ढाई महीने से अधिक समय से जारी युद्ध के दौरान गाजा के 2.13 मिलियन लोग सुरक्षित ठिकानों की तलाश में घर छोड़कर भाग चुके हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक बीते 24 घंटे में इजराइली हमलों में 187 फिलिस्तीनी लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। इसी के साथ 7 अक्तूबर के बाद अब तक मरने वालों की संख्या 21,507 तक पहुंच चुकी है। यानी गाजा की कुल आबादी का लगभग एक फीसदी खत्म हो चुका है। खंडहरों में हजारों और शवों के दबे होने की आशंका है।

नुसीरात शिविर पर भी कई हवाई हमले

शुक्रवार रात गाजा पट्टी में खान यूनिस पर इजराइली टैंक ने भीषण गोलीबारी और हवाई बमबारी की। इजराइल के अभियान में 24 घंटे में लगभग 200 लोगों के मारे जाने की खबर है।

तहखाने की सुरंग भी नष्ट

खान यूनिस के कुछ हिस्से पर इजराइली सेना दिसंबर की शुरुआत में ही कब्जा कर चुकी है। रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि हमास के कमांड सेंटरों और हथियार डिपो को भी सेना लगातार निशाना बना रही है। सेना ने गाजा के हमास नेता याह्या सिनवार के घरों में से एक के तहखाने में बनी सुरंग और पूरे परिसर को नष्ट कर दिया है।

खरगे बोले- भाजपा ने फर्जी देशभक्त होने का सबूत दिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बने बफर जोन की वजह से 1962 युद्ध के नायक मेजर शैतान सिंह का स्मारक ध्वस्त कर दिया गया है। इसको लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने शैतान सिंह के मेमोरियल को धराशायी कर देश को एक बार फिर से अपने फर्जी देशभक्त होने का सबूत दिया है। उन्होंने कहा कि मेमोरियल को ध्वस्त किए जाने की खबर बेहद पीड़ादायक है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने मेमोरियल को धराशायी कर देश को एक बार फिर अपने नकली देशभक्त होने का सबूत दिया है। दुखद है कि सरकार चीनी मंसूबों के आगे घुटने टेक चुकी है।

इजराइली दूतावास धमाका मामला

अब स्पेशल सेल करेगी जांच पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इजराइली दूतावास के पीछे गत 26 दिसंबर को हुए धमाके के मामले में नई दिल्ली जिला के तुगलक रोड थाना पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। चार दिनों तक नई दिल्ली जिला पुलिस, स्पेशल सेल, एनआईए और एनएसजी द्वारा गहन जांच के बाद शुक्रवार रात मुकदमा दर्ज कर लिया गया। पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के निर्देश पर विस्तृत जांच के लिए केस को स्पेशल सेल में ट्रांसफर कर दिया गया है। विशेष आयुक्त कानून एवं व्यवस्था सागर प्रीत हुड्डा ने इसकी पुष्टि की है।

मंगलवार शाम करीब 5.45 बजे दूतावास के पिछले दरवाजे के पास जोरदार धमाका होने की पुलिस को कॉल मिली थी, जिसके बाद दिल्ली पुलिस समेत सभी केंद्रीय एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी थी। मौके से विस्फोट से संबंधित कोई सामान न मिलने पर पुलिस को विस्फोट में किसी रसायन का इस्तेमाल किए जाने का शक गहराया, जिससे बाद विस्फोटक का पता लगाने के लिए सुबह एनएसजी की फॉरेंसिक टीम को बुलाया। ताकि संदेह से पर्दा उठ सके कि धमाका हुआ भी या नहीं। अगर हुआ तो उसमें किस तरह के रसायन व अन्य सामान का इस्तेमाल किया गया।

विस्फोट में रसायन होने का संदेह

एनएसजी के फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने धमाके वाले जगह पर लगे पौधे की पत्तियों और घास से काफी नमूने एकत्र किए, जिनमें विस्फोट के लिए इस्तेमाल किए गए रसायन होने का संदेह हुआ। फॉरेंसिक विशेषज्ञ पौधे की टहनियों और कुछ जगहों के घास भी काटकर जांच के लिए अपने साथ ले गए। एनएसजी की डाग स्क्वाड ने दो कुत्तों के जरिये घटनास्थल के चारों तरह का निरीक्षण किया।

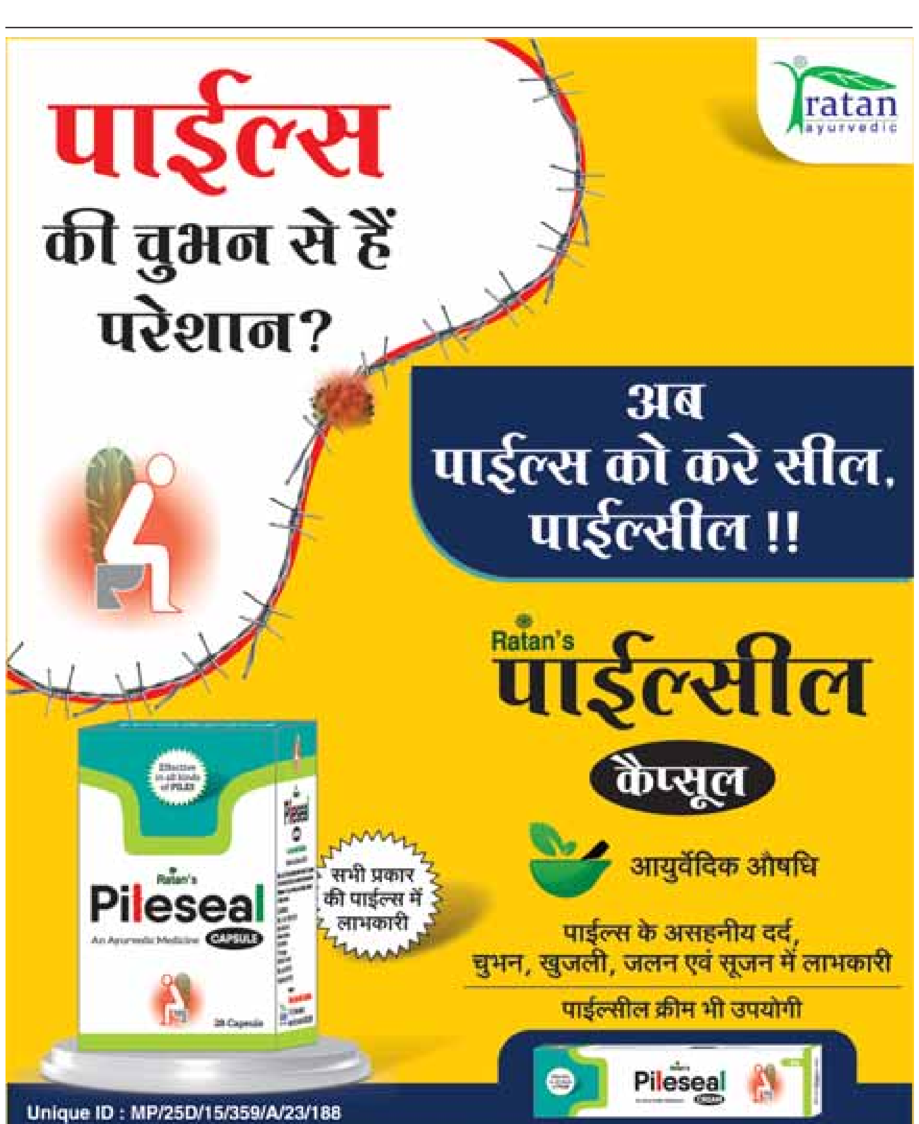

सत्यमेव जयते
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग

वर्ष 2023–24 के लिए एससी छात्रों हेतु मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति स्कीम के अंतर्गत उच्चतर शिक्षा अध्ययन हेतु अनुसूचित जाति वर्ग के 69 लाख छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु घोषणा करता है।

पात्रता	कार्य क्षेत्र	हकदारी
• माता–पिता/अभिभावकों की वार्षिक आय 2.50 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए • मान्यताप्राप्त महाविद्यालयों/विद्यालयों में पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्र	• कक्षा 11 के बाद वाले सभी मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम • लाभार्थियों का चयन राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाएगा • सबसे गरीब परिवारों को प्राथमिकता	• अनिवार्य अप्रतिदेय शुल्क (ट्यूशन शुल्क सहित) • 2500/– रुपए से लेकर 13500/– रुपए अकादमिक भत्ता • दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10% अतिरिक्त भत्ता

• छात्रों को अपने राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन करना होगा
• छात्र के पास वैध मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर (यूआईडी), आधार से जुड़ा बैंक खाता, आय प्रमाण–पत्र तथा जाति प्रमाण–पत्र होना चाहिए।

• स्कीम के दिशा–निर्देश तथा विस्तृत पात्रता मानदंड http://socialjustice.gov.in/schemes/23 पर उपलब्ध हैं।

cbc 38101/11/0057/2324

वर्ष 2023 गुजर रहा है और नूतन वर्ष 2024 का आगमन हो रहा है। चालू वर्ष में देश की राजनीति, अर्थव्यवस्था ने कैसा प्रदर्शन किया और नए साल में यह कैसी रहेंगी, इस पर विवेचना आवश्यक है। विदेश नीति के मोर्चे पर भी चालू वर्ष में भारत के शानदार प्रदर्शन और नए साल की चुनौतियों से भी रूबरू होना जरूरी है। वर्ष 2023 राजनीति के लिहाज से काफी उथलपुथल वाला रहा, तो आर्थिक मोर्चे पर देश ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत वैश्विक स्तर पर एक ग्लोबल ताकत बनकर उभरा। नए वर्ष में लोकसभा के साथ कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं, इसलिए यह वर्ष भी राजनीतिक उथलपुथल वाला रहेगा। वैश्विक दिक्कतों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था नए वर्ष में भी सबसे तेज गति से आगे बढ़ेगा। नए साल में भारत की संतुलित व मजबूत विदेश नीति देखने को मिलेगी। राजनीति, अर्थव्यवस्था व विदेश नीति में गुजरते साल की उपलब्धियों और नए साल की चुनौतियों का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

भविष्य की तैयारी का समय

राजनीति

प्रणय यादव
वरिष्ठ पत्रकार

नए साल की शुरूआत जय श्रीराम के उद्घोष से हो रही है। अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी साल खत्म होने से एक दिन पहले ही टेंट में बैठे रामलला के दर्शन कर आए। अब 22 जनवरी को भव्यमंदिर में रामलला की स्थापना होगी। इसमें कोई दो राय नहीं कि 22 जनवरी को होने वाला कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। पांच सौ सालों के रामभक्तों के संघर्ष की परणिति है, लेकिन बीजेपी, संघ और विश्व हिन्दू परिषद ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दे दिया है। घर-घर पीले चावल पहुंचाए जा रहे हैं। पांच लाख मंदिरों में कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का इंतजाम किया जा रहा है। यानि पूरा देश राममय हो रहा है।

ये वक्त भूत की समीक्षा करके भविष्य की तैयारी करने का है। साल का अंत है। नए वर्ष की दस्तक है। हर क्षेत्र में साल भर में क्या हुआ और अगले वर्ष क्या होने वाले है इसकी विवेचना हो रही है इसलिए राजनीतिक दृष्टि से भी ये होना चाहिए। पिछला साल राजनीतिक गतिविधियों के लिहाज है, सरकार के फैसलों के लिहाज से बहुत ही महत्वपूर्ण साल था। और आने वाला साल देश के राजनीतिक और आर्थिक भविष्य की दिशा तय करेगा।

नए साल की शुरूआत जय श्रीराम के उद्घोष से हो रही है। अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साल खत्म होने से एक दिन पहले टेंट में बैठे रामलला के दर्शन कर आए। अब 22 जनवरी को भव्यमंदिर में रामलला की स्थापना करेंगे। इसमें तो कोई दो राय नहीं कि 22 जनवरी को होने वाला कार्यक्रम ऐतिहासिक है। पांच सौ सालों के रामभक्तों के संघर्ष की परणिति है, लेकिन बीजेपी, संघ और विश्व हिन्दू परिषद ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दे दिया है। घर घर पीले चावल पहुंचाए जा रहे हैं। पांच लाख मंदिरों में कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का इंतजाम किया जा रहा है। यानि पूरा देश राममय हो रहा है। ये भक्ति भाव के लिहाज से तो अच्छी बात है, लेकिन राजनीतिक लिहाज से विरोधी दलों के टेंशन को बढ़ाने वाली है। अयोध्या को बीजेपी ने भक्ति की शक्ति का प्रतीक बना दिया है। प्रोग्राम का न्योता विरोधी दलों के जिन नेताओं को दिया गया है। वो ये तय नहीं कर पा रहे हैं कि जाएं या न जाएं। जिनको निमंत्रण नहीं मिला है वो इसलिए परेशान हैं कि जाएं तो कैसे जाएं। क्योंकि सब जानते हैं कि अब भक्तिभाव चरम पर होगा और बीजेपी लोकसभा चुनाव की वैतरणी राम का नाम लेकर ही पार करेगी। अयोध्या का मुद्दा बीजेपी के लिए ऐसा है, जिसमें चिट भी मेरी पट भी मेरी और अंटा मेरे बाप का। विरोधी दलों के जिन नेताओं को बुलाया गया है, अगर वो समारोह में शामिल हुए। रामलला के दर्शन करने पहुंचे तो बीजेपी के नेता कहेंगे जो लोग राम के अस्तित्व को नरकारते थे, जो राम मंदिर के विरोधी थे, आज वो भी राम भजन कर रहे हैं इसका क्रेडिट बीजेपी को मिलना चाहिए। और अगर विरोधी दलों के नेता नहीं गए। तो उन्हें रामविरोधी घोषित कर दिया जाएगा। कुल मिलाकर अगले साल राम राजनीति के केन्द्र होंगे। और अयोध्या के मुद्दे पर विपक्षी पार्टियों के लिए इधर कुंआ ऊधर खाई वाली स्थिति होगी।बीजेपी के एजेंडे में तीन बड़े मुद्दे थे। राम मंदिर का निर्माण, आर्टिकल 370 को हटाना और कॉमन सिविल कोड। दो तिहाई एजेंडा पूरा हो गया। नरेन्द्र मोदी ने दूसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। उसके बाद पहला फैसला आर्टिकल 370 को खत्म करने का था। और पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले पर मुहर लगा दी। उन सभी पिटीशन को खारिज कर दिया जिनमें आर्टिकल 370 को खत्म करने के फैसले की संवैधानिकता को चुनौती दी गई थी। देश की सबसे बड़ी अदालत ने, संवैधानिक पीठ ने यह सरकार के फैसले को संविधान के अनुरूप बताया। इसलिए अब आर्टिकल 370 हमेशा हमेशा के लिए खत्म हो गया, लेकिन इस पर सियासत जारी रहेगी। बीजेपी चुनावों में इसका जिक्र करेगी। और कांग्रेस समेत जो पार्टियां इस फैसले के लिए सरकार की आलोचना कर रही हैं उनसे पूछेंगी कि अगर वो आर्टिकल 370 खत्म होने से परेशान हैं तो अपने मैनीफेस्टो में ये वादा क्यों नहीं करते कि अगर वो सत्ता में आए तो आर्टिकल 370 को वापस लाएंगे। इसी तरह अयोध्या में मंदिर बनकर तैयार है। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा हो जाएगी। इसके बाद बीजेपी पांच-पांच हजार श्रद्धालुओं को रोज अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए ले जाएगी। इसका मतलब किसी न किसी तरह चुनाव तक अयोध्या के मुद्दे को चर्चा में रखा जाएगा। अब बीजेपी के एजेंडे में तीसरा मुद्दा रह गया कॉमन सिविल कोड। मतलब अब देश में कॉमन सिविल कोड की बात शुरू होगी। हालांकि बीजेपी ने इसकी भूमिका बनाने का काम पहले ही शुरू कर दिया था। तीन तलाक खत्म करना इसका पहला चरण था। अब असम सरकार बिना तलाक दिए दूसरी शादी करने को गैरकानूनी घोषित करने का कानून बनाने जा रही है। यानि मुसलमानों को चार-चार शादियां करने का जो हक हासिल है वो खत्म होगा। इधर, केन्द्र सरकार ने आईपीसी और सीआरपीसी को तो पूरी तरह बदल दिया है। अब भारतीय दंड संहिता और भारतीय न्याय संहिता लागू हो गई है। अब अगला कदम कॉमन सिविल कोड की तरफ होगा, लेकिन इस तरफ नरेन्द्र मोदी की सरकार चुनाव से पहले बढ़ेगी या चुनाव के बाद ये फिलहाल कहना मुश्किल है। ऐसा नहीं है कि बीजेपी सिर्फ धर्म की या भावनाओं के भरोसे राजनीति कर रही है। नरेन्द्र मोदी ने विकास, विरासत और विश्वास को ऐसा कॉकटेल तैयार किया है, जिसका असर आने वाले साल में खूब दिखेगा। अयोध्या, उज्जैन, काशी इसके उदाहरण हैं। अब तक ये तीनों शहर अपनी प्राचीनता, धार्मिक महत्व के लिए पहचानते जाते थे। ये आस्था के बड़े केद्र थे, लेकिन अब आस्था के साथ-साथ आधुनिकता के प्रतीक बन गए हैं। काशी में पिछले साल पांच करोड़ से ज्यादा टूरिस्ट पहुंचे। गंगा में क्रूज चल रहा है। काशी में फाइव स्टार होटल बन रहे हैं। होम स्टे चल रहे हैं। इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की फैसेलिटीज उपलब्ध हैं। इसका असर काशी की इकोनॉमी पर दिख रहा है। उज्जैन में भी यही हुआ। अब अयोध्या में भी इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन हो गया है। एयरपोर्ट जैसा ही अयोध्या का रेलवे स्टेशन बना है। अयोध्या का कायाकल्प हो गया है। इसका फायदा भक्तों को भी होगा और अयोध्या के निवासियों को भी। मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद जब पहली बार जापान गए थे। उस वक्त उन्होंने कहा था कि काशी को भी क्योटो की तरह विकसित करने का प्रयास करेंगे। यानि विरासत को बचाए रखकर आधुनिकता का समावेश। इसके बाद ये सरकार की थीम बन गई और आने वाले साल में इसी तर्ज पर मथुरा का विकास होगा। बुद्धा सर्किट डेवलप होगा। अमृतसर का कायाकल्प होगा। तमाम प्राचीन और पवित्र शहरों को उनकी पुरानी पहचान के मुताबिक नए तरीके से डेवलप किया जाएगा।

आने वाले साल में देश के विकास में, देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। सरकार ने पिछले साल जो सबसे बड़ा फैसला किया वो राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का था। सरकार ने संसद और विधानसभाओं में, महिलाओं को तीस परशेंट रिजर्वेशन देने का कानून पास करवा लिया है। ये बीते हुए साल की बहुत बड़ी उपलब्धि है। हालांकि महिला आरक्षण विधेयक लागू तो अगली जनगणना के बाद होगा यानि 2026 से पहले इसके लागू होने की गुंजाइश नहीं है, लेकिन चूंकि कानून बन गया है। बीजेपी इसका क्रेडिट लेगी तो राजनीतिक दलों पर भी यह दिखाने का दबाव होगा कि वह अपनी अपनी पार्टी में टिकटों के बंटवारे में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएं। इसीलिए अगले लोकसभा चुनाव में महिला उम्मीदवारों की संख्या भी बढ़ेगी। चूंकि नरेन्द्र मोदी की राजनीति का फोकस आधी आबादी है। अब सेना में महिलाओं की तैनाती मोर्चे पर हो रही है। महिलाएं फाइटर जैट उड़ा रही हैं। कमांडो की ट्रेनिंग ले रही है। गांव में स्वंय सहायता ग्रुप के जरिए महिला सशक्तिकरण का अभियान चल रहा है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि अगला साल नारीशक्ति के उत्थान का वर्ष होगा।

अगले साल गांव गरीब किसान और नौजवान के मुद्दों के अलावा जातियों का मुद्दा भी अगले साल राजनीति का बड़ा इश्यू होगा। बिहार में जातिगत जनगणना के आंकडों को जारी करके नीतीश कुमार ने ये संकेत दे दिए हैं। जिस तरह विरोधी दल जातिगत जनगणना की मांग को आगे बढ़ा रहे हैं। अभी हाल में ही जिस तरह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनाव में कांग्रेस ने अपने मैनीफेस्टो में जातिगत जनगणना का वादा किया। उससे ये साफ है कि अब लोकसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे को बड़ा बनाने की कोशिश की जाएगी। असल में विपक्षी दलों को लगता है कि बीजेपी हिन्दुत्व की राजनीति करती है। हिन्दुत्व की पिच पर बीजेपी का मुकाबला मुश्किल है। इसलिए अगर जातियों की बात की जाए तो फायदा मिल सकता है। चूंकि ये बात अब जग जाहिर है कि जातियों के गणित में पिछड़े वर्ग की आबादी सबसे ज्यादा है। फिर दलित और आदिवासियों का नंबर है। सवर्णों की संख्या सबसे कम है, लेकिन विकास की दौड़ में सवर्ण आगे हैं। राजनीतिक दल इसी का फायदा उठाना चाहते हैं। बीजेपी को दलित पिछड़ा विरोधी घोषित करके इन वर्गों का सपोर्ट हासिल करना चाहते हैं। हालांकि बीजेपी के नेता इस चाल को समझ रहे हैं। इसलिए प्रदानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ये कहना शुरू कर दिया है कि उनके लिए सिर्फ चार जातियां हैं-गरीब, किसान, नौजवान और महिलाएं, लेकिन सिर्फ इस डॉयलॉग से बात बनेगी नहीं। जाति की सियासत होगी और अगले पूरे साल ये देश में राजनीतिक विमर्श का मुद्दा होगी।

चुनौतियों के बाद भी सुनहरी आर्थिक तस्वीर

अर्थव्यवस्था

शंभू भद्र
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

आज जब चालू वर्ष में हम भारतीय अर्थव्यवस्था की उपलब्धियों व कमियों की विवेचना कर रहे हैं, तो एक मिश्रित तस्वीर उभर रही है। मजबूत जीडीपी, महंगाई-बेरोजगारी पर नकेल, शेयर बाजार का रिकार्ड, जीएसटी कलेक्शन में इजाफा, विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि व आर्थिक कॉरिडोर ने वर्ष 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दी, तो खाने पीने की महंगाई, महंगे पेट्रोल व डीजल, सेवा क्षेत्र की कमजोरी, राजकोषीय व वित्तीय घाटा में बढ़ोत्तरी, व्यापार घाटा, सरकारी खर्च में कमी ने अर्थव्यवस्था की कमियों को उजागर किया। इस वर्ष भारत ने जी-20 का सफल आयोजन कर जहां दुनिया को नई राह दिखाई, वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था के सशक्त बनने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) महंगाई को काबू में लाने, असुरक्षित माने वाले कर्ज से जुड़े जोखिम पर अंकुश लगाने, नया ऋण लेकर पुराने कर्ज चुकाने (एवरग्रिनिंग) पर लगाम लगाने तथा बैंकों में ग्राहक सेवा और बेहतर बनाने को लेकर उपाय जैसे कदमों को लेकर पूरे वर्ष सुर्खियों में रहा। नए साल में आरबीआई केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) को बढ़ावा दे सकता है।

वर्ष 2023 की उपलब्धियां

वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद जीडीपी और महंगाई के मोर्चे पर साल 2023 में भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। भारत में आयोजित जी 20 समिट के दौरान भारत से यूरोप तक नया स्पाइस कॉरिडोर या आर्थिक कनेक्टिविटी कॉरिडोर बनाने पर भी सहमति बनी जो एक तरह से चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट का तोड़ है। यह कॉरिडोर जल्द ही भारत, पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच बनेगा, जिसमें भारत, यूएई, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, फ्रांस, इटली, जर्मनी और अमेरिका शामिल हो रहे हैं। इटली ने बीआरई प्रोजेक्ट से अलग होने की घोषणा कर एक तरह से भारत की परियोजना के साथ अपनी प्रतिबद्धता जाहिर कर दी है। ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते या एफटीए की दिशा में भी वर्ष 2023 में अहम बातचीत हुई। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मौजूदा और अगले वित्त वर्ष के लिए, जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआई महंगाई दर को वर्ष 2023 में अधिकतर समय पर चार से छह प्रतिशत के बीच बनाए रखने में सफल रहा। साल 2023 में देश में बेरोजगारी दर कम करने में भी सफलता मिली है। एनएसएसओ की ताजा आवधिक श्रम बल रिपोर्ट देश में 15 साल से अधिक उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी दर 3.2 प्रतिशत दर्ज की गई यह छह साल में सबसे कम है। पिछले साल बेरोजगारी दर 4.1 प्रतिशत थी। 2023 में दिसंबर महीने की शुरुआत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर 600 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। बता दें कि अक्तूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 642 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

आरबीआई की ओर से लॉन्च की गई डिजिटल करेंसी यानी सीबीडीसी के लिहाज से भी साल 2023 अहम साबित हुआ है। सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) या ई-रुपये के सीमापार लेन-देन के उपयोग से लागत में दो से तीन फीसदी की बचत होती है। साल 2023 भारत के लिए चिप निर्माण का आगाज करने वाला साल भी रहा। माइक्रॉन टेक्नोलॉजी, फॉक्सकॉन और वेदांता जैसी कंपनियां भारत में चिप निर्माण के क्षेत्र में आगे बढ़ा रही हैं। इस वर्ष शेयर बाजार ऑल टाइम हाई पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार पर भरोसा करते हुए अपना निवेश जारी रखा। देश में एक्सप्रेसवे और हाईवे निर्माण के लिहाज से भी 2023 अहम साबित हुआ। बंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के एक हिस्से की शुरुआत आदि अहम हैं। एविएशन सेक्टर में मजबूती आई। वर्ष 2023 में हवाई यात्रियों की संख्या में भी बड़ी वृद्धि हुई।

ग्लोबल चुनौतियां

व्यापार में तनाव, बढ़ती ब्याज दरें, रूस व यूक्रेन युद्ध व इजराइल-हमास जंग, आपूर्ति तंत्र पर असर, खाद्यान्न व ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक खींचतान, सुस्त आर्थिक विकास दर नव वर्ष में चुनौतियां बनी रहेंगी। यूक्रेन युद्ध के जारी रहने से भारत के सबसे बड़े निर्यात बाज़ार यूरोपीय संघ में ऊर्जा से जुड़ी मंदी का खतरा है। फेड की दर वृद्धि में विराम वर्ष की दूसरी छमाही तक संभव नहीं है, क्योंकि अमेरिका घटती मुद्रास्फीति के दबाव से जूझ रहा है। बढ़ते संरक्षणवाद, एक वि-वैश्वीकरण-विरोधी आंदोलन और आर्थिक विखंडन नव वर्ष में चुनौतियां बने रहेंगे।

भारतीय अर्थव्यवस्था की उम्मीदें

भारत नव वर्ष में भी सबसे तेज विकास दर वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आरबीआई ने इस वित्तीय वर्ष (2023-24) में 7% के जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। वित्त वर्ष (2024-25) में इसके 6.4% पर होने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, भारत वर्ष 2023 में 5.8 प्रतिशत और वर्ष 2024 में 6.7 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर्ज करेगा। फिच रेटिंग्स के मुताबिक, 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था में 6.9% की वृद्धि दर रहेगी। 2024 में घरेलू मांग भी सेवाओं से वस्तुओं की ओर ट्रांसफर होने की संभावना है। अब तक जियो-पॉलिटिकल घटनाओं ने भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर नहीं किया है, लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से नए वर्ष में इसका टेस्ट होगा क्योंकि व्यापार लागत बढ़ने लगी है और कच्चे तेल पर दबाव पड़ सकता है। 2024 में अमेरिका और भारत सहित रिकॉर्ड 40 देशों में आम चुनाव होने वाले हैं। इन चुनावों से अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम फर्मों के बीच समस्या बनी हुई है, जो नए साल में भी रहेगी। आयातित ऊर्जा पर भारत की निर्भरता एक चुनौती है, आगे भी बनी रहेगी। एक बड़े और बढ़ते बाजार, एक युवा कार्यबल और शिक्षा सुधार, अपस्किलिंग, विनिर्माण, तकनीक-सक्षम शासन, बुनियादी ढांचे के विकास और बढ़ी हुई क्षेत्रीय कनेक्टिविटी पर एक दृढ़ नीतिगत जोर के साथ, देश ग्रीनफील्ड निवेशकों और व्यवसायों दोनों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। बाज़ार विस्तार, विलय और अधिग्रहण, और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण से आर्थिक गतिविधियां बढेंगी। भारत अपने मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों के कारण वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक स्थान बना रहेगा। 2024 में भारत में विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने वाले प्रमुख उद्योगों में स्वास्थ्य सेवा और बीमा, फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु तकनीक, इलेक्ट्रिक वाहन व ऑटोमोबाइल, आईटी सेवाएं, रियल एस्टेट, बुनियादी ढांचा, एफएमसीजी, आरएंडडी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), तकनीकी नवाचार शामिल हैं। 2024 में निवेश-आधारित विकास के लिए उभरते उद्योग हैं बैटरी ऊर्जा भंडारण समाधान, हरित हाइड्रोजन, बायोटेक, एवीजीसी (एनीमेशन, दृश्य प्रभाव, गेमिंग, कॉमिक्स), सेमीकंडक्टर चिप निर्माण। इसलिए अर्थव्यवस्था के बेहतर रहने की उम्मीद है।

दुनिया के पटल पर मजबूत हुआ भारत

भू-राजनीति

प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

दुनिया के मुख्तलिफ हिस्सों में भयानक युद्धों के जारी रहने के बावजूद भारत ने वर्ष 2023 में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। भारत दुनिया की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनी। वर्ष 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है। भारत ने अध्यक्ष के तौर पर जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी अंजाम दी। जी-20 के अध्यक्ष देश के तौर पर भारत की कयादत में विश्व के विभिन्न स्थानों पर 250 से अधिक शानदार बैठकें आयोजित की गई। अफ्रीकी संघ को जी-20 की पूर्ण सदस्यता हासिल हुई। जी-20 सम्मेलन के पहले ही दिन दुनिया भर के नेताओं ने दिल्ली घोषणा पत्र पर अपनी सहमति व्यक्त कर दी। विश्व पटल पर यह भारत की बड़ी नैतिक और कूटनीतिक उपलब्धि रही। अरब मुल्कों के साथ भारत के कूटनीतिक संबंध जिस ऊंचाई तक पहुंचे हैं, उसी का शानदार नतीजा हुआ है कि कतर में भारत के जिन पूर्व नेवल अधिकारियों को सजा ए मौत प्रदान की गई थी, उनकी सजा कैद में बदल दी गई है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जब चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतर गया।

पड़ोस में सतर्क रहे भारत

मालदीव की नई हुकूमत की कयादत मोहम्मद मुइज्जू कर रहे हैं, जोकि चीन के प्रबल समर्थक है। उन्होंने आधिकारिक रूप से भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस चले जाने और भारत से अपना हेलीकॉप्टर वापस ले जाने के लिए कहा है। इस छोटे से मगर रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ोसी देश के साथ बहुत सावधानी के साथ निपटना होगा। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान में भी चीन की सक्रिय दखलंदाजी पर सख्त कूटनीतिक नजर रखने की दरकार है। प्रधानमंत्री मोदी और शेख हसीना ने अखौरा-अगरतला रेलवे लाइन का उद्घाटन किया गया। जोकि भारत के पूर्वोत्तर को बांग्लादेश से जोड़ देगा। इससे अगरतला और कोलकाता की यात्रा में काफी कम समय लगेगा।

चीन से तल्ख रिश्ते

चीन के साथ हमारे कामकाजी रिश्ते तो बाकायदा बरकरार बने हुए हैं। निरंतर जारी कूटनीतिक और सैन्य वार्ताओं को बावजूद वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। चीनी समकक्ष के साथ बात करते हुए हमारे विदेश मंत्री ने एकदम स्पष्ट कहा कि सीमा विवाद का पूरी तरह जब तक समाधान नहीं हो जाता तब तक चीन और भारत के रिश्ते सामान्य हो ही नहीं सकते हैं। हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के विस्तारवाद से निपटने की खातिर क्वाड को और अधिक शक्तिशाली बनाना होगा।

पाक को साधना होगा

पाकिस्तान के साथ भारत के ताल्लुकात एकदम तनावपूर्ण, नाजुक और अनिश्चित स्थिति में बने हुए हैं। कश्मीर में जब तक पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद का पूर्णतः सफाया नहीं हो जाता, तब तक आने वाले दौर में भी पाकिस्तान

के साथ संबंध सामान्य बन जाने की कोई स्थिति नहीं होगी। अफगानिस्तान को भारत की मानवीय सहायता निरंतर जारी है। मगर इस देश को नई सुबह की दरकार है। भारत मदद करे।

कनाडा से कठोर संबंध

कनाडा यकीनन खालिस्तानियों की पनाहगाह बनता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर वैश्विक आतंकवाद का एकजुट होकर मुकाबला करने की पैरवी करने वाले अमेरिका और कनाडा को खालिस्तानियों पर कड़ी लगाम आयद करनी चाहिए। आज वह विकट दौर आ गया है, जबकि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी है।

दोनों जंग का हो अंत

यूक्रेन बनाम रूस युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ था कि एक नए विनाशकारी युद्ध द्वारा दुनिया की सरजमीं पर दस्तक दे दी गयी। यह युद्ध मध्य पूर्व में इजरायल और फिलिस्तीन की धरती पर शुरू हो गया है। सात अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीन की गाजा पट्टी से हमास तंजीम द्वारा कुछ रॉकेट इजरायल की धरती पर दागे गए और इसके बाद इजरायल हुकूमत द्वारा एक ऐसा विनाशकारी युद्ध शुरू किया गया, जिसका मकसद हमास तंजीम को पूरी तरह से तबाह और बर्बाद कर देना था। इसराइल के पक्ष में अमेरिका कमर कसकर खड़ा हो गया, अतः कोई भी प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सिक्योरिटी काउंसिल में युद्ध को समाप्त करने के लिए अथवा युद्ध विराम के लिए भी पारित नहीं किया जा सका, क्योंकि अमेरिका इसराइल का फिलिस्तीन के विरुद्ध अंध समर्थन करता रहा है। इसराइल सेना के आक्रमण में अभी तक तकरीबन बीस हजार से अधिक फिलिस्तीन नागरिक मारे जा चुके हैं। हलाक़ हुए इन नागरिकों में बड़ी संख्या में बच्चे और महिलाएं शामिल हैं, जिनका युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है। यूक्रेन युद्ध में रूस की आक्रामक बर्बरता के विरुद्ध बोलने वाले, पश्चिमी राष्ट्र आज इजरायल की विध्वंसकारी बर्बरता पर एकदम खामोश हैं। फिलिस्तीन की सरजमीन पर गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक पर रहने वाले बेबस इंसानों को रोज-रोज भयानक बारुदी विध्वंस का मुकाबला करना पड़ रहा है। यह भीषण विध्वंस विश्व की मानवीय चेतना को जरा सा भी झकझोर नहीं रहा है। वर्ष 2024 का आगमन हो रहा है और यूक्रेन और ग़ज़ा में छिड़ी जंग का निरंतर विस्तार हो रहा है। चीन और अमेरिका के मध्य ताइवान को लेकर सैन्य तनातनी बढ़ रही है।

जलवायु परिवर्तन चुनौती

जलवायु परिवर्तन की चुनौती आने वाले दौर की सबसे प्रबल चुनौती सिद्ध होगी। जहां एक तरफ युद्ध के कारण तबाही मची है वहीं दूसरी तरफ वहीं दूसरी तरफ जलवायु परिवर्तन के कारण बड़े-बड़े तूफान आ रहे हैं। विनाशकारी प्राकृतिक आपदाएं कहर ढा रही हैं। पर्यावरण विनाश की कीमत पर कोई भी आर्थिक विकास मानव जाति के लिए कोई सार्थक अर्थ नहीं रखता। महात्मा गांधी की सीख हमें याद आती है कि दुनिया के संसाधन इंसान की जरूरतों के लिए तो पर्याप्त है, लेकिन उसकी अंतहीन लिप्सा और लालच के सामने ये कुछ भी नहीं है।

शांति की आकांक्षा

आज विश्व को शांति की कहीं अधिक दरकार है। जंग और संघर्ष तबाही, गरीबी और भुखमरी को फैला रहे हैं। लाखों लोग बेघर हो रहे हैं। आर्थिक विषमता इतनी गहरी हो गई है कि शांतिपूर्ण देश भी आर्थिक विषमता व राजनीतिक ध्रुवीकरण की लपेट में आ चुके हैं। वैश्विक संकट की इस विकट दौर में भारत को अपनी अर्वाचीन ऋषि परंपरा के अनुरूप विश्व शांति की स्थापना के लिए विश्व पटल पर आगे आना चाहिए और इसके लिए प्रबल पहल करनी चाहिए, ताकि रूस-यूक्रेन युद्ध का समुचित समाधान निकाला जा सके और इजरायल और फिलीस्तीन के मध्य जारी जंग समाप्त की जा सके। दुनिया में एक उज्जवल भविष्य की बुनियाद रखी जा सके, जिसमें आर्थिक विकास के साथ ही साथ राजनीतिक सद्भाव और सामाजिक सद्भाव भी निहित हो।

गुंडा-बदमाशों के साथ जुआरियों-सटोरियों पर हुई ताबड़तोड़ कार्रवाई

जान के दुश्मन बन रहे 'अपने'

- लूट, अपहरण, गृह भेदन और चोरी के मामलों में आई बढ़ोत्तरी
- तुलनात्मक अध्ययन में सराहनीय रही पुलिस की वार्षिक कार्रवाई

शुभम शुक्ला

हरिभूमि, जबलपुर। वर्ष 2023 पुलिस के लिए कहीं उपलब्धियों तो कहीं चुनौतीपूर्ण रहा। रिकॉर्ड में दर्ज आकड़ों को देखा जाए तो पूरे वर्षभर कुल 12,666 अपराध दर्ज किए गए। अपनों ने अपनों का खून बहाया तो कहीं रिश्तों को तार-तार कर शर्मसार कर देने वाली हैवानियत, दरिंदगी की वारदातें भी हुई। हालांकि इन सबके बीच खाकी ने कई ऐसे कार्य भी किए जिसकी जितनी सराहना की जाए वह भी कम है। शांति पूर्ण विधानसभा चुनाव उसमें अहम रहा। बीत रहे साल में अपराध की ऐसी वारदातें सामने आई है जो इस ओर इशारा कर रही हैं कि परायों से ज्यादा अपने ही अपनों का खून बहा रहे है। इसलिए अब दूसरों से ज्यादा अपने लोगों से सतर्क रहने की जरूरत महसूस होने लगी है।

लूटी आबरू, बहाया खून

वर्ष 2023 में हत्या की कुछ ऐसी शर्मसार कर देने वाली वारदातें भी हुई जिसमें आरोपी और पीड़ित परिजन या रिश्तेदार ही निकले। कुछ ऐसे अपराधी रहे जिन्होंने रिश्तों को तार-तार करते हुए न केवल हैवानियत की बल्कि दरिंदगी की सारी हदें पार कर दी। कुछ ऐसे भी मामले सामने आएं जिसमें अपनों ने ही अपनों का खून बहाया। हत्या और दुष्कर्म के अधिकांश मामले में आरोपित रिश्तेदार या परिजन ही निकले है।

जुआरियों, सटोरियों पर शिकंजा

2023 में पुलिस ने जुआरियों, सटोरियों, तस्करों पर शिकंजा कसा है। 1 जनवरी से अब तक आबकारी एक्ट के 6492, जुआ एक्ट के 599, सट्टा एक्ट के 1020, एनडीपीएस एक्ट के 73 प्रकरण दर्ज कर उनके नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया।

45 पर एनएसए, 253 तड़ीपार

ऐसा नहीं है कि पुलिस ने अपराधियों पर कार्रवाई नहीं की है। पुलिस ने बदमाशों पर कार्रवाई की। गुंड-बदमाशों ने ताबड़तोड़ तरीके से प्रतिबंधात्मक कार्रवाईयां की गई है। 45 पर एनएसए लगाया गया। 253 जिलाबदर किए गए। 107, 116(3) द.प्र.सं. के 27023, 110 के 4191, एवं 151 के 3409, 122 के तहत 251 प्रकरण बने।

चाकूबाजी की वारदातों में बढ़ोत्तरी

शहर में हर दिन चाकूबाजी होती है, शायद ही ऐसा कोई दिन बीतता होगा जब कहीं चाकूबाजी की वारदात सुनने न मिली हो। चाकू इतनी आसानी से मुहैया हो जाता है कि युवा पीढ़ी चाकू रखना शौक समझती है तो गुंडे-बदमाश अक्सर चाकू जेब में रखकर घूमते है। इन चाकूबाजों पर पूर्व पुलिस कप्तान सिद्धार्थ बहुगुणा ने नकेल कसते हुए ऑनलाइन चाकू मंगवाने वालों की सूची बनाकर उन पर रोक लगाते हुए नकेल कसी थी।

अलविदा 2023

पेंडिंग शिकायतों के निराकरण में मारी बाजी

वर्ष 2013 में पेंडिंग शिकायतों के निराकरण में पुलिस ने बाजी मारी है। सीएम हैल्प लाइन में पूरे प्रदेश में पहली रैंक लाकर सभी जिलों को चौंका दिया। वहीं पूर्व में घटित अपराधों में भी अच्छा खासा प्रदर्शन रहा।

जनता दरबार और कॉम्बिंग गश्त ने बटोरी सुर्खियां

वर्ष 2023 पुलिस के लिए भी खास रहा। डीजीपी सुधीर सक्सेना के निर्देश पर पूरे प्रदेश में जनता दरबार और नाइट में होने वाली कॉम्बिंग गश्त को बढ़ावा देकर कॉम्पिटीशन कराया गया। जिसमें जबलपुर पुलिस ने बेहतर प्रदर्शन किया। जिसके लिए डीजी ने कई मौकों पर न सिर्फ तारिफ की बल्कि शबासी भी दी।

चोर चुस्त, पुलिस रही सुस्त

अपराधों पर नकेल कसने पुलिस मुखबिर तंत्र को मजबूत रखते हुए गुंडे-बदमाशों में खौफ पैदा करने गश्त करती है, लेकिन इस साल चोर भी गश्त पर निकले जिनके सामने पुलिस सुस्त नजर आई। मकानों, दुकानों में चोरों ने सेंध लगाई। वाहनों की भी धड़ाधड़ चोरियां हुई। कुछ चोरियों का खुलासा भी हुआ लेकिन अधिकांश चोरियों के मामलों में पुलिस के हाथ अब तक खाली है।

फैक्ट फाइल

हत्या	-	65
हत्या का प्रयास	-	67
डकैती	-	2
प्रयास डकैती	-	3
बलात्कार	-	202
छेड़छाड	-	282
अपहरण	-	491
लूट	-	30
गृहभेदन	-	313
चोरी	-	252
वाहन चोरी	-	750
बलवा	-	32
अन्य भादवि	-	10177
योग	-	12,666

इनका कहना है

अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पूरे वर्ष कार्रवाई जारी रही। जिसमें भू-माफिया, रेत माफिया, जुआरियों-सटोरियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस हमेशा जनता रक्षा के लिए तत्पर है आगे भी अपराधियों के खिलाफ इसी प्रकार कार्रवाई जारी रहेगी।

-आदित्य प्रताप सिंह, पुलिस कप्तान

शनिवार को भी हुआ अकस्मिक निरीक्षण

जबलपुर। जिले में धान उपार्जन केन्द्रों के आकस्मिक निरीक्षण और पर्यवेक्षण के लिये गठित किये गये उड़न दस्ता दल ने शनिवार को भी पाटन और शहपुरा तहसील के खरीदी केन्द्राW का आकस्मिक निरीक्षण किया और किसानों से चर्चा की।

परियोजना संचालक आत्मा डॉ. एस के निगम ने बताया कि पाटन तहसील के ग्राम सकरा में गोविंद वेयर हाउस स्थित खरीदी केन्द्र के निरीक्षण के लिये पहुंचे उड़नदस्ता दल से चर्चा में किसानों ने उपार्जन की व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। किसानों ने बताया कि धान की तुलाई, सिलाई एवं रखवाई का किसी प्रकार का पैसा उनसे नहीं लिया जा रहा है। उड़न दस्ता दल ने इस मौके पर केन्द्र प्रभारी को किसानों की किसी तरह की असुविधा नहीं होने देने के निर्देश दिये। साथ ही एफएक्यू धान की खरीदी ही करने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी डॉ. इंदिरा त्रिपाठी भी मौजूद थीं। इस मौके पर किसानों से खरीदी गई धान की तुलाई भी मौके पर की गई।

डॉ. निगम ने बताया कि उड़नदस्ता दल द्वारा शहपुरा तहसील के अंतर्गत तेवर, बिजौरी और कैथरा धान उपार्जन केन्द्रों का भी आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में इन केन्द्रों पर तौल कांटे की जांच की गई तथा उनका सत्यापन किया गया। तेवर के अदविका लॉजिस्टिक वेयर हाउस स्थित खरीदी केन्द्र को छोड़कर शेष खरीदी केन्द्रों पर माईश्चर मीटर उपलब्ध पाये गये। किसानों ने चर्चा के दौरान इन केन्द्रों पर उपार्जन व्यवस्था को लेकर संतोष जताया। किसानों ने बताया कि उनसे किसी प्रकार का कोई कमीशन नहीं लिया जा रहा है। तुलाई भी सही की जा रही है। खरीदी केन्द्रों पर उपार्जन से संबंधित बैनर-पोस्टर भी लगे पाये गये। किसानों के बैठने तथा पेयजल आदि के समुचित इंतजाम पाये गये। निरीक्षण के दौरान तेवर और कैथरा में सर्वेयर अनुपस्थित थे। किसानों की मौजूदगी में किये गये निरीक्षण के दौरान उड़नदस्ता दलों द्वारा पंचनामे भी तेयार किये गये हैं।

बाईकों में भिडंत, 3 घायल

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत रिछाई फ्लाय ओवर के पास अधारताल में एक बाईक ने दूसरी बाईक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाईक सवार तीन युवक नीचे गिरकर घायल हो गए। वहीं टक्कर मारने वाला बाईक चालक मौके से फरार हो गया। तीनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगानगर पुरवा गढ़ा निवासी भगवान सिंह गोंड, रम्मू आदिवासी और चरण कुशवाहा एक बाईक में तथा दूसरी बाईक में भगवान सिंह गोंड का बड़ा भाई विशाल सिंह अपने साथी दम्मू कुशवाहा के साथ गत शाम लगभग 5.30 बजे रिछाई इंडस्ट्रीयल एरिया में मजदूरी का ठेला लेकर अपने कमरे गंगानगर गढ़ा आ रहे थे। जैसे ही सभी लोग रिछाई फ्लाय ओवर के पास अधारताल पहुंचे तभी पीछे से आ रही एक बाईक क्रमांक एमपी 20 जेडजे 9518 के चालक ने भगवान सिंह गोंड की बाईक में पीछे से टक्कर मार दी।

गुना हादसे के बाद हरकत में प्रशासन

आरटीओ ने जांची 31 बसों की फिटनेस

जबलपुर। गुना हादसे का असर जबलपुर में भी दिखा। यहां बसों की जांच का सिलसिला शुरु हुआ। ाज्य सरकार ने प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस और परिवहन विभाग को ओवरलोड बसों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। जबलपुर में भी आरटीओ अमले ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए एक दिन में 85 से अधिक बस की जांच की। परिवहन विभाग ने 31 बसों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए हिदायत दी कि अगली बार अगर बसों की दस्तावेज पूरे नहीं होते है परमिट निरस्त किया जाएगा। जबलपुर आरटीओ जितेंद्र रघुवंशी के निर्देश पर आरटीओ के अमले ने जबलपुर से लगे मंडला, नागपुर और कटनी रोड पर बसों की सघन चेकिंग की। आरटीओ ने शुक्रवार को 85 से अधिक बस की जांच की। इस दौरान अमले

ने 31 बसों का चालान भी किया, साथ ही एक बस का फिटनेस ना होने पर उसके ऊपर पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। आरटीओ विभाग ने 51 हजार 700 रुपए का जुर्माना एक दिन में बसों के खिलाफ कार्रवाई कर वसूला है। जबलपुर आरटीओ जितेन्द्र रघुवंशी ने बताया कि गुना में हुए हादसे के बाद राज्य सरकार के निर्देश पर ओवरलोड और बिना परमिट बसों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। जबलपुर आरटीओ के अमले ने शुक्रवार को ओवरलोड, फिटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी और मैकेनिकल गलतियों को लेकर बसों की जांच की है। आरटीओ ने बताया कि तेज रफ्तार और ओवरलोड बसों के खिलाफ ये कार्रवाई आगे भी जारी रहेगा। जबलपुर जिले से लगे मंडला,सिवनी और कटनी में परिवहन विभाग की टीम मौजूद रही, जिन्होंने कि 80 से ज्यादा बसों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है। आरटीओ जितेंद्र रघुवंशी के निर्देश पर (टीएसआई) राजेन्द्र साह के साथ इम्तियाज हुसैन, आशुतोष मोघे,श्वेता अहिरवार,निमिषा तिवारी,कपिल शर्मा, सारंगधर माहले एवं नगर सेना की टीम मौजूद रही।

मलवे से भरा डंपर पलटा, कांचघर में लगा रहा घंटों जाम

जबलपुर। कांचघर चौक पर शनिवार सुबह मलबे से भरा एक डंपर सड़क पर पलट जाने से घंटों यातायात बाधित रहा। रहात की बात यह रही कि किसी तरह की जनहानी नहीं हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने डंपर को क्रेन से किनारे कराने के प्रयास शुरु कर दिए थे। जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह करीब 6 बजे डंपर क्रमांक एमपी 20 एचबी 5531 मलबा लोड कर कहीं जा रहा था। जैसे ही चालक कांचघर चौक के पास पहुंचा, अचानक से एक ऑटो वाला सामने आ गया, जिसे बचाने के चक्कर में डंपर अनियंत्रित हुआ और पलट गया। घटना में डंपर तो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ ही, साथ में मलबा भी पूरी सड़क पर फैल

गया। घटना के बाद डंपर चालक और परिचालक वाहन मौके पर छोड़कर भाग गए। बताया जा रहा है कि जिस वक्त हादसा हुआ, उस वक्त अगल-बगल से भी कई लोग निकल रहे थे, लेकिन गनीमत रही कि वे हादसे का शिकार नहीं हो पाए। डंपर के कारण डिवाइड भी बिजली का पोल भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

मारपीट की वारदातों में 1 महिला और 1 युवक घायल

जबलपुर। मझौली और रांझी थाना क्षेत्र में गालीगलौज की बात पर मारपीट की दो वारदातें सामने आई है। मारपीट की इस घटना में एक महिला और एक युवक घायल हो गये।

मझौली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम दौरा निवासी 36 वर्षीय श्रीमति सुमन रैकवार की कुछ दिन पहले बकरी चोरी हो गई थी। शनिवार की सुबह लगभग 9.30 बजे वह अपने छत पर खड़ी होकर बिना किसी के नाम लिए बकरी चुराने वालों को गालियां दे रही थी, तभी ग्यारसी बाई रैकवार और उसका लड़का मोहन रैकवार दोनों उसकी छत पर आए और गाली क्यों दे रही हो कहने लगे, उसने कहा कि तुम लोगों को गालियां नहीं दे रही हूं इसी बात पर दोनों उसके साथ गालीगलौज करने लगे, मोहन ने मारपीट की और ग्यारसी बाई ने कुल्हाड़ी से उसके माथे पर हमला कर दिया। आवाज सुनकर उसका पति सुदर्शन और पड़ोसी ने बीच बचाव किया तो दोनों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी माँ बेटे के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 294, 323, 324, 506, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच मे लिया है।

इसी प्रकार रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बद्री चौक कुशवाहा भवन के सामने रांझी निवासी 18 वर्षीय अंगद बेन गत रात लगभग 9.30 बजे अपने दोस्त पंकज कोरी के घर के सामने बंटी बेन के साथ आग ताप रहा था, कुछ समय बाद

एक्टिवा से शुभम सेन गालीगलौज करते हुए उनके सामने से निकला और थोड़ी दूर जाकर वापस उनके पास आया और अंगद से हाथ मिलाकर राजश्री खाने के लिए मांगा, उसने कहा कि उसके पास नहीं है और कहा कि मोहल्ले पड़ोस में गालीगलौज करते हुए जाते हो अच्छी बात नहीं है, इसी बात पर शुभम सेन उसके साथ गालीगलौज करने लगा, मना करन पर जेब से कैंची निकालकर उसके पेट पर हमला कर दिया। मोहल्लें के लोगों ने बीच बचाव किया तो शुभम सेन ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 294, 324, 506 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

क्वाटर के गेट का ताला तोडकर एक्टीवा चोरी

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत क्वाटर इंजीनियरिंग कॉलेज गोकलपुर में गेट का ताला तोड़कर अज्ञात चोर एक्टिवा चोरी कर ले गए। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार क्वाटर इंजीनियरिंग कॉलेज गोकलपुर निवासी 50 वर्षीय कैलाश कुमार यादव गत रात लगभग 8 बजे अपनी एक्टिवा क्रमांक एमपी 20 एसएफ 4608 घर पर लॉक खड़ी कर गेट में ताला लगाकर घर के अंदर चला गया और रात लगभग 10 बजे खाना खाकर सो गये थे। सुबह लगभग 5 बजे कैलाश की पत्नी उठकर मेन गेट का ताला खोलने गई तो ताला टूटा था और एक्टिवा नहीं थी। पत्नी ने उसे बताया तो उसने आसपास एक्टिवा की तलाश की लेकिन एक्टिवा नहीं मिली। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 457, 380 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

एनडीआरएफ ने किया संयुक्त मॉक अभ्यास

जबलपुर। आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन योजना के तहत एनडीआरएफ वाराणसी की टीम द्वारा शनिवार को भेड़ाघाट में केबल कार आपात स्थिति पर मॉक अभ्यास किया गया । एनडीआरएफ के सहायक कमांडेंट सैयद बाशा ए सिकन्दर के नेतृत्व में किये गये मॉक अभ्यास के दौरान केबल कार इमरजेंसी पर एक परिदृश्य चित्रित किया गया । जिसमें नर्मदा रोप-वे की एक केबल कार जमीन से लगभग 90 फुट की ऊंचाई पर तकनीकी समस्या के कारण रूक गई और कार के अंदर यात्री फंस गये। घटना की जानकारी तुरंत ईओसी को दी गई । एनडीआरएफ नियंत्रण कक्ष और सभी संबंधित हितधारकों को आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए सूचित किया। सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुँची एनडीआरएफ की टीम ने प्रारंभिक आंकलन किया साथ ही ऑपरेशन के लिये बेस, कमांड पोस्ट, मेडिकल पोस्ट और संचार पोस्ट की स्थापना की एवं तुरंत बचाव अभियान शुरू किया । कुछ ही देर में सभी फंसे हुए पीड़ितों को रस्सी एवं बचाव की अन्य तकनीक के माध्यम से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया । मेडिकल एजेंसियों द्वारा प्राथमिक उपचार देने के बाद सभी पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाया गया। इस पूरे अभ्यास के दौरान इंसिडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम के दिशा-निर्देशों पर जोर दिया गया और इसका पालन किया गया। मॉक अभ्यास भेड़ाघाट नगर परिषद की पार्षद संध्या सिंह, सीएमओ विक्रम सिंह झरिया, साईट इंचार्ज नर्मदा रोपवे, सिविल डिफेंस के सुनील गर्ग की उपस्थिति में किया गया। मॉक अभ्यास में डीडीएमए, स्वास्थ्य विभाग, एसडीईआरएफ, होमगार्ड, अग्निशमन विभाग, वन विभाग, अस्पताल के कर्मचारी, रोप-वे टीम के कर्मचारी एवं विभिन्न हितधारकों ने भी भाग लिया। मॉक एक्सरसाइज का उद्देश्य सभी हितधारकों के बीच समन्वय बनाना, उपचारात्मक उपाय करना, संसाधनों की दक्षता की जांच करना और प्रतिकूल स्थिति में बचाव कार्यवाही को परखना था, ताकि कभी भी केबल कार (रोपवे) दुर्घटना में त्वरित कार्यवाही करते हुए मानव जीवन को बचाया जा सके।

घूर कर देखने के विवाद पर चाकू व पत्थर चले, 3 घायल

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत आईटीआई चुंगीनाका में घूर कर देखने की बात पर दो पक्षों ने एक दूसरे के साथ मारपीट कर चाकू व पत्थर से हमला कर घायल कर दिया। मारपीट की इस घटना में तीन युवक घायल हो गए। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार आईटीआई चुंगीनाका निवासी 23 वर्षीय मोबाइल दुकान संचालक सौरभ अहिरवार गत रात लगभग 10 बजे बेटू जैन की दुकान में बैठा था तभी वहा अभिषेक उर्फ गुल्ली गोस्वामी आया और यहां क्यों बैठा है कहते हुए गालीगलौज करने लगा, मना करने पर चाकू से सौरभ की जांघ पर हमला कर घायल कर दिया। वह जान बचाकर अपने घर भागा तो अभिषेक ने उसका पीछा किया, जहां रास्ते में उसे अनिकेत पटेल मिला और सौरभ के साथ क्यों रहता है कहते हुए अनिकेत पर भी चाकू से हमला कर घायल कर दिया।

वहीं दूसरे पक्षे शारदा मंदिर केपास नई बस्ती निवासी 21 वर्षीय

आटो चालक अभिषेक गोस्वामी गत रात लगभग 10 बजे पैसे लेने के लिये बेटू जैन की दुकान पर गया था, सौरभ अहिरवार बेटू जैन की दुकान पर खड़ा था जो उसे घूर कर देख रहा था, घूर कर क्यों देख रहे हो कहा तो इसी बात पर सौरभ उसके साथ गाली गलौज करने लगा, गालियां देने से मना करने पर सौरभ ने पत्थर से सिर पर हमला कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर धारा 294, 323, 324, 506 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

खबर संक्षेप

खुले में मांस मछली विक्रय करने पर ननि ने की कार्यवाही

कटनी। सरकार के निर्देशानुसार खुले में मांस मछली के विक्रय पर प्रतिबंध लगाये जाने के आदेश पर नगर पालिक निगम आयुक्त विनोद कुमार शुक्ल के निर्देशन में स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी एवं निगम टीम ने नगरीय क्षेत्र में भ्रमण कर खुले में मांस व मछलियों का विक्रय करने पर सख्त कार्यवाही की। आचार्य कृपलानी संतकंवरराम एवं बाबा नारायण शाह वार्डो में नगर निगम कर्मचारियों की संयुक्त टीम के द्वारा बिना अनुमति खुले में व्यवसाय कर रहे 06 दुकानदारों को बंद कराने की कार्यवाही की गई ।

एक करोड़ से अधिक की कर चोरी, जमा कराई राशि

कटनी। जिले के एक कोयला व्यापारी की दो कम्पनी में कर अपवंचन को लेकर जीएसटी जबलपुर की टीम ने दबिश दी। जांच के बाद टीम ने एक करोड़ से अधिक की कर चोरी पाई है और कंपनी पर जुर्माना लगाया है। जानकारी के अनुसार दक्ष्य मल्टी ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड और दुर्गा मिनरल्स के नाम से अरुण गोयल की दो कोयला सप्लाई कंपनी हैं। जिस पर जीएसटी जबलपुर की टीम ने कर चोरी की सूचना पर दबिश दी। टीम के सदस्यों ने दोनों कंपनी में दस्तावेजों की जांच की। जिसमें कर चोरी सामने आई। अधिकारियों ने जांच के दौरान दक्ष्य लिमिटेड में 66 लाख 55 हजार रुपए और दुर्गा मिनरल्स में 37 लाख 50 हजार रुपए का कर अपवंचन पाया है। गोयल की दोनों कंपनी में एक करोड़ चार लाख रुपए की कर चोरी पाए जाने के साथ अधिकारियों ने राशि जमा कराई गई है।

एक बाइक में 6 सवार, 500 रूपए जुर्माना

कटनी। यातायात पुलिस ने पुलिस लाइन के पास मुख्य मार्ग पर बसों, चार पहिया व दोपहिया वाहनों की जांच की। जांच के दौरान यातायात थाना प्रभारी राहुल पांडेय व उनकी टीम ने एक दोपहिया वाहन रोका, जिसमें एक ही परिवार के छह लोग सवार थे। वह भी देख अचंभित हो गए। मोटर साइकिल सवार कटनी निवासी फुरकान अंसारी ने बताया कि वे पीरबाबा से कटनी अपने घर जा रहे हैं। जिसपर यातायात पुलिस ने दो से अधिक सवारी दोपहिया में न बैठाने की हिदायत दी। साथ ही उनपर पांच सौ रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माने की कार्रवाई के साथ परिवार के सदस्यों को यातायात थाना प्रभारी ने ई-रिक्शा के माध्यम से घर भेजा। दिन से लगातार वाहनों की जांच की जा रही है। जिसमें विशेष रूप से बसों की फिटनेस, बीमा, परमिट के साथ उसमें उपलब्ध संसाधनों की जांच की जा रही है।

खम्हरिया बागरी में हुआ संकल्प यात्रा का कार्यक्रम

सिलौंडी। विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम ग्राम पंचायत खम्हरिया बागरी में हुआ । जहां पर कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य कविता पंकज राय ,सरपंच अनिल बागरी के मुख्यातिथ्य में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर 19 विभागों का स्टाल कार्यक्रम में लगा तथा हितग्राहियों ने बड़ी संख्या में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । जनता की समस्याओं का तुरंत ही निराकरण भी हुआ । इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति स्कूली बच्चों के द्वारा की गई तथा । इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेश राय , पूर्व मंडल अध्यक्ष किशन राय सिलौंडी नायाब तहसीलदार दिनेश आसाठी गोविंद सिंह सहित अन्य गण मान्य जन मौजूद रहे।

घुघरी गांव का मामला, शिकायत के बाद भी ध्यान नहीं दे रहे जिम्मेदार

जगह जगह कचरे व गंदगी के अंबार गांव में संक्रमण का बढ़ रहा खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढीमरखेड़ा

एक ओर जहां संक्रमण से बचाव के लिए साफ-सफाई को लेकर जागरूक किया जा रहा है। इधर घुघरी ग्राम पंचायत के जिम्मेदार बीमारियों से बचाव के लिए साफ-सफाई कराने में बेपरवाह बने हुए है। स्थिति ऐसी है कि हर ओर साफ-सफाई की बात हो रही है पर घुघरी में जिम्मेदारों की कोई चिंता ही नहीं दिख रही है। घुघरी गांव में हर ओर गंदगी फैले होने से लोग अब बीमारी की आशंका को लेकर भयभीत हो रहे हैं।

लोगों का कहना है कि संक्रमण से बचाव करते-करते गांव में फैली गंदगी से कहीं कोई दूसरी बीमारी ना फैल जाए। आलम है कि घुघरी गांव के मुख्य सड़क से लेकर गली-मोहल्ले तक कचरे का अंबार लगा दिख रहा है। सड़कों पर जल जमाव भी है। जगह जगह

गंदगी बिखरी पड़ी है। कचरा से फैल रही बदबू बीमारी को दावत दे रही है। गांव में सड़क किनारे से लेकर बस्ती अंदर की नालियां भी कचरे से पटी हुई है। लेकिन समुचित ढ़ंग से गांव में साफ-सफाई नहीं हो रही है। बदबू से गांव के ग्रामीण परेशान हैं। राहगीर भी मुंह में कपड़ा रखकर निकल रहे हैं।गन्दगी के चलते मच्छर के बढ़ते प्रकोप को कम करने के लिए फॉगिंग भी नहीं हो रही है और संक्रमण के भय के बीच डंक लोगों को और भयभीत कर रहा है।ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों से साफ सफाई को लेकर अनेकों बार अवगत कराया, लेकिन ग्राम पंचायत के सचिव- सरपंच इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसी के चलते गांव में गन्दगी के ढ़ेर बढ़ते जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री छात्रों, अभिभावकों सहित शिक्षकों से करेंगे चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रति वर्ष की भांति सातवीं बार शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक अध्ययनरत विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों से परीक्षा पे चर्चा करेंगे, जिससे कि छात्र-छात्राओं को उनकी सभी आकांक्षाओं और लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम बनाया जा सके। इस हेतु विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए पृथक-पृथक बहुविकल्पीय प्रश्न आधारित चयन प्रतियोगिता के माध्यम से मध्यप्रदेश के 102 विद्यार्थियों, 10 शिक्षकों तथा 10 अभिभावकों को प्रधानमंत्री से चर्चा करने का अवसर मिलेगा।

इस संबंध में सभी जिलों में अधिकाधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्राचार्यों एवं अभिभावकों की विषयांकित चयन प्रतियोगिता में सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए बैनर स्कूल शिक्षा विभाग से संबंधित समस्त कार्यालयों एवं स्कूलों की वेबसाईट तथा मुख्य स्थानों पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह बैनर वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अलावा सीबीएसई एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल से संबद्ध समस्त शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के संस्था प्रमुख व प्राचार्यों को जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर बैठकें लेकर अधिकतम संख्या में शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा अभिभावकों को प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु निर्देशित एवं प्रोत्साहित करने के लिए निर्देशित किया है।

समस्त हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी प्राचार्य तथा समस्त शिक्षक लिंक के माध्यम से अपने मोबाइल नंबर अथवा ई मेल आईडी के माध्यम से लॉगिन कर ओटीपी के माध्यम से पंजीयन करा सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शिक्षक को निर्धारित लिंक पर जाकर 5 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर क्लिक करने होंगे। इसी तरह विद्यार्थियों को भी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। जिन विद्यार्थियों के पास इंटरनेट, ई-मेल आईडी या मोबाइल नंबर नहीं हैं, वे शिक्षक के माध्यम से भागीदारी विकल्प पर जाकर भाग ले सकते हैं। प्रत्येक शिक्षक लॉगिन के जरिए एक या एक से अधिक छात्रों की प्रविष्टियों का एक के बाद एक सही विवरण जमा कर सकते हैं।

संकल्प यात्रा में पात्र हितग्राहियों को किया गया लाभांवित

डांस और गीत क्विज प्रतियोगिता में बच्चों को पुरस्कृत कर किया प्रोत्साहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

जिले की समस्त जनपद पंचायतों के ग्रामीण क्षेत्रों की 12 ग्राम पंचायतों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत के निर्देश पर चिन्हित ग्राम पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्राओं के दौरान शिविरों को आयोजित कर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किए जाने का सिलसिला जारी है।

विकासखंड ढीमरखेड़ा के गौरा एवं खमरिया बागरी, कटनी के पटवारा, मतवार पड़रिया और जटवारा,रीठी के नयाखेड़ा और बड़गांव विजयराघवगढ़ के हरदुआ हनुमान और बम्होरी, बड़वारा के खरहटा और देवरी, बहोरीबंद में

खिरहनी और पहरुआ ग्रामों में पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित कराया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण जन आयोजित कार्यक्रमों में उत्साह पूर्वक भागीदारी करते हुए शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से रूबरू हुए। विकासखंड कटनी के ग्राम पटवारा में बच्चों की नृत्य और गीत क्विज प्रतियोगिता में सम्मिलित होने पर पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। विकासखंड ढीमरखेड़ा की संकल्प यात्राओं में जिला पंचायत सदस्य कविता पंकज राय, मंडल अध्यक्ष प्रशांत राय सरपंच कौशल्या ठाकुर एपीओ मनरेगा डॉक्टर अजीत सिंह एवं अन्य अधिकारी कर्मचारियों की मौजूदगी रही।विधानसभा मुड़वारा की जनपद पंचायत कटनी के सेक्टर कन्हवारा की ग्राम पंचायत पटावारा, जटवारा, मतवारा, पडरिया, जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ के सेक्टर कारीतलाई की ग्राम पंचायत हरदुआ हनुमान, बम्हौरी जनपद पंचायत ढ़ीमरखेड़ा के सेक्टर सिलौंड़ी ग्राम पंचायत गौरा, खमरिया बागरी, जनपद पंचायत बड़वारा के बसाड़ी की ग्राम पंचायत खरहटा में देवरी में जनपद पंचायत बहोरीबंद के की ग्राम पंचायत पड़वार एवं तिहारी तथा जनपद पंचायत रीठी के ग्राम पंचायत नयाखेड़ा में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम संपन्न हुये। इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों, किसानों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं आदि ने सहभागिता की।

आबकारी अमले ने कार्यवाही कर जब्त की शराब

आबकारी अमले द्वारा आबकारी वृत्त ढीमरखेडा के ग्राम देवरी, पहरूआ, खम्हरिया में मदिरा का अवैध रुप से निर्माण संग्रहण एवं विक्रय कर रहे लोगों के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान आबकारी की टीम ए द्वारा कुल 150 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 13 लीटर अबैध हाथ भट्टी मदिरा जप्त की गई। कार्यवाही में जप्त किये गये लहान तथा मदिरा की अनुमानित राशि लगभग 16 हजार 950 रूपये है। इस दौरान 04 न्यायालयीन प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा के पंजीबद्ध किये गये तथा मौके पर महुआ लाहन का सैंपल लिया जाकर नष्ट किया गया। कार्यवाही के दौरान आबकारी उपनिरीक्षक एस.डी. सिह, आबकारी आरक्षक शिवमूरत नामदेव सम्मिलित रहे। जिला आबकारी अधिकारी श्री बघेल ने बताया कि जिले में इस प्रकार की दबिश की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

पीएम जनमन योजना के तहत आधा दर्जन गांवों में आयोजित होंगे शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत संबंधित विभागों द्वारा संचालित योजनाओं में चयनित 6 ग्रामों में बैगा हितग्राहियों को शत- प्रतिशत लाभान्वित किया जाना है। प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिविर गेमावत द्वारा जिला अन्तर्गत विकासखण्ड ढीमरखेडा के विशेष पिछडी जनजाती बैगा समुदाय की 50 से अधिक की जनसंख्या वाले ग्रामों में शिविर का आयोजन एवं अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु आदेशित किया गया है।

योजना के तहत विकासखण्ड बड़वारा के ग्राम कनौर एवं पथवारी तथा विकासखण्ड ढीमरखेडा के ग्राम छीतापाल में बैगा समुदाय की जनसंख्या 50 से कम होने पर संबंधित विभाग को अमले को भेजकर योजनाओं के संबंध मे प्रचार प्रसार करते हुए हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु निर्देशित किया है

ग्रामवार शिविर आयोजित

जिपं सीईओ द्वारा जारी आदेशानुसार विकासखण्ड ढीमरखेडा अंतर्गत प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होनें वाले शिविरों के तहत शुक्रवार को ग्राम हररई की ग्राम पंचायत भवन सगौना में शिविर का आयोजन किया जाकर पात्र हितग्राही को योजनाओ से लाभान्वित किया गया। इसी क्रम में 2 जनवरी 2024 को ग्राम मारसिहुड्डी के ग्राम पंचायत भवन पाली में शिविर का आयोजन किया जाकर हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जायेगा।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत आयोजित ग्रामों में शिविरों के दौरान आधार कार्ड, निर्माण, पी.एम.गरीब कल्याण अन्न योजना, उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत कार्ड, पीएम नेश्नल डायलेसिस प्रोग्राम, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन प्रोग्राम, पीएम सुरक्षित मात्रत्व अभियान, सिकल सेल मिशन, पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पी.एम. जनधन योजना, पी.एम जीवन ज्योति योजना, पी.एम.सुरक्षा बीमा योजना, पेंशन योजना, पी.एम. विश्वकर्मा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना एवं पी.एम. मातृ वंदना योजना से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जोयगा।

जिला सीईओ ने विभागीय अधिकारियों को सौंपा दायित्व

विशेष पिछडी जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में सर्वे अनुसार कार्ययोजना बनाने निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान का शुभारंभ किया गया है। विशेष जनजातीयों के लिए अधोसंरचना विकास एवं सामाजिक-आर्थिक पिछड़ा पन को दूर करने हेतु यह योजना तीन वर्ष तक क्रियांवित की जायेगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत शिविर गेमावत द्वारा जिले में इस योजना के तहत 9 मंत्रालयों के माध्यम से क्रियान्वित की जाने वाली गतिविधियों पर आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिशिर गेमावत द्वारा जारी आदेशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत सभी कच्चे मकान वाले विशेष पिछडी जनजाति के व्यक्तियों को पक्के मकान का प्रावधान की कार्यवाही का उत्तरदायित्व पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को सौंपा गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्राम बसाहट तक सम्पर्क सड़क की कार्यवाही का उत्तरदायित्व पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को सौंपा गया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 10 चलित चिकित्सा इकाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने की कार्यवाही हेतु स्वास्थ्य विभाग, समग्र शिक्षा अभियान के तहत कार्यवही का दायित्व शिक्षा एवं साक्षरता मिशन को सौंपा गया है। नवीकरणीय उर्जा मंत्रालय योजना के तहत सभी गैर विद्युतिकृत घरों में उर्जीकरण की कार्यवाही का दायित्व उर्जा मंत्रालय को सौंपा गया है। इसी तरह जल जीवन मिशन योजना के तहत सभी विशेष पिछडी जनजाति के व्यक्तियों के निवास में नल से जल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा जल जीवन मिशन योजना के तहत 20 से कम जनसंख्या वाले ग्रामों एवं बस्तियों में सामुदायिक जल उपलब्धता की कार्यवाही का उत्तरदायित्व जल शक्ति मिशन को सौंपा गया है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की योजना के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण एवं संचालन की कार्यवाही का उत्तरदायित्व महिला एवं बाल विकास विभाग को सौंपा गया है, वन विभाग अंतर्गत वन धन विकास केन्द्र की स्थापना की कार्यवाही का उत्तरदायित्व वन विभाग को सौंपा गया है। जिला पंचायत की योजना अंतर्गत बहुउद्देशीय केन्द्रों का निर्माण की कार्यवाही हेतु जिला पंचायत को तथा जनजातीय कार्य विभाग की योजना के तहत छात्रावासों का निर्माण एवं संचालन की कार्यवाही हेतु जनजातीय कार्य विभाग को दायित्व सौंपा है। नवीन सौर उर्जा योजना के तहत बहुउद्देशीय केन्द्रों एवं सड़कों पर सौर प्रकाश एवं 0.3 किलोवाट सौर उर्जा ग्रिड का प्रावधान की कार्यवाही का उत्तदायित्व नवीन सौर उर्जा मंत्रालय को सौंपा गया है। दूर संचार विभाग की योजना अंतर्गत मोबाईल टावर्स की स्थापना की कार्यवाही हेतु दूर संचार विभाग तथा समग्र शिक्षा अभियान एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास की कार्यवाही का उत्तरदायित्व सौंपा है।

पुलिस कर्मियों के मानसिक तनाव को दूर करने खेलकूद प्रतियोगिता

रस्साकसी, मटकी फोड़ व कुर्सी दौड़ में पुलिस कर्मियों ने दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

पुलिस कर्मियों के ऊपर कार्य के बढ़ते दवाब और मानसिक व शारीरिक शिथलता को दूर करने एवं पुलिस बल में आपसी सौहार्द, समन्वय व एकता की भावना एवं मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिसकर्मियों के बीच खेलकूद, गायन एवं बड़े भोज का आयोजन कर पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन द्वारा नवाचार किया गया है। इसमें अनुविभाग स्तर पर टीम गठित कर विभिन्न खेलकूद कुर्सी दौड़, रस्साकस्सी, मटकी फोड प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। खेलों का आयोजन पुलिस लाईन ग्राउंड में किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों के चेहरे पर खुशी देखते ही बन रही थी।

अनुविभाग स्तर पर भिड़ी टीमें

रस्साकस्सी प्रतियोगिता शहर,

विजयराघवगढ, स्लीमनाबाद अनुभाग की टीमो के बीच खेला गया, जिसमें शहर की टीम द्वारा विजय प्राप्त की गई। मटकी फोड में कोतवाली टीआई आशीष शर्मा, कुठला टीआई अभिषेक चौबे, सूबेदार मोनिका खडसे, म.आर. दीक्षा जैन, आरक्षक अमित सिंह मटकी फोडकर विजेता बने। कुर्सी दौड प्रतियोगिता में उनि. प्रतीक्षा चंदेल विजेता एवं थाना प्रभारी यातायात रनि. राहुल पाण्डेय उपविजेता रहे।

एसपी श्री रंजन द्वारा बीते दिनो संपन्न हुये चुनाव एवं त्यौहारो में अथक परिश्रम व लगन से ड्यूटीरत रहकर सकुशलता से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुलिसकर्मियों की सराहना की गई । उन्होंने कहा कि इस तरह के सामूहिक भोज के आयोजन से पुलिस में एक परिवार की भावना विकसित होती है।

पुलिस अधीक्षक श्री रंजन के निर्देशन में रक्षित निरीक्षक श्रीमती संध्या राजपूत द्वारा उपरोक्त कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित कराया गया। सफल आयोजन के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा रक्षित निरीक्षक कटनी संध्या राजपूत की प्रशंसा की गई।

भोज में ये हुए शामिल

भोज के आयोजन के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया, सीएसपी श्रीमति ख्याति मिश्रा, एसडीओपी स्लीमनाबाद अखिलेश गौर, एसडीओपी वि.गढ केपी पटेल, डीएसपी अजाक प्रभात शुक्ला, कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा, कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे, स्लीमनाबाद थाना प्रभारी अखिलेश दहिया, विजयराघवगढ़ थाना प्रभारी अनूप सिंह ठाकुर, बरही थाना प्रभारी अरविंद चौबे सहित शहर एवं देहात के थाना, चौकी प्रभारी अपने दल-बल के साथ उपस्थित रहें।

सामुदायिक भवनों के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

नगर पालिक निगम सीमांतर्गत स्थित सामुदायिक भवनों में वार्डवासियों द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के लिए निगमायुक्त विनोद कुमार शुक्ल ने नगर निगम के आर्थिक हितों को दृष्टिगत रखते हुये सामुदायिक भवनों का किराया निर्धारण करने निर्देश दिये है तथा वार्ड के स्वच्छता पर्यवेक्षकों को सामुदायिक भवनों के संचालन एवं संधारण करने नगर निगम द्वारा सामुदायिक भवन के उपयोग की स्वीकृति उपरांत नगर निगम कोष में राशि जमा होने एवं उपयोगकर्ता द्वारा विद्युत व्यवस्था कराकर लेने के बाद ही सामुदायिक भवन का ताला कार्यक्रम हेतु खोले जाने कहा है। आयुक्त ने कहा कि कार्यक्रम उपरांत सामुदायिक भवन की चाबी वार्ड दरोगाओं के पास रखवायी जाये। देखने में आया है कि सामुदायिक भवनों में कार्यक्रम की अनुमति नहीं ली जा रही है और ना ही नगर निगम कोष में निर्धारित राशि जमा कराई जा रही है।

निगमायुक्त ने नगर निगम के आर्थिक हितों को दृष्टिगत रखते हुये वार्डो में पदस्थ सभी स्वच्छता निरीक्षकों को अपने-अपने वार्डो में स्थित सामुदायिक भवनों की चाबी नगर निगम के बाजार शाखा में श्री राकेश तिवारी सहायक ग्रेड-3 के पास 24 घंटे के अंदर जमा कराने के निर्देश दिये है तथा नागरिकों द्वारा कार्यक्रम हेतु कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किये जाने निर्धारित दर अनुसार नगर निगम कोष में राशि जमा कराने आयोजक द्वारा विद्युत व्यवस्था स्वयं के व्यय से करने के उपरांत ही सामुदायिक भवन के उपयोग हेतु स्वच्छता पर्यवेक्षक बाजार शाखा से चाबी प्राप्त कर ताला खोलने तथा सामुदायिक भवन में कार्यक्रम / आयोजन होने के पश्चात पुनः चाबी बाजार शाखा में जमा करने के निर्देश दिये।

साइबर तहसील का लोकार्पण करने 1 जनवरी को आएंगे गृहमंत्री शाह

◆ मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री शाह को साइबर तहसील व्यवस्था लोकार्पित करने के लिए किया आमंत्रित

◆ गृहमंत्री ने अनुरोध को किया स्वीकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके निवास पर भेंट कर एक जनवरी 2024 को प्रदेश में साइबर तहसील व्यवस्था लोकर्पित करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री शाह को नववर्ष में प्रदेश को अपनी उपस्थिति से अनुग्रहित करने और पूरे प्रदेश में साइबर तहसील व्यवस्था लोकार्पित करने का अनुरोध किया, जिसे केंद्रीय मंत्री शाह ने सहर्ष स्वीकार किया।

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटियों की पूर्ति के लिए सरकार संकल्पित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रदेश की जनता को दी गई संकल्प-पत्र 23 की गारंटियों की पूर्ति के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने एक जनवरी से पूरे प्रदेश में साइबर तहसील की अवधारणा लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जानकारी दी कि साइबर तहसील व्यवस्था में आधुनिक तकनीक के उपयोग से बिना पृथक से आवेदन दिए पारदर्शी तरीके से रजिस्ट्री के 15 दिन की समय-सीमा में क्रेता के पक्ष में नामांतरण किया जा सकेगा और खसरा-नक्शा में भी तत्काल सुधार किया जा सकेगा। प्रथम चरण में इस प्रक्रिया को केवल ऐसे अविवादित प्रकरणों में लागू किया जा रहा है, जहां विक्रय पूरे खसरे का है। बाद में इसे सभी प्रकार के अविवादित नामांतरण और बंटवारे में लागू किया जाएगा। साइबर तहसील के माध्यम से ऑनलाइन, पेपरलेस और फ़ेसलेस प्रक्रिया से नामांतरण होने से प्रदेश शासन 'सुशासन से सुराज' की दिशा में आगे बढ़ेगा।

सीएम ने शहीद राजेश यादव को दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सागर जिले की बंडा तहसील के ग्राम क्वायला के मूल निवासी वीर सपूत शहीद राजेश यादव के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। शहीद यादव आतंकवादियों से लद्दाख में हुई मुठभेड़ में कुछ दिन पूर्व गंभीर रूप से घायल हो गए थे और सेना के अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। राजेश यादव अपना कर्तव्य पूरा करते हुए वीरगति मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीर सपूत को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मां भारती की सेवा में अपना बलिदान देकर राजेश अमर हो गए हैं। इनकी देशभक्ति पर मध्यप्रदेश वासियों को गर्व है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान और परिजन को यह वज्रपात सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। इधर, शुक्रवार को सागर जिले में वीर सपूत का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार हुआ। राज्य शासन की ओर से मंत्री प्रहलाद पटेल ने उपस्थित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

कलियासोत के दायरे में आ रहे मकानों पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एनजीटी के निर्देश पर कलियासोत नदी के 33 मीटर दायरे में आ रहे निर्माणों को तोड़ने के लिए नगर निगम नोटिस थमा रहा है। हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने मानवीय आधार पर इस कार्रवाई का विरोध किया है। उन्होंने कलेक्टर और नगर निगम कमिश्नर से नोटिस दिए जाने के मामले पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। विधायक शर्मा ने कलेक्टर को लिखे पत्र में कहा है कि अभिव्यक्ति नगर (पत्रकार कॉलोनी), सागर प्रीमियव टावर, अल्टीमेट कैंपस, भूमिका रेसीडेंसी, सिग्नेचर, सर्वधर्म, मंदाकिनी कॉलोनी सहित एक दर्जन कॉलोनी जैसे एक दर्जन रहवासी क्षेत्रों में मध्यम और निम्न वर्गीय परिवारों ने जीवन भर की जमा पूंजी खर्च कर मकान खरीदे हैं। एनजीटी के निर्देश के बाद इन मकानों पर टूटने का खतरा मंडरा रहा है। शर्मा ने सवाल उठाया कि नजूल, नगर निगम, टीएनसीपी और पर्यावरण विभाग की अनुमति लेने के बाद रहवासियों ने मकान खरीदे या बनवाए हैं, ये आज अवैध कैसे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम के कार्रवाई से ये सभी परिवार तनावग्रस्त है। कलेक्टर से उन्होंने कहा कि प्रभावित लोग एनजीटी में न्याय की गुहार तो लगाएंगे ही, परंतु मानवाधिकार की रक्षा के लिए कार्रवाई तत्काल प्रभाव से रोकने के आदेश पारित करें।

खबर संक्षेप

आरक्षक भीम सिंह की पत्नी को ईडी का नोटिस

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग में महादेव सट्टा ऐप मामले में गिरफ्तार आरक्षक भीम सिंह यादव की पत्नी को ईडी ने नोटिस जारी किया है। भीम यादव के घर पर सीमा यादव के नाम पर नोटिस चस्पा कर उसे कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। ईडी की टीम 28 दिंसबर को आरक्षक भीम यादव के घर पहुंची जहां घर में ताला लगा हुआ था जिसके बाद ईडी ने घर पर नोटिस चस्पा कर वापस लौट गई। नोटिस में आरक्षक भीम यादव की पत्नी सीमा यादव के नाम समन चस्पा किया है।

पोषण राशि में सेंधमारी, फूड इंस्पेक्टर का वीडियो वायरल

बीजापुर। बीजापुर जिले में संचालित 180 राशन दुकानों के बैंक खातों में पंचम वित्तीय पोषण राशि वितरण में गड़बड़ी संबंधी शिकायत को प्रशासन ने संज्ञान में लेते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी है। तीन सदस्यीय जांच दल ने शुरूआती जांच में वित्तीय पोषण प्रदाय संबंधी दस्तावेजों का अवलोकन करने के साथ अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए जिला खाद्य अधिकारी गणेश कुर्रे को तलब किया है। कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि शिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए अविलंब जांच के आदेश दिए गए हैं।

रुचिवर्धन, चंद्रशेखर, चेत्रा एन, कुशवाहा, परिहार, हिंगणकर आईजी के पद पर हुए प्रमोट

आईपीएस अधिकारियों के हुए प्रमोशन, सुधरा मप्र पुलिस का कैडर राकेश गुप्ता, पीएचक्यू में आईजी प्रशासन दीपिका सूरी एडीजी बनीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य शासन ने शुक्रवार को भारतीय पुलिस सेवा के आईजी स्तर के दो अधिकारियों को एडीजी पद पर पदोन्नत किया है। आईजी ग्रामीण जोन इंदौर राकेश गुप्ता और पीएचक्यू में आईजी प्रशासन दीपिका सूरी को एडीजी बनाया गया है। दोनों 1999 बैच के आईपीएस हैं। भारतीय पुलिस सेवा के 13 आ ई पी ए स अधिकारियों को डीआईजी से आईजी बनाया गया है।

यह सभी 2006 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। रूचि वर्धन मिश्रा, चंद्रशेखर सोलंकी, चेत्रा एन,अनिल कुमार कुशवाहा, आर आरएस परिहार, आरके हिंगणकर, अंशुमान सिंह, मनीष कपूरिया, अरविंद कुमार सक्सेना, विनीत खन्ना, हिमानी खन्ना, मिथिलेश शुक्ला और अनुराग शर्मा आईजी बन गए हैं। अफसरों के प्रमोशन और कैडर मैनेजमेंट से एडीजी और आईजी के साथ डीआईजी के पदों में भी सुधार हुआ है। अभी तक एडीजी के पद आईजी और डीआईजी से ज्यादा हो गए थे।

> आईपीएस आशुतोष प्रताप सिंह, मोहम्मद यूसुफ कुरैशी, निमिष अग्रवाल, सिद्धार्थ बहुगुणा, पंकज श्रीवास्तव, राजेश कुमार सिंह, विनीत कपूर, धर्मेंद्र सिंह भदौरिया और हेमंत चौहान डीआईजी बने

इन अफसरों को मिली प्रोफार्मा पदोन्नति

राज्य सरकार ने केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ भारतीय पुलिस सेवा के चार आईपीएस अधिकारियों को प्रोफार्मा पदोन्नति प्रदान की है। ये अधिकारी हैं 2006 बैच की आईपीएस सटी अमोग्ला, 2006 बैच के आकाश जिंदल, 2010 बैच के गौरव कुमार तिवारी और इसी बैच के डी कल्याण चक्रवर्ती को प्रमोशन दिया गया है। वहीं भारतीय पुलिस सेवा का कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्वीकृत किया है। निवेदिता गुप्ता पुलिस अधीक्षक रेल इंदौर, अखिल पटेल एआईजी पीएचक्यू भोपाल, आशुतोष बागरी वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर और धर्मराज मीना एसपी जिला राजगढ़। इस संबंध में राज्य शासन द्वारा जारी किए आदेश में बताया गया है कि इन अधिकारियों को इस शर्त के साथ यह ग्रेड स्वीकृत की गई है कि वे अगले सत्र में बिना किसी छूट के मिड करियर ट्रेनिंग कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से भाग लेंगे।

साल 2009 और 2010 के अफसर बने डीआईजी

राज्य शासन ने 2009 और 2010 बैच के 14 आईपीएस अधिकारियों को डीआईजी बनाया है। साकेत प्रसाद पांडे, अमित सांघी, तुषारकांत विद्यार्थी, सत्येंद्र कुमार शुक्ला, वीरेंद्र कुमार सिंह, प्रशांत खरे, अतुल सिंह और मनीष कुमार अग्रवाल। 2010 बैच के आबिद खान, आशुतोष प्रताप सिंह, मोहम्मद यूसुफ कुरैशी, निमिष अग्रवाल, सिद्धार्थ बहुगुणा, पंकज श्रीवास्तव, राजेश कुमार सिंह, विनीत कपूर, धर्मेंद्र सिंह भदौरिया और हेमंत चौहान को डीआईजी बनाया गया है। इन सभी अधिकारियों की पदस्थापना फिलहाल वहीं रखी गई है, जहां वे पदोन्नति के पूर्व पदस्थ थे।

अब वन विभाग के पीसीसीएफ हॉक बने पाटिल, चीता प्रोजेक्ट के सीसीएफ उत्तम कुमार शर्मा एपीसीसीएफ बने

राज्य शासन ने वन विकास निगम के प्रबंध संचालक अभय कुमार पाटिल को वन बल प्रमुख बनाने का आदेश जारी कर दिया है। उनका कार्यकाल एक महीने का ही होगा। फरवरी में वन विभाग के नए मुखिया असीम श्रीवास्तव होंगे। राज्य शासन ने इस आशय का आदेश शुक्रवार को जारी किया है।

मौजूदा वन बल प्रमुख आरके गुप्ता और लघु वनोपज संघ के एमडी पुष्कर सिंह 31 दिसम्बर को अवकाश रहने के कारण शुक्रवार को ही वरिष्ठ अधिकारियों को मुख्यालय के अफसरों ने दोनों वरिष्ठ अफसरों को विदाई दे दी। राज्य शासन ने अलग-अलग आदेश जारी कर सिंह परियोजना एवं चीता प्रोजेक्ट के सीसीएफ उत्तम कुमार शर्मा को एपीसीसीएफ के पद पर पदोन्नति करते हुए वहीं पदस्थ किया है। इसी प्रकार दो वन संरक्षक को मुख्य वन संरक्षक के पद पर पदोन्नति किया है। इनमें जे देव प्रसाद वर्किंग प्लान पेंच नेशनल पार्क और राज्य शासन में पदस्थ विशेष कर्तव्य अधिकारी अशोक कुमार के नाम शामिल है।

चार डीएफओ को मिला प्रवर श्रेणी वेतनमान

राज्य शासन ने 2011 बैच के आए थे अधिकारियों को प्रमाण श्रेणी वेतनमान देने का आदेश जारी किया है। इनमें मीना कुमारी मिश्रा, अनुराग कुमार और सुश्री संध्या शामिल किया है। जबकि डीएफओ बुरहानपुर विजय सिंह को सशर्त प्रवर श्रेणी वेतनमान देने का आदेश जारी किया है. दरअसल विजय सिंह को 10 जून 20 को जारी विभागीय आदेश में कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में इस शर्त के साथ नियुक्त किया गया था कि वे मिड कैरियर फेज-III कार्यक्रम में अनिवार्यतः भाग लेंगे। किंतु उनके द्वारा आज दिनांक तक मिड कैरियर फेज-III कार्यक्रम में भाग नहीं लिया गया है। अतः प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर ही उनका वेतन निर्धारण करने की शर्त पर प्रवर श्रेणी वेतनमान स्वीकृत किया जाता है।

डीएफओ चौधरी भी पदोन्नत

राज्य शासन ने शहडोल उत्तर में कार्यरत डीएफओ गौरव चौधरी के खिलाफ लोकायुक्त प्रकरण लंबित होते हुए भी वन संरक्षक के पद पदोन्नत किया। सूत्रों ने बताया कि गौरव चौधरी के प्रकरण को लेकर विभागीय पदोन्नति समिति के समक्ष वन विभाग के सीनियर अधिकारियों ने लोकायुक्त में जांच लंबित रहने संबंधित स्थिति स्पष्ट नहीं की थी। जबकि 2009 बैच कि आईएफएस और उज्जैन डीएफओ किरन बिसेन के मामले कई वर्ष पुराने जांच लंबित रहने की वजह से प्रमोशन पर ब्रेक लग गया है। वन संरक्षक के पद पर प्रमोट होने वालों में पन्ना नेशनल पार्क के उपसंचालक रिपुदमन सिंह भदौरिया, राज्य वन अनुसन्धान संस्थान जबलपुर में पदस्थ रविन्द्रमणि त्रिपाठी और सिवनी उत्तर डीएफओ में पदस्थ बासु कनोजिया का नाम शामिल है।

ई-टेंडर घोटाले की जांच करने वाले अरुण मिश्रा बने आईपीएस

मध्य प्रदेश के बहुचर्चित ई-टेंडर घोटाले की ईओडब्ल्यू में जांच करने वाले पुलिस अधिकारी अरुण मिश्रा को अंततः भारतीय पुलिस सेवा में बैच का आवंटन कर दिया गया। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को राजपत्र में इस संबंध में सूचना जारी कर उन्हें 2021 बैच का आवंटित कर दिया। 2018 में जल संसाधन विभाग से सामने आए ई-टेंडर घोटाले को लेकर ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू की थी जो सरकार बदलने के बाद कांग्रेस की कमलनाथ सरकार के समय तेजी से उसकी जांच हुई। इसमें कई बड़े नाम सामने आए थे और कई राज्यों तक इसकी जांच का दायरा बड़ा था। इसमें जो निजी कंपनियां संदेह के दायरे में आई थीं, उनके कुछ कर्ताधर्ता जेल तक पहुंच गए थे। इसकी जांच करने वाले अफसरों को कई साल तक दबावों के दौर से गुजरना पड़ा। इसकी जांच करने वाले प्रमुख अधिकारी अरुण मिश्रा भी थे जिन्हें आईपीएस अवार्ड हुआ है। 2023 के आखिरी कार्यदिवस के दिन मिश्रा को आईपीएस अवार्ड होने की राजपत्र में सूचना जारी हो गई।

पहली बार जीते विधायक बने मंत्री, सौंपे बड़े विभाग ओपी चौधरी को वित्त, विजय संभालेंगे गृह विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के मंत्रियों के विभाग बंटवारे के फार्मूले ने उनके कद के बढ़ने का अहसास करा दिया है। प्रदेश में पहली बार विधायक निर्वाचित होने वाले नेताओं को मंत्री बनाकर कद बढ़ाया गया और अब उन्हें बड़े विभागों की जिम्मेदारी भी दी गई है। इनमें उप मुख्यमंत्री अरुण साव व विजय शर्मा के साथ ही ओपी चौधरी का नाम शामिल है, इन्हें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बड़े विभागों की जिम्मेदारी सौंपी है।

वरिष्ठ नेताओं के बावजूद विजय शर्मा को गृह और ओपी चौधरी को वित्त मंत्री की जिम्मेदारी देकर साय सरकार ने नई पीढ़ी के नेताओं का कद बढ़ाने का फार्मूला पेश कर सबको चौकाया है।

इस बार नए मंत्रियों में शपथ लेने वाले पांच विधायकों में अरुण साव, विजय शर्मा, ओपी चौधरी, लक्ष्मी राजवाड़े और टंकराम वर्मा पहली बार विधायक बने हैं। जबकि श्यामबिहारी जायसवाल और लखनलाल देवांगन पहले विधायक रह चुके हैं और पहली बार मंत्री बने हैं।

11 ट्रकों में चावल भरकर श्रीराम जन्मभूमि भेजे, होगा भंडारा

राम के ननिहाल से 300 मीट्रिक टन चावल के ट्रक अयोध्या के लिए रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्रीराम मंदिर परिसर से 300 मीट्रिक टन चावल से भरे 11 ट्रकों को झंडी दिखाकर श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के लिए रवाना किया। 11 ट्रकों में 300 मीट्रिक टन चावल अयोध्या के लिए रवाना हुए।

इस मौके पर छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने मुख्यमंत्री साय को लड्डूओं से तौल कर उनका अभिनंदन किया।

जमीन पर बैठकर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सुनी महिलाओं की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कवर्धा

उपमुख्यमंत्री बनने के बाद कवर्धा विधायक विजय शर्मा शुक्रवार को कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के सुदूर वनांचल ग्रामों के दौरे पर पहली बार पहुंचे। उपमुख्यमंत्री का वनांचल ग्राम लोहारीडीह, भेलवाटोला, ग्राम खमरिया, ग्राम खारा और निवासपुर में जोरदार स्वागत हुआ। महिलाओं, बुजुर्ग माताओं और ग्रामीणों ने अतिथि देव भवः की भारतीय परंपरा का अनुसरण करते हुए उपमुख्यमंत्री शर्मा का पुष्प वर्षा, आरती थाली और तिलक लगाकर स्वागत किया। युवाओं ने रैली भी निकाली। शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार मोदी की गारन्टी को पूरा कर रही है।

विद्युतीकरण में अनियमितता पर बिजली कंपनी के 6 अफसरों पर कार्रवाई

अनियमितता पर अफसर का वेतन 2 लाख 15 हजार से घटाकर 71 हजार कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने नई कॉलोनियों के विद्युतीकरण तथा अन्य विद्युतीय निर्माण कार्य में अनियिमितता, नियमों की अवहेलना, स्थल निरीक्षण में लापरवाही और कॉलोनाइजर, विद्युत ठेकेदार को अनुचित लाभ पहुंचाने के आरोप में 6 विद्युत अधिकारियों को मप्र सिविल सेवा नियम 1966 तथा पेंशन नियमों के तहत मेजर पेनाल्टी से दंडित किया गया है। एक अफसर को पद से ही रिवर्ट कर दिया।

अन्य पर सख्त कार्रवाई की गई। मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा कि इन अधिकारियों, कर्मचारियों को दण्डित करना एक ऐसी मिसाल बनेगा जो कि आदतन लापरवाही और नियमों के विरुद्ध कार्य करते हैं, वे सावधानी और सजगता से कार्य करें। कंपनी ने मैदानी अधिकारियों को सचेत किया गया है कि कंपनी में जीरो टॉलरेंस की नीति लागू है और किसी भी स्तर पर काम में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खास बातें

- एक अफसर को रिवर्ट किया, एक का वेतन न्यूनतम किया, दो पर कठोर दंड, एक का वेतन 64 फीसदी तक घटाया
- चेताया-कंपनी में जीरो टॉलरेंस की नीति लागू किसी भी स्तर पर काम में कोताही बर्दाश्त नहीं

बिजली कंपनी के इन अधिकारियों के खिलाफ हुई है कार्रवाई

रायसेन संभाग के बाह्य विद्युतीकरण में अनियिमितता के आरोपों के आधार पर उप महाप्रबंधक राजेश दुषाद की विभागीय जांच संस्थापित की गई थी। इसमें सभी आरोप सही पाए गए हैं। इस संबंध में अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए प्राधिकृत सक्षम प्राधिकारी की ओर से राजेश दुषाद को उप महाप्रबंधक के पद से सहायक अभियंता (वितरण) के पद पर तत्काल प्रभाव से रिवर्ट कर दिया गया है, साथ ही उनके वेतन को सहायक अभियंता के वेतन पर निर्धारित करने का आदेश दिया गया है।

उप महाप्रबंधक रामपाल सिरसाटे के वेतन में कटौती

तत्कालीन उपमहाप्रबंधक (सं/सं) बासौदा रामपाल सिरसाटे को सौंपे गए कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही, अनियिमितता बरतते और नियमों की अवहेलना के आरोप सही पाए गए जो घोर कदाचरण की श्रेणी में आते हैं। इस घोर लापरवाही को ध्यान में रखते हुए रामपाल सिरसाटे को तत्काल प्रभाव से एम पी सिविल सर्विसेज नियम -1966 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए उनकी मौजूदा वेतन 73,600 रु. लेवल–10 (71500–206900) से घटाकर न्यूनतम वेतन 56,100 रुपए लेवल–9 (56100–177500) कर दी गई है।

उप महाप्रबंधक सिंह को दंड

तत्कालीन उप महाप्रबंधक (एसटीसी) जीएल सिंह की ओर से रायसेन शहर में विद्युतीकरण के कार्यों में लापरवाही एवं अन्य विद्युत अनियिमितता के आरोप सही पाए जाने के कारण उनके वर्तमान वेतन राशि में कटौती करते हुए मौजूदा राशि 161500/- लेवल–11(120200–211700) को तत्काल प्रभाव से न्यूनतम राशि 56100 रुपए लेवल–9(56100–177500)कर दण्डित करने का आदेश जारी किया है।

एनडी स्वर्णकार के पेंशन में 64 फीसदी की कटौती

इसी क्रम में तत्कालीन उप महाप्रबंधक (सं/सं) बासौदा संभाग एनडी स्वर्णकार को कंपनी के निर्माण कार्य सामग्री का अनुचित उपयोग एवं अन्य गंभीर अनियमितता पर उनके निर्धारित पेंशन को 64% कम करने के आदेश जारी कर दण्डित किया गया है। इस तरह का सख्त निर्णय पहली बार किया गया है।

कमलकांत सिंह सहायक अभियंता के न्यूनतम वेतन पर

तत्कालीन उप महाप्रबंधक, रायसेन संभाग कमलकांत सिंह को विद्युतीकरण कार्यों में अनियिमितता के बाद मौजदा वेतन राशि 77,700 रु से घटाकर 56,100 रुपए कर दण्डित करने का आदेश दिए।

एसके गुप्ता को कठोर दण्ड

तत्कालीन उप महाप्रबंधक (एसटीसी) विदिशा एसके गुप्ता को सुपरविजन की कमी तथा बाह्य विद्युतीकरण कार्यों में अनियिमितताओं के पर वेतन राशि 2,15,900 से घटाकर 71,500 रुपए पर करने का आदेश दिया गया।

अन्य समाजों को साथ लेकर चलने की क्षमता साहू समाज में निहित हैः अरुण साव

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शनिवार को सिम्स ऑडिटोरियम में साहू समाज की विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का शुभारंभ किया। सम्मेलन में बिलासपुर सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में युवक युवतियां अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे। समाज द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप भी आयोजित किया गया। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला इस अवसर पर मौजूद थे।

अरुण साव को राज्य के उप मुख्यमंत्री के रूप में महती जवाबदारी मिलने पर जिला साहू समाज की ओर से सम्मान किया गया। साव ने सम्मान से अभिभूत होकर अपने संबोधन में कहा कि मेहनत और ईमानदारी साहू समाज की पहचान है। जिसके कारण समाज आज हर क्षेत्र में तरक्की कर रहा है।

सिर्फ 100 रुपये हर रोज बचाएं और बन जाएं मालामाल

सुझाव | बिजनेस डेस्क

- सिर्फ चाय-सिगरेट के पैसों से भी बन सकते हैं करोड़पति
- नौकरी के साथ साथ ही तैयार हो जाएगा मोटा फंड
- चैन से कटेगा बुढ़ापा, बच्चों की शिक्षा के खर्च की नहीं होगी टेंशन
- म्यूचुअल फंड की एसआईपी में 12 फीसदी तक मिल रहा रिटर्न

कहते हैं कि अमीर बनने का सबसे आसान तरीका है, बचत करना। आजकल तो निवेश के ऐसे विकल्प भी मौजूद हैं, जो मामूली सी रकम को पैसों के ढेर में बदल सकते हैं। बावजूद इसके लोगों में बचत और निवेश को लेकर जागरुकता काफी कम है। अगर कोई निवेशक सिर्फ चाय और सिगरेट की आदत छोड़कर इन पैसों को निवेश करें तो नौकरी खत्म होने तक उनके पास 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड जमा हो जाएगा। बाजार के जानकारों का कहना है कि निवेश को लेकर लोगों के सुस्त रुझान से बहुत दिक्कतें आती हैं और कई लोग तो आर्थिक रूप से तंगहाली में ही दम तोड़ देते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ ऐसे यूजर हैं, जिनके पास किसी न किसी ओटीटी का सब्सक्रिप्शन है. इस पर हर महीने 150 से 200 रुपये खर्च करते हैं, लेकिन म्यूचुअल फंड में 100 रुपये से भी निवेश करने वालों की संख्या इसकी महज 10 फीसदी यानी 2 करोड़ है. राधिका की बात कई मायनों में सही भी है, क्योंकि अगर नौकरी शुरू करने वाला युवा सिर्फ रोज के चाय-सिगरेट जितने खर्च का पैसा भी निवेश करे तो रिटायरमेंट तक मोटा फंड तैयार हो जाएगा।

हर महीने कितना पैसा होगा जमा

मान लीजिए कोई दिनभर में सिर्फ 3 सिगरेट पीता है, जिस पर उसका औसतन खर्चा 60 रुपये होता है। इसके अलावा ऑफिस टाइम में 3 से 4 कप चाय पीता है तो भी औसतन 40 रुपये का खर्चा आएगा। दोनों को जोड़ दिया जाए तो रोजाना सिर्फ चाय-सिगरेट पर ही 100 रुपये का खर्चा हो जाएगा। यानी महीने में निवेश करने वाली रकम करीब 3,000 रुपये होगी।

कैसे बनेगा करोड़ों का फंड

निवेश के जानकारों का कहना है कि अगर सिर्फ रोजना के चाय और सिगरेट के पैसों को निवेश किया जाए तो नौकरी करने के दौरान यानी करीब 30 साल में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड तैयार हो जाएगा। अगर 30 साल की उम्र में नौकरी शुरू करने के साथ ही कोई 3000 रुपये हर महीने की एसआईपी शुरू करता है तो 30 साल में उसकी ओर से कुल 10.80 लाख रुपये का निवेश किया जाएगा। इक्विटी म्यूचुअल फंड का लंबी अवधि में औसतन रिटर्न 12 फीसदी रहता है। इसी रिटर्न से देखा जाए तो रिटायरमेंट तक यह निवेश बढ़कर 1,05,89,741 रुपये पहुंच जाएगी। इस दौरान 95,09,741 रुपये सिर्फ ब्याज के रूप में मिलेंगे।

किस फंड पर दांव लगाना सही

ऐसा नहीं है कि म्यूचुअल फंड सिप पर 12 फीसदी रिटर्न सिर्फ कहने की बात है। बाजार में कई ऐसी फंड योजनाएं हैं, जो 20 साल की लंबी अवधि में 12 फीसदी से कहीं ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम के अनुसार, कई ऐसे ही फंड हैं, जिनका 20 साल का औसतन रिटर्न 12 फीसदी से कहीं ज्यादा है।

इन फंडों का ऐसा रिटर्न

- आदित्य बिड़ला वेल्थ एस्पायर फंड ने 10 साल से ज्यादा निवेश पर 19.20% फीसदी का रिटर्न दिया है।
- बजाज आलियांज स्मार्ट वेल्थ लक्ष्य ने भी 10 साल से ज्यादा के निवेश पर 17.90% सालाना का रिटर्न दिया।
- एचडीएफसी लाइफ संपूर्ण निवेश में पैसे लगाने वालों को लंबी अवधि में हर साल 17.70% का रिटर्न मिला।
- मैक्स लाइफ ऑनलाइन बचत ने भी 10 साल से ज्यादा के निवेश पर 16.90% का रिटर्न मिला।
- भारती एक्सा लाइफ वेल्थ प्रो फंड ने भी 10 साल से ज्यादा अवधि में 16.60% का औसतन रिटर्न दिया है।

गिरते को करो सलाम, खूब लगाओ दांव, बरसेगा धन

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

- बाजार में तेज गिरावट के समय दिग्गज देते हैं खरीदारी की सलाह
- यह पैसा बढ़ाने का सबसे बेहतर फार्मूला, कभी नहीं होंगे कंगाल
- अक्सर गिरावट के समय लोग पैनिक होते और पैसे निकालते हैं
- यह परंपरा गलत, रिकवरी का नहीं मिलता लाभ, होता है नुकसान
- निवेश का पहला मूल मंत्र संयम बनाए रखें
- इंतजार करें और अपने निवेश को बढ़ाते जाएं
- बाजार के उतार-चढ़ाव से घराएं नहीं
- शेयर बाजार में निवेश के लिए जरूरी है धैर्य
- जल्दबाजी में शेयर बेचने से हो सकता है नुकसान
- शेयर में पैसा लगाने से पहले देखें कंपनी की वित्तीय स्थिति

शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं या करने जा रहे हैं तो एक बात पल्ले गांठ बांध लें कि मोटे पैसे कमाने का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसलिए सबसे पहले तो लंबी अवधि के निवेश पर ध्यान दें। निवेश करने से पहले जिस कंपनी के शेयर खरीद रहे हैं, उसकी प्रोफाइल भी जांच लें। हां एक बात और ध्यान रखें की निवेश से पहले अपने गोल तय करें और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं। धैर्य और संयम बनाए रखें। अक्स्र देखने में आता है कि पैसा लगाने वाले नए लोग एक बड़ी गलती ये करते हैं कि वह बढ़ते शेयरों पर दांव खेलते हैं। इसमें कुछ खराबी नहीं है, लेकिन इनसे कमाई की संभावना कम होती है या रिटर्न बेहद कम ही मिल पाता है। कई बार तो नुकसान भी उठाना पड़ता है। अगर कोई शेयर अपने 52 हफ्तों के हाई के आसपास ट्रेड कर रहा है तो नए निवशकों को उससे दूरी ही बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि उस शेयर के गिरने के चांस काफी हाई होते हैं। इसलिए अक्सर कहा जाता है कि बाजार में ऐसे शेयरों में पैसा लगाएं जो काफी टूट गए हों। यानी शेयर बाजार में गिरते को सलाम करें और खूब निवेश करेंगे तो धन बरसेगा यानी आपको बेहतर रिटर्न मिलेगा।

बाजार के जानकारों का कहना है कि यह कोई नहीं बात नहीं है। यह काफी पुराना और आजमाया हुआ फॉर्मूला है। बाजार के मंझे हुए खिलाड़ी इसे अच्छे से समझते हैं, लेकिन इसमें एक परेशानी यह है कि आपको कैसे पता चलेगा कि कोई शेयर अब अपने निचले स्तर तक पहुंच चुका है और अब वह उससे नीचे नहीं जाएगा। इसके पीछे कई फैक्टर्स काम करते हैं, लेकिन एक महत्वपूर्ण इंडिकेशन है कि उस शेयर का पिछला रिकॉर्ड लो है। अगर वह शेयर अपने रिकॉर्ड लो के करीब या उससे नीचे पहुंच गया है तो इसका मतलब है कि अब उस शेयर में खरीदारी का समय है। इस समय निवेशकों को चाहिए कि वे निवेश करें और अच्छा रिटर्न प्राप्त करें।

अगर जारी रहा डाउनवर्ड ट्रेंड

एक सवाल ऐसे में यह भी उठता है कि अगर कोई शेयर नीचे गिरना जारी रहा तो क्या होगा। कई इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी फर्म इस पर कहती है कि अगर कोई शेयर नीचे गिरना जारी रहता भी है तो भी घबराने की जरूरत नहीं है। कई बार मार्केट डाउन होने पर मजूबत शेयर भी क्रॉस फायरिंग में फंसते हैं और गिरते रहते हैं। यही वह समय है जब आपको घबराने की जरूरतर नहीं है और संयम बरतना है। अगर ऐसे में गिरावट से आपको घाटा लग भी रहा हो तो भी अपने शेयर को बेचें नहीं और धैर्य बनाए रखें, क्योंकि ये मजबूत शेयर जरूर वापसी करेंगे और आपके द्वारा डिस्काउंट पर की गई खरीदारी आपको जबरदस्त कमाई कराएगी यानी आपको मालामाल होने से कोई नहीं रोक पाएगा।

किस बात का रखना है विशेष ध्यान

यह जरूर याद रखें कि किसी भी शेयर को बिना जांचे परखे न खरीदें। शेयर खरीदने से पहले कंपनी के वित्त और उस सेक्टर के भविष्य को लेकर अध्ययन जरूर कर लें। गिरावट की स्थिति में अगर खराब शेयर हाथ में लग तो 'कंगाली में आटा गीला' वाला हाल हो जाएगा।

दिग्गजों की सलाह

जाने-माने निवेशक वॉरेन बफे ने 2016 में कहा था कि जब मार्केट नीचे जा रहा हो तो शेयर खरीदने से पहले बहुत ज्यादा छानबीन नहीं करेंगे तो भी चल जाएगा। दिग्गज निवेशक जैक बोगल ने भी एक इंटरव्यू में 2018 में कहा था कि बाजार में हो रहे बदलावों (गिरावट) से घबराकर अपने मन को ना बदलें और शेयर खरीदकर उसे होल्ड करें। अगर आप रिकवरी (बाजार की) का फायदा उठाने से चूके तो संभव है कि आप अपने वित्तीय लक्ष्यों से भी चूक जाएं।

अनुशासन बनाए रखें

पोर्टफोलियो में नाटकीय रूप से बदलाव करते रहने से जोखिम बढ़ता है। ऐसी आदत लंबी अवधि के लक्ष्यों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बेहतर होगा कि बाजार में फौरी उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज करें और अनुशासन बनाए रखें। यदि पोर्टफोलियो में बदलाव जरूरी लगे तो छोटे-छोटे बदलाव करें। इन बदलावों से आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। जरूरी यह है कि निवेश में हमेशा अनुशासन बनाए रखें और निवेश करते जाएं।

घबराहट में निर्णय न लें

हमेशा याद रखें कि अर्थव्यवस्था और बाजार का मिजाज चक्रीय होता है। जिस तरह तेजी का दौर आता है, वैसा ही गिरावट का दौर भी बन सकता है। जाहिर है, गिरावट वाले दौर में घबराकर बिकवाली करना अच्छी रणनीति नहीं होगी। अच्छे शेयर अक्सर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देते हैं।

नुकसान में न बेचें शेयर

उतार-चढ़ाव शेयर बाजार का स्वभाव है। निवेशकों को शेयर बाजार में आई गिरावट से घबराना नहीं चाहिए। अगर आपने शेयर बाजार में पैसा लगा रखा है और इसमें आपको अभी नुकसान हुआ है तो भी आपको नुकसान में अपने शेयर बेचने से बचना चाहिए। क्योंकि लॉन्ग टर्म में मार्केट में रिकवरी की उम्मीद है। ऐसे में अगर आप अपने शेयर्स को लम्बे समय के लिए होल्ड करते हैं तो आपको नुकसान होने की उम्मीद कम हो जाएगी।

प्लानिंग से बनेगा फटाफट पैसा, आराम से कटेगा बुढ़ापा

सिर पर आ गया रिटायरमेंट तो ऐसे करें निवेश का प्लान

जानकारी | बिजनेस डेस्क

इक्विटी फंड लंबी अवधि में 10 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे रहे

"रिटायरमेंट करीब आ गया है और आपके पास बुढ़ापे के लिए सेविंग नहीं है। ऐसे लोगों के लिए भी निवेश के कई विकल्प हैं, जहां कम समय में ही मोटा पैसा बनाया जा सकता है। अगर आप भी ऐसा कुछ सोच रहे हैं तो आप भी इक्विटी में कम से कम 10 साल के लिए निवेश कर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। इक्विटी फंडों ने 10 साल से ज्यादा समय के निवेश में 10 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। इस तरह आसानी से अच्छा फंड जुटाकर बुढ़ापे का जुगाड़ किया जा सकता है।"

यह बात सही है कि निवेश और बचत जितनी जल्दी शुरू की जाए, उतना ही बेहतर होता है और फायदा भी ज्यादा मिलता है, लेकिन, जिंदगी की जिम्मेदारियों को पूरा करने और लोन वगैरह चुकाने में फंसकर रह गए और सेविंग नहीं कर सके। ऊपर से रिटायरमेंट भी सिर पर आ गया है तो अब कहां पैसा लगाएं, जिससे फटाफट आपके खाते में एक मोटा फंड जमा हो जाए। रिटायरमेंट की प्लानिंग भी कई बार खर्चों और जिम्मेदारी की वजह से नहीं हो पाती और आप देखते ही देखते 50 की उम्र पार कर जाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही हुआ है और अभी तक रिटायरमेंट के लिए पैसे नहीं जोड़ सके हैं तो निवेश की अलग रणनीति बनाकर मोटा फंड जुटा सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आपकी देनदारियां कम हों और आप बाजार में थोड़ा जोखिम उठाने के लिए भी तैयार हों। आप भी इक्विटी में कम से कम 10 साल के लिए निवेश कर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। इक्विटी फंडों ने 10 साल से ज्यादा समय के निवेश में 10 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। इस तरह आसानी से अच्छा फंड जुटाकर बुढ़ापे का जुगाड़ किया जा सकता है।

ज्यादा रिटर्न वाले विकल्प चुनें

किसी भी नौकरीपेशा के लिए 50 साल की उम्र वह पड़ाव होता है, जब उसकी आय अपने उच्चतम स्तर पर और लोन आदि की देनदारियां लगभग खत्म होने की कगार पर रहती हैं। ऐसे में निवेशक जोखिम लेने में भी सक्षम रहता है तो उसकी पूरी रणनीति ज्यादा रिटर्न पाने की होनी चाहिए। इसके लिए इक्विटी आधारित निवेश पर जोर देना बेहतर होगा। कुछ हिस्सा इंटरनेशनल इक्विटी फंड, डेट फंड और सोने में भी लगाना चाहिए। निवेशक ध्यान रखें कि इक्विटी में लगाने वाले पैसे को कम से कम 10 साल तक बनाए रखेंगे तो 10-12% का जबरदस्त रिटर्न मिल सकता है।

... जोखिम नहीं लेना चाहते तो

50 साल से ज्यादा उम्र के ऐसे निवेशक, जिनमें जोखिम लेने की क्षमता नहीं होती और शॉर्ट टर्म का लक्ष्य लेकर चलते हैं, उन्हें लार्जकैप सेग्मेंट में सबसे ज्यादा निवेश करना चाहिए। ऐसे निवेशकों को लॉर्जकैप फंड में कुल फोलियो का 50%, मल्टीकैप फंड में 40%, मिड और स्मॉलकैप फंड में 10% का निवेश करना चाहिए। इसके अलावा अन्य फंड से फोलियो घटाना हो तो कम अवधि वाली एफडी और पोस्ट ऑफिस की योजनाओं में निवेश कर सकते हैं।

यह नियम अपना सकते हैं

- 60 के करीब हैं तो 3 भाग में बाटें पैसाः जब आपकी उम्र 60 के करीब हो या आप रिटायरमेंट ले चुके हैं तो निवेश को तीन भागों में बांटकर रिटर्न का लक्ष्य बनाएं।
- पहला लिक्विड फंड का खाता बनाएं जो आपको जरूरत पड़ने पर तत्काल पैसे उपलब्ध करा सके। इसमें 40 महीने के खर्च के बराबर राशि जमा करें, जो एफडी या शार्ट टर्म बांड में लगाई जा सकती है। इसमें 15-20% का निवेश हो।
- दूसरा स्थायी आय का विकल्प तैयार करें, जिससे निवेश पर कोई जोखिम न हो और निश्चित रिटर्न भी मिलता रहे। इसके लिए वय वंदन योजना या आरबीआई बांड में पैसे लगा सकते हैं। इसमें 45-50% का निवेश करना चाहिए।
- तीसरे विकल्प में ज्यादा रिटर्न देने वाले निवेश शामिल करें, जो फंड को तेजी से बढ़ा सकें। इसके लिए बाजार से जुड़े इक्विटी उत्पाद चुन सकते हैं। इसमें 30-40% हिस्सा लगाना चाहिए।

आपके माता-पिता के लिए बेस्ट हैं ये सुरक्षित निवेश की स्कीम

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के बाद ज्यादातर निवेशक अपने रुपये पैसे को लेकर ज्यादा सजग रहते हैं और जब निवेश की बात होती है तो वह इसके लिए पूरी तरह से सुरक्षित विकल्प खोजते हैं। सीनियर सिटीजंस के लिए अपनी जमा पूंजी के बड़े हिस्से को सुरक्षित निवेश करने और उसके जरिए स्टेबल रिटर्न पाने के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) सबसे अच्छे विकल्पों में शामिल है। असल में रिटायरमेंट के बाद निवेशक बाजार का ज्यादा जोखिम लेने की स्थिति में नहीं होते हैं। ऐसे में निश्चित रूप से फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) जैसे सुरक्षित निवेश विकल्प उनके लिए बेहतर है। इस पर न सिर्फ रिटर्न की गारंटी होती है, बल्कि आपका पैसा भी सुरक्षित रहता है। सीनियर सिटीजेंस फिक्स्ड डिपॉजिट पर बैंक सामान्य एफडी की तुलना में ज्यादा ब्याज देते हैं। इन योजनाओं में जोखिम बहुत ही कम होता है।

बैंक देते हैं ज्यादा ब्याज

सीनियर सिटीजन आम तौर पर बाजार का रिस्क नहीं लेना चाहते हैं। उनकी जोखिम लेने की क्षमता कम होती है और वे अपना पैसा सुरक्षित निवेश विकल्पों में निवेश करते हैं। बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान सीनियर सिटीजंस को लो रिस्क कैटेगरी का मानते हैं और उन्हें निवेश के लिए आकर्षित करने के लिए एफडी पर ज्यादा ब्याज दरों की पेशकश करते हैं। एक और वजह यह है कि बैंक उन्हें अपना भरोसेमंद ग्राहक मानते हैं, क्योंकि रिटायरमेंट के बाद ज्यादातर सीनियर सिटीजंस की पसंद एफडी होती है।

सीनियर सिटीजेंस एफडी के फायदे

ज्यादातर बैंक सीनियर सिटीजंस फिक्स्ड डिपॉजिट में सामान्य फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम की तुलना में 50 बेसिस प्वॉइंट यानी 0.50 फीसदी अतिरिक्त ब्याज देते हैं। आपने तय ब्याज दर पर एफडी लॉक कर दी तो मैच्योरिटी तक दरों में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी गारंटी के साथ रिटर्न मिलेगा। भारत में आरबीआई द्वारा बैंकों को रेगुलेट किया जा रहा है। सरकार समर्थित स्कीम होने के चलते एफडी पूरी तरह से सुरक्षित है।

यह भी विकल्प

फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी पर एनुअल बेसिस पर, तिमाही बेसिस पर या मंथली बेसिस पर इंटरेस्ट पेआउट का विकल्प चुन सकते हैं। एफडी का इस्तेमाल लोन लेने के लिए कोलैटरल के रूप में किया जा सकता है। सबसे जरूरी कि इसमें अकाउंट खोलने की प्रक्रिया बेहद आसान है।

कितना लगता है टैक्स

बैंकों में 5 साल की टैक्स सेविंग एफडी में निवेश करने पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत 1.50 रुपये तक की जमा पर टैक्स बेनिफिट ले सकते हैं। वहीं, इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80टीटीबी के अनुसार, सीनियर सिटीजंस एफडी पर एक वित्त वर्ष में अर्जित होने वाले 50 हजार रुपये तक के ब्याज पर टैक्स नहीं देना होता है। अगर किसी वित्त वर्ष में ब्याज की राशि 50 हजार रुपये से अधिक हो तो बैंक इस आय पर टीडीएस वसूलेंगे। आईटी की धारा 194ए के तहत टीडीएस वर्तमान में 10 फीसदी कम है। वरिष्ठ नागरिक एफडी पर अर्जित ब्याज के तहत टैक्स छूट का दावा करने के लिए फॉर्म 15एच का उपयोग कर सकते हैं।

फॉर्म 15जी/फॉर्म 15एच की प्रयोज्यता

यदि आपकी मूल आय 2.50 लाख रुपये प्रति वर्ष की छूट सीमा से कम है। केवल एक व्यक्ति (60 वर्ष तक) या एचयूएफ या ट्रस्ट, फॉर्म 15जी जमा कर सकता है। यह कंपनियों और व्यवसायों के लिए नहीं है। 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को फॉर्म 15जी के स्थान पर फॉर्म 15एच भरना और जमा करना होता है।

म्यूचुअल फंड में निवेश के कई बेहतर विकल्प, पति की रिटायरमेंट तक बना लेंगी अच्छा खासा फंड

हाउसवाइफ भी जोड़ सकती हैं करोड़ों की रकम

अक्सर देखा जाता है कि घरेलू महिलाओं के सामने आर्थिक आजादी की समस्या आ जाती है। जिंदगी में हर काम के लिए वह पति की कमाई और पूंजी पर निर्भर रह जाती हैं। लेकिन वे भी थोड़ी सी सावधानी के साथ बचत और निवेश करें तो आर्थिक रूप से आजादी के साथ ही पति की रिटायरमेंट तक घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ एक करोड़ से ज्यादा का फंड बना सकती है।

तैयारी | बिजनेस डेस्क

हाउसवाइफ के पास अपनी कमाई का निश्चित जरिया नहीं

हाउसवाइफ की जिंदगी किसी भी नौकरी पेशा से अधिक बिजी होती है। सुबह जल्दी जागकर घर का सारा काम करना। पति के लिए नाश्ता और लंच बनाना। बच्चों का टिफिन तैयार करना और बुजुर्गों की दिनभर देखभाल करना। एक हाउसवाइफ के लिए यह सारे काम रोज सांस लेने की तरह हैं। एकदम ऑफिस में काम करने जैसा, लेकिन इतना सारी जिम्मेदारियों के बाद भी वह आर्थिक रूप से आजाद नहीं रहती। सोचो क्या उनके पास वित्तीय आत्मनिर्भरता रहती है। 100 में 90 का जवाब होगा, नहीं। पर, अगर आप थोड़ा सा वक्त और पैसा अपने लिए निकालें तो पति की रिटायरमेंट होने तक एक करोड़ से ज्यादा का फंड जुटा लेंगी। इसलिए आपको सिर्फ थोड़ी सी प्लानिंग के तहत काम करना होगा और एक महीने में अपने रोजमर्रा के खर्चे से कम से कम 2600 रुपये तक बचाने होंगे। एक स्टॉक ब्रोकर कंपनी का कहना है कि ज्यादातर हाउसवाइफ की नजर सिर्फ परिवार की देखभाल और उनसे जुड़ी जिम्मेदारियों तक सिमटकर रह जाती है। इस भागदौड़ के बीच अगर सिर्फ मट्ठी भर पैसा हर महीने अपने नाम से जमा करना शुरू कर दें, तो पति की रिटायरमेंट तक आपके पास भी मोटा फंड बन जाएगा। आज महिलाओं के लिए भी ऐसे निवेश विकल्प हैं, जहां थोड़े पैसे लगाकर भी लंबी अवधि में बड़ी पूंजी जमा हो जाती है।

कितने पैसे की होगी जरूरत

यह बात तो सभी जानते हैं कि हाउसवाइफ के पास अपनी कमाई का कोई निश्चित जरिया नहीं होता। इस लिहाज से घर खर्च में पैसे बचाकर वे अपने पास हर महीने कुछ रुपये जमा कर सकती हैं। अगर आप भविष्य के लिए फंड बनाने की सोच रहीं तो बस आपको बच्चे की रोजाना टिफिन जितना खर्चा ही बचाना होगा। मान लीजिए, बच्चे की रोज की टिफिन और जेब खर्च के पीछे आपके 100 रुपये खर्च होते हैं, तो हर महीने आप 4 रविवार हटाकर भी 2,600 रुपये का फंड जुटा लेंगी।

इन पैसों को करें निवेश

आपने देखा कि हर महीने आपके पास 2,600 रुपये जमा हो रहे हैं तो अब आप एक म्यूचुअल फंड की एसआईपी खुलवा दीजिए। म्यूचुअल फंड में आप हर महीने 2,600 रुपये भी जमा करती हैं तो लंबी अवधि यानी 10 साल से ज्यादा के समय में आपको इस पर हर साल 12 फीसदी का औसत रिटर्न मिल जाएगा।

पति की रिटायरमेंट तक कितना पैसा

मान लीजिए आपकी शादी 28 साल की उम्र में होती है और पति की रिटायरमेंट उम्र 60 साल है। इस तरह आपके पास निवेश करने के लिए 32 साल मिलेंगे। इन 32 सालों में 2,600 रुपये हर महीने के हिसाब से आप कुल 9,98,400 रुपये यानी करीब 10 लाख रुपये का निवेश कर सकेंगी। इस पर हर साल 12 फीसदी का रिटर्न मिलता है तो 32 साल में आपका कुल फंड बढ़कर 1,17,24,172 रुपये हो जाएगा, जिसमें ब्याज की रकम 1,07,25,772 रुपये होगी।

इकोनॉमी में 16% से ज्यादा का योगदान

ध्यान रखने वाली बात यह है कि आपने 32 साल तक लगातार एक ही निवेश बनाए रखा है। अगर आप हर साल निवेश की जाने वाली राशि में बढ़ोतरी करते हैं तो यह फंड और भी ज्यादा हो जाएगा। इस तरह, पति की रिटायरमेंट आने तक आप घर में रहकर एक करोड़ से ज्यादा फंड तैयार कर लेंगी। इस तरह हाउसवाइफ को भी आर्थिक आजादी मिलेगी और वह भी आसानी से एक बढ़िया फंड तैयार कर लेगी। इसलिए जरूरी है कि महिलाओं को भी अपने रोजमर्रा के खर्च से कुछ न कुछ बचाकर निवेश करना चाहिए। इससे उनको आत्मनिर्भर बनने से कोई नहीं रोक सकता।

सक्सेस मंत्र

- नए साल में छात्रों की कामयाबी का मूल मंत्र
- पढ़ने में रट्टे की बजाय समझने पर फोकस करें
- व्यायाम करें, शरीर के साथ दिमाग भी बनेगा चुस्त
- आज का काम कल पर न टालें, समय पर उठें
- हर छात्र कम से कम एक स्किल सीखे
- सुबह के समय कुछ समय अपने शरीर को भी दें
- हर दिन कम से कम एक घंटा खेलना भी जरूरी

मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता शोर मचाए

छात्र किताबों से दोस्ती करें और स्क्रीन से दूरी बनाएं

सफलता चूमेगी कदम

नव वर्ष, नए संकल्प

विनोद कौशिक/विनोद गौतम

हर किसी में एक न एक खासियत जरूर होती है। जरूरत है सिर्फ उस स्किल को पहचानने की। ऐसे में सभी को चाहिए कि वे अपनी खूबी को पहचानें और सफलता पाने के लिए जी जान जुट जाएं। हर बार नया साल कुछ न कुछ खास लेकर आता है। यह समय कुछ संकल्प लेने का होता है। बुराइयों को छोड़कर अच्छाइयां अपनाते हुए आगे बढ़ने का होता है। ऐसे में विद्यार्थियों को चाहिए कि वे भी नए साल 2024 के लिए अपने कुछ लक्ष्य तय करें और उन पर अमल कर तैयारी करें। इससे वे आसानी से अपनी मंजिल को प्राप्त कर लेंगे और सफलता उनके कदम चूमेगी नए साल में फरवरी से 10वीं-12वीं की परीक्षाएं होनी हैं। इसके बाद कुछ नौकरी के लिए भर्ती परीक्षाएं होनी हैं, वहीं कॉलेज और विश्विद्यालयों के एग्जाम भी होने हैं। अब बात आती है कि विद्यार्थी कैसे तैयारी करें कि वे अपना मुकाम हासिल कर सकें। इस डिजिटल जमाने में सफलता का मूल मंत्र है 'किताबों से दोस्ती और स्क्रीन से दूरी'। यदि विद्यार्थी ऐसा करते हैं तो उन्हें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। पढ़ने में रट्टे की बजाय समझने पर फोकस करें। आज का काम कल पर न टालें। समय पर उठें और कुछ देर व्यायाम करें। कुछ समय अपने शरीर को भी दिया जाना जरूरी है। इससे मन स्वस्थ रहेगा और शरीर मजबूत बनेगा। छात्रों के लिए जितना पढ़ना जरूरी है उतना ही हर दिन खेलना भी बेहद जरूरी है। हर छात्र कम से कम एक स्किल जरूर विकसित करें। यह आपके भविष्य में काम आएगी।नए साल पर पेश इस रिपोर्ट में हम बताएंगे ऐसे 24 संकल्प जो छात्र अपने जीवन में आत्मसात कर आगे बढ़ सकते हैं।

विद्यार्थियों के लिए 2024 के 24 संकल्प

1. आज का काम कल पर न टालें

आज के काम को कल पर टालने का प्रयास न करें। इस आदत से आप पिछड़ते चले जाएंगे। इसके बाद एक समय ऐसा आएगा कि इस गेप को भरना मुश्किल होगा। संत कबीर दास जी ने भी कहा है। 'काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब'। इस साल यह संकल्प लें कि अपना आज का काम आज ही निटाएंगे। उसे कल के भरोसे पर नहीं छोड़ेंगे। इससे कॉन्फिडेंस डेवलप होगा।

2. किताबों से करें दोस्ती

विद्यार्थी किताबों से दोस्ती करें, क्योंकि कहा भी जाता है कि किताबों से ही ज्ञान मिलेगा और आपका भविष्य उज्जवल बनेगा। किताबें ही व्यक्ति की सच्ची मित्र होती हैं और जीवन जीने की सही राह दिखाती हैं। जो ज्ञान किताबों से अर्जित कर सकते हैं वह कहीं और से नहीं मिल सकता। छात्र किताबों पर फोकस करें और परीक्षा की तैयारी करें। जितना लिखकर या नोट्स बनाकर तैयारी करेंगे उतने ही अच्छे अंक परीक्षाओं में प्राप्त होंगे।

3. खुद को कमजोर न समझें

हा किसी में कोई न कोई प्रतिभा जरूर होती है। इसलिए खुद को किसी से कमजोर न समझें और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें। नंबर गेम के चक्कर में न फंसे अपना स्वाभाविक प्रदर्शन कर करते जाएं। अपनी किसी से तुलना न करें। सबकी अपनी-अपनी क्षमताएं होती हैं। खुद को कमजोर समझेंगे तो बेहतर प्रदर्शन नही कर पाएंगे और उलझन में फंस जाएंगे।

4. अवसर तलाशें

छात्रों को इस साल यह भी संकल्प लेना चाहिए कि जिस काम में उनकी रूचि है उसमें बेहतरीन अवसर तलाशें। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, सिर्फ उसमें अवसर तलाशकर आगे बढ़ना होता है। कोई भी क्षेत्र हो जहां लगता है कि आप कुछ कर पाएंगे। उस क्षेत्र में अवसरों की तलाश कर जुट जाएंगे तो आपको कामयाब होने से कोई नहीं रोक पाएगा।

5. स्क्रीन से दूरी बनाएं

आज के डिजिटल युग में स्मार्टफोन, एलईडी या अन्य डिवाइस छात्रों को प्रभावित कर रही हैं, इनके जहां फायदे हैं, वहीं नुकसान भी बेहद खतरनाक हैं। स्क्रीन का सिर्फ उतना ही प्रयोग करें, जितनी जरूरत हो, वरना यह करियर को खराब कर सकता है। छात्रों को सोशल मीडिया और मोबाइल से जितना दूर हो सके, उतना दूर रहना चाहिए। स्क्रीन से जितनी दूरी रखेंगे उतना ही आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ठीक होगा। ध्यान नहीं भटकेगा और आप आसानी से अपने लक्ष्य पूरे कर पाएंगे।

6. रट्टे की बजाय समझने पर जोर

छात्रों को अच्छे नंबर पाने के लिए पढ़ाई में रट्टे के बजाय समझने पर जोर देना चाहिए, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। मानसिक विकास के लिए चीजों में बंधने की बजाय विचार मंथन और समझने की क्षमता पर जोर दिया जाना चाहिए। इससे आप भविष्य में अच्छे निर्णय ले पाएंगे। किताबों का रट्टा मारने से आप एक बार अच्छे नंबर तो पा सकते हैं, लेकिन खुद को भविष्य के लिए तैयार नहीं कर पाएंगे। ऐसे में जरूरी है कि पहले चीजों को समझना सीखें। इसो बाद कामयाबी आपसे दूर नहीं। आप किसी भी क्षेत्र में सफलता के झंडे गाड़ सकते हैं।

7. स्किल विकसित करें

छात्रों को चाहिए कि वे खुद में कम से कम एक स्किल जरूर विकसित करें। यह आपके बेहद काम की है। यह स्किल आपके बेहद काम आएगी। कई बार आप जो चाहते हैं वह नहीं बन पाते हैं। इस स्थिति में जो स्किल आपके पास है वह आपके जीवन में आपको अच्छा रोजगार भी दिल सकती है। इसलिए यह संकल्प लें कि इस साल हम कुछ न कुछ स्किल जरूर विकसित करेंगे।

8. आत्म विकास

याद रखें, हर कोई अद्वितीय है, इसलिए ऐसे संकल्प चुनें जो आपके लक्ष्यों के अनुरूप हों। आत्मविकास और आत्ममंथन करें। अच्छे बुरे की पहचान करें। आत्म-सुधार की यात्रा को अपनाएं, अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें और देखें कि कैसे ये छोटे कदम आपके जीवन में बड़े सकारात्मक बदलाव लाते हैं।

9. सवाल उठाएं

कक्षा में सवाल पूछें, घबराएं नहीं, एक चीज एक बार में समझ न आए तो दोबारा पूछें। शर्म न करें। ध्यान रखें आप जितने सवाल उठाएंगे उतने ही निखरेंगे। यदि आप सवाल नहीं उठाते और समझ आए या न आए हां भरते या मौन स्वीकृति भी देते हैं तो अपना ही नुकसान कर रहे हैं।

10. अध्ययन का रुटीन बनाएं

अध्ययन के लिए रूटीन बनाएं। नए साल पर एक वास्तविक, यथार्थवादी अध्ययन योजना बनाएं, जिसका आप अपने पूरे शैक्षणिक वर्ष में पालन कर सकें। सभी विषयों को महत्वपूर्ण अध्यायों के साथ सूचीबद्ध करें और तैयारी के स्तर के अनुसार कुछ घंटे समर्पित करें।

11. कुछ नया आजमाएं

नए साल में कुछ न कुछ नया सीखने का संकल्प लें। आप जो कुछ भी करते हैं उसमें नयापन चीजों को दिलचस्प बनाता है और सीखने के लिए प्रेरित करता है। तो, इस वर्ष, आप भी कुछ नया आजमा सकते हैं जो आपको उत्साहित करें और एक नई ऊर्जा का संचार करे।

12. सीखें, सिर्फ ग्रेड के लिए नहीं

आप केवल अच्छे ग्रेड प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, तो सफलता तो प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन लंबे समय के लिए नहीं। अवधारणाओं से सीखना और उन्हें अपने रोजमर्रा के जीवन में लागू करना है। इसलिए सीखें जरूर, लेकिन यह सिर्फ ग्रेड पाने के लिए ही न हो।

13. तनाव न लें

विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा या बोर्ड परीक्षाओं के दौरान तनाव नहीं लेना चाहिए। स्वाभाविक रूप से तैयारी पर ध्यान देना चाहिए। इससे छात्र परीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन कर पाएंगे। कई बार तनाव के कारण छात्र सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाते और वे परीक्षाओं में पिछड़ जाते हैं।

14. गलतियों से सीखें

एक ही गलती बार-बार नहीं करनी चाहिए, बल्कि अपनी गलतियों से सीख लेनी चाहिए। इससे आसानी से अपनी मंजिल हासिल कर सकेंगे। कहा भी जाता है की एक हार जीवन की सफलता की कूंजी होती है। इससे व्यक्ति मजबूत बनकर उभरता है। असफतला से डरें नहीं।

15. टाइम टेबल बनाएं

पढ़ाई और परीक्षा के हिसाब से टाइम टेबल बनाएं। ध्यान रखें खाली टाइम टेबल बनाकर दीवार पर चिपकाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उसे फॉलो भी करना होगा। तभी आप समय रहते खुद को स्थापित कर पाएंगे। खुद को टाइम टेबल के अनुसार ढालें। सफलता कदम चूमेगी

16. अभ्यास करें

सिलेबस का बार-बार अभ्यास करें। भी गया है 'करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान, रसरी आवत जात ते सिल पर परत निशान' अर्थात जिस प्रकार लगातार आते जाते रस्सी पत्थर पर निशान बना देती है उसी प्रकार सतत अभ्यास किसी बुद्धिहीन को भी बुद्धिमान बना देता है।

17. मन लगाकर पढ़ें

सफतला पाने के लिए मन लगाकर पढ़ाई करें। हमेशा तैयारी पर फोकस रखें। इधर-उधर के बहाने बनाने की बजाय पढ़ाई पर ध्यान देंगे तो आपको कामयाब होने से कोई नहीं रोक सकता है। पढ़ाई के लिए साफ सुथरी जगह का चयन करें। आसपास जरूरत की चीजें ही रखें।

18. सुबह जल्दी उठें

सुबह जल्दी उठकर पढ़ने से चीजें लम्बे समय तक याद रहती है। दिमाग शांत और तरोताजा रहता है। इस दौरान व्यक्ति जो भी काम करता है या फिर पढ़ता है उसे पूरे ध्यान और मन से करता है। इससे प्रोडक्टिविटी बढ़ती है। पढ़ाई पर और ज्यादा ध्यान लगाया जा सकता है।

19. व्यायाम करें

सुबह जल्दी उठना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इससे व्यक्ति का आलस कम होता है साथ ही दिमाग फ्रेश और एक्टिव रहता है। सुबह जल्दी उठकर कुछ समय व्यायाम जरूर करें। शरीर हेल्दी और दिमाग चुस्त व दुरुस्त रहेगा। थकान नहीं होगी।

20. हेल्दी खाना खाएं

हेल्दी खाना खाएं। तले, भुने और बाहर के खाने से बचें। हमेशा घर का बना खाना खाएं। अस्वास्थ्यकर जंक फूड या प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से दूर रहे। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन हमारे स्वास्थ्य और दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। यह चिंता और थकान बढ़ाता है।

21. मानसिक रूप से मजबूत बनें

शारीरिक स्वास्थ्य की देखभाल के अलावा, छात्रों के लिए मानसिक रूप से भी मजबूत बनना होगा। शैक्षणिक, वित्तीय और व्यक्तिगत चुनौतियों के दौरान, छात्रों को अक्सर अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है, जिसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है।

22. खेल भी जरूरी

पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी हैं। खेलों में करियर बनाने के भी बेहतरीन अवसर हैं। खेल छात्र के विकास का अहम हिस्सा हैं। वे मानसिक कल्याण और शारीरिक फिटनेस के विकास में सहायता करते हैं। खेलों में भागीदारी से अनुभव और आत्मविश्वास बढ़ता है।

23. लक्ष्य तय करें

लक्ष्य का निर्धारण करियर में सफलता के रोडमैप के रूप में काम करता है। छात्र अपनी कमजोरी और ताकत का आकलन कर लक्ष्य तय करें। जिन छात्रों के पास उद्देश्य होता है, वे अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करते हैं और जल्द कामयाब होते हैं।

24. बड़ों का सम्मान करें

विद्यार्थियों को भी अपने शिक्षक व माता-पिता का पूर्ण सम्मान करना चाहिए। विद्यार्थी जीवन के दौरान एकाग्रचित्त होकर अध्ययन करें। प्रतिदिन माता-पिता के चरण स्पर्श करना चाहिए। क्योंकि जब तक हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों से नहीं जुड़ेंगे, नैतिक गुणों को आत्मसात नहीं करेंगे तब तक हमारी आंतरिक उन्नति संभव नहीं है।

सकारात्मक सोच रखें

कामयाबी के दरवाजे उन्हीं के लिए खुलते हैं... जो उन्हें खटखटाने की ताकत रखते हैं..!! नए साल में छात्रों को जीवन में बदलाव लाने और कुछ अच्छा हासिल करने के संकल्प लेने चाहिए। सकारात्मक सोच के साथ खुद को स्थापित करना होगा। मन लगाकर पढ़ाई करनी होगी। जो लक्ष्य तय करें उस पर साल भर अडिग रहकर चलना होगा।

-परमजीत कौर, प्राचार्या, पी एम श्री केवि, रोहतक

शिक्षा और सेहत दोनों जरूरी

छात्रों के लिए शिक्षा और सेहत दोनों काफी महत्वपूर्ण हैं। कहते हैं 'हेल्थ इज वेल, आल इस वेल' यह जितना सुनने में अच्छा लगता है, उससे कहीं ज्यादा यह शरीर के लिए लाभकारी होता है। छात्रों को नए साल में संकल्प लेना चाहिए कि सेहत के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। पढ़ाई के साथ साथ खेल व व्यायाम पर भी फोकस करेंगे।

-अनिता धनखड़, एनसीसी अधिकारी, केन्द्रीय विद्यालय मस्जिद मोठ, द्वितीय पाली, नई दिल्ली

स्क्रीन से न चिपकें

विद्यार्थी सोशल मीडिया का कम से कम उपयोग करें। इंटरनेट का उपयोग सिर्फ अपनी प्रोडक्टिविटी बनाने के लिए करें, अनावश्यक रूप से स्क्रीन से चिपके न रहें। हमेशा सकारात्मक रहें और संघर्ष के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करें। इससे आपको कामयाब होने से कोई नहीं रोक पाएगा और सफलता कदम चूमेगी।

-अमरदीप, पीजीटी भौतिक विज्ञान, पी एम श्री केवि, रोहतक

ज्यादा पानी पीएं

विद्यार्थियों को अच्छी तैयारी के किए मोबाइल से दूर रहकर कितबों पर फोकस करना चाहिए। अच्छी तरह से विषय को समझें और अभ्यास करें। किसी भी प्रश्न के उत्तर को बिदुओं से दर्शाएं। जैसे, भूमिका, निष्कर्ष आदि प्वाइंट्स में बांटें। परीक्षा के दिनों में ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं, इससे मस्तिष्क सक्रिय होता है और ऊर्जा मिलती है। विषय अच्छी तरह से याद रहता है और पढ़ाई में परेशानी नहीं होती।

-डॉ. मानवेंद्र सिंह, प्रोफेसर, एमडीयू

सेल्फ स्टडी जरूरी

छात्रों को अच्छा स्कोर करने के लिए हर रोज कम से कम 8 से 10 घंटे तक पढ़ करना चाहिए। शांत माहौल में बैठकर सेल्फ स्टडी करें। इस समय जितनी सेल्फ स्टडी करेंगे। परीक्षा की तैयारी अच्छी होगी और प्रर्याप्त समय मिल सकेगा। मोबाइल पर समय बर्बाद न करें और पढ़ाई पर ध्यान दें। स्क्रीन से जितनी दूरी बनाएंगे, उतना ही अच्छा स्कोर परीक्षा में कर पाएंगे।

-कविता राठी, मेथ टीचर, हाईरैंक एकेडमी

विकसित भारत संकल्प यात्रा हितग्राहियों को हितलाभ वितरित

विधायक श्री रोहाणी ने किया हितलाभों का वितरण

जबलपुर। केंद्र शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजना का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आज शनिवार को जबलपुर केन्ट विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत डिलाईट टॉकीज के पास तथा जबलपुर और उत्तर विधानसभा में छोटा फुहारा के पास शिविर लगाये गये।विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत डिलाइट टॉकीज के समीप आयोजित शिविर में विधायक श्री अशोक ईश्वर दास रोहाणी भी शामिल हुये। उन्होंने शिविर में केंद्र शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन किया तथा शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण कराने आये नागरिकों से चर्चा कर उनके हालचाल जाने। श्री रोहाणी ने कई हितग्राहियों को केंद्र शासन की योजनाओं के लाभ का वितरण भी किया।श्री रोहाणी ने शिविर को सम्बोधित करते हुये को केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याण की योजनाओं की जानकारी उपस्थित जनों को दी। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रहे इसी मकसद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। श्री रोहाणी ने शिविर में बड़ी संख्या में मौजूद क्षेत्र के नागरिकों को देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प भी दिलाया। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष रिंकुज विज भी मौजूद थे । विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत छोटा फुहारा में आयोजित शिविर में पूर्व महापौर प्रभात साहू ने यात्रा के साथ चल रहे प्रचार रथ का स्वागत किया। दोनों स्थान पर आयोजित शिविरों में पार्षद श्रीमती वर्षा मनोज सेन, श्रीमती रंजना ठाकुर, श्याम कुमार कनौजिया, कृष्ण दास चौधरी, श्रीमती रजनी सुरेन्द्र साहू आदि मौजूद रहे। इन शिविरो में आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा एवं वृद्धावस्था पेंशन योजना तथा बैंकों से जुडी प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, अटल पेंशन योजना एवं अटल पेंशन योजना के अलग-अलग स्टॉल लगाये गये।शिविरों के दौरान स्थानीय नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों की ई-केवायसी करने, आधार लिंकिंग, आधार अपडेशन एवं आधार रजिस्ट्रेशन के लिये भी स्टॉल लगाये गये थे। इसके साथ ही यात्रा के साथ चल रहे प्रचार रथ से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सन्देश का प्रसारण किया गया। लोगों को भारत को विकसित बनाने का संकल्प भी दिलाया गया। केंद्र शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर चुके हितग्राहियों ने अपने अनुभव भी सुनाये।

रविवार को भी दो स्थानों पर लगेगें शिविर

विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत रविवार 31 दिसम्बर को शहर में दो स्थानों हनुमानताल थाने के पास और संभाग क्रमांक 11 के अंतर्गत अध्यक्ष कार्यालय के पास शिविरों का आयोजन किया गया है। क्षेत्र के नागरिकों से इन शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया गया है ।

स्काउट गाइड को मिशन लाइफ क्लाइमेट चेंज की शपथ दिलाई

जबलपुर। भारत स्काउट गाइड मध्य प्रदेश राष्ट्रीय मुख्यालय एवं राज्य मुख्यालय तत्वावधान में यूनिसेफ के सहयोग से जिला स्तर पर क्लाइमेट लीडर एक्शन प्लान वर्कशॉप का आयोजन दिनांक 26 दिसंबर 2023 से 30 दिसंबर 2023 तक शासकीय सेंट ग्रेवियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल रांझी जबलपुर में आयोजित की गई जिसमें विभिन्न विद्यालयों से 110 से अधिक स्काउट गाइड रोवर रेंजर यूनिट लीडर ने भाग लिया राष्ट्रीय मुख्यालय के पाठ्यक्रम अनुसार विभिन्न गतिविधियों के माध्यम सेस्काउट गाइड रोवर रेंजर को प्रशिक्षण प्रदान किया गया वर्कशॉप का संचालन संभागीय अधिकारी सहायक राज्य संगठन आयुक्त श्री ललित कुमार मिश्रा द्वारा किया गया 30.12.2023 को वर्कशॉप का समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया मुख्य अतिथि के रूप में नवनियुक्त विधायक अशोक रोहणी नगर निगम अध्यक्ष एवं भारत स्काउट गाइड मध्य प्रदेश जिला संघ मेट ॉप विशाल तिवारी स्काउट और जबलपुर पूजा जायसवाल रेंजर कटनी आर्य कई रेंजर कटनी अर्चित कुशवाहा रोवर जबलपुर द्वारा वर्कशॉप की आयोजन में विशेष सहयोग प्रदान किया गया।

अयोध्या से आए अक्षत कलश की यात्रा निकाली

जबलपुर। आयुषी धरा कॉलोनी की समस्त नारी शक्ति महानुभव एकत्र होकर श्रीं राम जी के अक्षत कलश गणेश मंदिर शास्त्री नगर सै सिद्ध दुर्गा शक्ति मन्दिर आयुषी धरा कॉलोनी के मंदिर डोल & जय श्री राम, जय जय श्री राम के गगनचुंबी नारो भगवान राम भक्त गीतों & जोश उमग के साथ अयोध्या से आए अक्षत कलश स्थापना सिद्ध दुर्गा शक्ति मन्दिर आयुषी धरा कॉलोनी में की गई इस यात्रा में श्रीमती दुबे, ऊषा खरे, सविता श्रीवास्तव, सविता पाठक अवधेश कुमार खरे, दिलीप पाठक, उतम,श्रीवास्तव भगवानदास विश्वकर्मा मंजु, आशा मिश्रा महेन्द्र पाण्डे सविता तिवारी, आरती जसवाल , सभी शोभा यात्रा मै सम्मलित हुए।

श्रीराम के आगमन को लेकर राम मय हुआ खितौला नगर

सिहोरा। भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि निश्चित होते ही खितौला में भक्तों के मध्य हर्षोल्लास का वातावरण बन गया है ।शनिवार को अयोध्या से आए अक्षत के कलश की भव्य यात्रा खितौला नगर में निकाली गई जिसमे सैकड़ो की संख्या में माताओं और बच्चियों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। यह यात्रा ढेलाराम मंदिर से खितौला फाटक,बस स्टैंड होती हुई राधा कृष्ण मंदिर में समाप्त हुई ।सभी नगरवासियों ने आने वाले 1 जनवरी से 22 जनवरी तक के दिन को धार्मिक में बनाने का संकल्प लिया। शनिवार को पूर्व की घोषणा के अनुसार खितौला के ढेला राम मंदिर प्रांगण से भव्य अक्षत कलश यात्रा प्रारंभ हुई। कलश यात्रा में छोटी-छोटी बच्चियों से लेकर वृद्ध माता तक ने अपने सिर में कलश को धारण करते हुए जय श्री राम के उद्घोष किए।आयोजन समिति ने राह में पढ़ने वाले प्रत्येक मंदिर का पूजन किया और संकल्प लिया कि वह अयोध्या नहीं जा सकते लेकिन अपने नगर को ही अयोध्या बना देंगे।

नर्मदा नर्सरी स्कूल के वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

जबलपुर। नर्मदा नर्सरी केजी एवं जूनियर स्कूल, ठक्करग्राम में वार्षिकोत्सव का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व पार्षद संजय साहू ने विद्यार्थियों को एक अच्छा इंसान बनने की बात कही और उनकी शिक्षा पर जोर दिया। मुख्य अतिथि लखन घनघोरिया ने शिक्षा के महत्व को बताते हुए कहा कि नर्मदा नर्सरी स्कूल इस क्षेत्र में शिक्षा देकर पुनीत कार्य कर रही है। शिक्षा से ही मानव जीवन का सही विकास है। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष चित्रा देवी माहेश्वरी, नवनीत माहेश्वरी, सुनीति माहेश्वरी, विभव माहेश्वरी, शिवांगी माहेश्वरी ने मुख्य अतिथि लखन घनघोरिया का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों की प्रस्तुतियों को देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका सीमा प्रसाद एवं अनविक्षा पाठक ने किया।

नहीं थम रहा सेवानिवृत्त कर्मचारियों का शोषण

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश एवं जिला अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि विभिन्न कार्यालयों मे पदस्थ कर्मचारी सेवानिवृत होने के उपरांत अपने ही स्वत्वों को प्राप्त करने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते हैं, कुछ विभागों का आलम यह हैं की महीनों पेंशन प्रकरण तैयार ही नहीं होते, अवकाश नकदिकरण, बीमा, ग्रेच्युटी इत्यादि के लिए जब तक बाबू और उसके माध्यम से उच्च अधिकारी की जेबे गर्म नहीं होती तब तक कुछ प्राप्त नहीं होता। महीनों प्रकरण लटकाये जाते हैं। विभाग से प्रकरण पेंशन कार्यालय पहुँचने के बाद वहां भी किसी ना किसी बहाने लटकाये जाते है। संघ ने कमिश्नर महोदय , कलेक्टर महोदय एवं विभाग अध्यक्षों से मांग की है की सेवानिवृत कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण समय पर नहीं होने पर जवाबदारों पर कार्यवाही की जाए।

चैतन्य ब्रह्म ज्ञान सम्मेलन प्रारंभ

जबलपुर। अध्यात्म सत्संग समिति भक्त मंडली अध्यात्म विज्ञान साला उपकेंद्र श्रीधाम नगर खजरी खिरिया में विगत चार वर्षों से निरंतर अध्यात्म विज्ञान सत्संग सम्मेलन आयोजित किया जाता आ रहा है इसी क्रम में इस वर्ष भी उपकेंद्र खजरी खिरिया में रामदास पटेल परिवार के व्यवस्थापन में सत्संग का आयोजन प्रारंभ हुआ जिसमें श्रीमद् भागवत कथा के साथ रामचरित मानस उपदेश होगा ओंकारेश्वर से पधारे उमाशंकर चैतन्य संचालक केंद्रीय अध्यात्म विज्ञान शाला की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न होगा। आज कार्यक्रम की शुरुआत शोभा यात्रा के साथ की गई।

मप्र शासन की विद्युत कंपनियां दे रही है बेरोजगारी को बढ़ावा

जबलपुर। मध्य प्रदेश शासन की मंशा के विपरीत प्रदेश के तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओ को रोजगार देने की जगह विद्युत कंपनियों में (मुख्यतः मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड) के प्रबंधन द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारियों को विभिन्न माध्यम से पुनः सेवा मे लिया जाने हेतु विज्ञप्ति जारी की गई है। विद्युत प्रबंधन के हठधर्मी रवैये से विद्युत कर्मियों मे भारी रोष व्याप्त है। मध्य प्रदेश विद्युत मण्डल अभियंता संघ के महासचिव विकास शुक्ला द्वारा बताया गया कि कंपनियों के शीर्ष प्रबंधन द्वारा विशेषज्ञों के नाम पर बैक डोर से अपने चहेते सेवानिवृत्त अधिकारियों को आउटसोर्स के माध्यम से भर्ती किया जा रहा है। जिसका अभियंता संघ पुरजोर विरोध करता है। ज्ञात हो कि प्रदेश की विजली का मूल्य प्रति यूनिट का निर्धारण एम.पी.ई.आर.सी. द्वारा किया जाता है, ऐसे मे उत्पादन कंपनी प्रबंधन के अव्यावहारिक निर्णय से (बहुतायत में सेवानिवृत्त अधिकारियों कि भारती से) प्रदेश के विजली मूल्य पर भी अतिरिक्त बोझ बढेगा, जो कि कहीं से कहीं तक प्रदेश के विद्युत कंपनियों, विजली उपभोक्ताओ और बिजली कर्मियों के हित मे नहीं है। साथ ही वे पूर्व में अपने अधिनस्त रहे अधिकारियों को आए दिन आदेशित करेंगे और वे उन्हें स्वीकारने हेतु ना चाहते हुए भी बाध्य होंगे।

यश नर्सरी स्कूल के वार्षिकोत्सव में बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

जबलपुर। यश नर्सरी हायर सेकेंडरी ग्रुप आफ स्कूल अधारताल एवं गोहलपुर जबलपुर का वार्षिक सांस्कृतिक समारोह,क्लाइमेट चेंज और भारतीय संस्कृति की थीम पर आयोजित किया गया, जिसमे छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न राज्यों की वेशभूषा में नए तरीके से कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में इब्राहिम नंद, संभागीय अधिकारी माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल, श्री साकेत पांडे डी आई, 6 बटालियन एस ए एफ जबलपुर, सूर्यकांत शर्मा, एडिशनल एस पी जबलपुर, डॉ दीपक राठी एग्रो इकोनॉमिक रिसर्च सेंटर जे एन के वि वि मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ उपस्थित रहें, सभी ने कार्यक्रम की मुक्त कंठ से सराहना की, मुख्य अतिथि साकेत पाण्डेय ने बच्चों को आइ ए एस , आई पी एस बनने के टिप्स दिए ,श्री सूर्यकांत शर्मा जी ने बताया कि बच्चों ने मंच के माध्यम से बैठे बैठे पूरे भारत के दर्शन की संस्कृति छटा को बखूबी दिखाया जो कबीले तारीफ है। कार्यकम में विभिन्न राज्यों की संस्कृति के दर्शन नृत्य जैसे पोनम , सैला, बधाई, मि कोली, छत्तीसगढ़ी , मालवा मटकी, बीहू, हरियाणवी, भंगडा, राजस्थानी, कठपुतली लोक नृत्य , दक्षिण भारतीय लोक नृत्यों के माध्यम से अपनी छटाएं बिखेरी।

20 साल बाद भी नहीं मिल सकी बरझा रोड की सौगात

राजनीति का शिकार हुआ भूमि पूजन

सिहोरा। सबका साथ सबका विकास का दभं भरने वाले सत्ताधारी दल हो या मृत समान विपक्ष दोनों ही दलो ने विकास के नाम पर भूमि पूजन के पत्थर गड़ा कर बाह-बाही तो खूब लूटी लेकिन नगर वासियों को पिछले 20 साल से सिर्फ विकास के सपने दिखाए जा रहे हैं । नगर की धरा पर गढे. ऐसे अनेक पत्थर सत्ता एवं विपक्ष के कर्णधारों की ओर अपलक निगाहों से निहार रहे है। डवल एंव ट्रिपल इंजन की शक्ति शाली सरकार के नुमाइंदे भी सिहोरा नगर एंव उपनगर खितौला को जोड़ने वाली बरझा लिंक रोड का विकाश कराने में असमर्थ नजर आये।

यातायात के दबाव से मिलेगी मुक्ति

विदित हो सिहोरा एवं उपनगर खितौला को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग मंझगवा रोड पर यातायात का अत्यधिक दबाव बना रहता है। उक्त मार्ग रेलवे स्टेशन मार्ग होने के कारण की तिपहियो की धमा चौकड़ी के अलावा मझगवां तरफ से आने वाले खनिज परिवहन कर रहे भारी वाहनों के कारण आए दिन दुर्घटना घटित होती रहती है सिहोरा एवं उपनगर को जोड़ने के लिए वैकल्पिक मार्ग बरझा लिंक रोड के निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है उक्त मार्ग के निर्माण हो जाने से महाविद्यालय सहित उपनगर शिक्षा ग्रहण करने जाने वाले छात्रों को यातायात के दबाव से राहत मिलने के साथ-साथ तीन से पांच किलोमीटर लम्बे के स्थान पर मात्र एक किलोमीटर का मार्ग उपलब्ध हो जाएगा।

नपा की भूमि है पर दृढ़ इच्छा शक्ति की कमी

परसों पूर्व नगर पालिका ने पेयजल वितरण पाइपलाइन बिछाने हेतु भूमिका अधिग्रहण किया था स्वयं की भूमि होने के बावजूद भी नगर पालिका लगभग आधा किलोमीटर का मार्ग बनाने में दिलचस्पी नहीं ले रही जबकि कीटोला एवं सिहोरा दोनों तरफ से लगभग आधा-आधा किलोमीटर का मार्ग आकर ले चुका है। स्थानी लोगों ने मांग की है कि ज्वालामुखी से आगे पालीवाल कॉलोनी सहित अनेक कॉलोनी विकसित हो रही है यदि बरजा लिंक रोड का निर्माण कर दिया जाए तो स्थानीय लोगों को भारी यातायात वाले मार्ग का विकल्प उपलब्ध हो जाएगा।

गायत्री महायज्ञ की मंगल कलश यात्रा आज

सिहोरा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की तत्वाधान में, गायत्री शक्तिपीठ मार्गदर्शन में 6 जनवरी तक आयोजित होने वाले महायज्ञ की यज्ञ की दिव्य मंगल कलश यात्रा आज 12 बजे से गायत्री मंदिर - गढ़िया मोहल्ला से शुरू होकर झंडा बाजार,काल भैरव चौक,महावीर, चौक,मैना कुआं,बड़गैंया एसटीडी,पुराना बस स्टैंड गौरी तिराहा, आजाद चौक,झंडा बाजार,कटरा मोहल्ला,गढ़ियापुरा से होकर निकलेगी इसमें 251 माताएं ,बहनें, कन्याएं शामिल होंगी।

श्री राम रेखा ठाकुर- सैनिक सोसायटी शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री राम रेखा ठाकुर (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विलास ताम्हणे- रतन नगर मदनमहल वार्ड निवासी श्री विलास ताम्हणे (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री सुदामा प्रसाद अग्रवाल- सुखसागर वैली ग्वारीघाट निवासी श्री सुदामा प्रसाद अग्रवाल का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कल्लू राजपूत- छुई मोहल्ला बेलबाग निवासी श्री कल्लू राजपूत (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी विष्णु दामले- शक्ति नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री विष्णु दामले की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी विष्णु दामले (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम कृष्ण शर्मा- द्वारका नगर चुंगी चौकी लालमाटी निवसी श्री राम कृष्ण शर्मा (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री योगेंद्र प्रसाद पटेल- विजयनगर छापर रामपुर निवासी श्री योगेंद्र प्रसाद पटेल (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सोहन लाल खंडेलवाल- दक्षिण मिलौनीगंज निवासी श्री सोहन लाल खंडेलवाल (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुदीप दीक्षित- एमपीईबी कॉलोनी रामपुर निवासी श्री सुदीप दीक्षित (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रकाश अग्रवाल- अहिंसा चौक विजय नगर निवासी श्री मुरारी लाल अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती प्रकाश अग्रवाल (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सरोज साहू- बिलहरी निवासी श्री एसके साहू की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज साहू (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मथुरा प्रसाद बर्मन- दुर्गा नगर फेस 1 तिलहरी निवासी श्री मथुरा प्रसाद बर्मन (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री देवकी नंदन दीक्षित- सदर मल्होत्रा कम्पाउंड निवासी श्री देवकी नंदन दीक्षित (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री साधु चरण मेहतो- शिवपुरी टेमरभीटा निवासी श्री साधु चरण मेहतो (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री संतोष कोरी- बस्ती नं. 2 अमखेरा गोहलपुर निवासी श्री संतोष कोरी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती दया बाई वाल्मीकि- भानतलैया निवासी श्री मदन लाल वाल्मीकि की धर्मपत्नी श्रीमती दया बाई वाल्मीकि (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती रत्ना पटेल- बल्देवबाग चेरीताल निवासी श्री चरण पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती रत्ना पटेल (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

स्वच्छता की दिलाई शपथ

जबलपुर। नगर पालिक निगम जबलपुर की आई. ई. सी. टीम एवं वार्ड मै विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान कार्यक्रम में विधायक श्री अशोक रोहाणी जी नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज नगर निगम उप आयुक्त अधिकारी मनोज श्रीवास्तव जी डि ओ चेतना चौधरी सी एस आई पोला राओ ओम साई विजन से अनीता पवार दीपक दुबे कादिर खान एवं अन्य गणमान्य नागरिको की उपस्थिति में स्वच्छता की शपथ दिलाई गई एवम यहां उपस्थित सभी आम नागरिकों को समझाइश दी गई अपने आस पास ज्यादा से ज्यादा साफ सफाई का ध्यान रखें और लोगों को स्वच्छता के बारे में प्रेरित किया गया।

नासा के कैमरे ने रिकॉर्ड किया अद्भुत नजारा

अंतरिक्ष से सूरज की सबसे लंबी परछाई

एजेंसी ▶▶| न्यूयार्क

जहां प्रकाश है, वहां परछाईं। ये कहावत तो आपने जरूर सुनी होगी, क्योंकि प्रकाश के बिना परछाईं हो ही नहीं सकती। धरती पर दिन के वक्त जब सूरज का प्रकाश चारों ओर फैलता है तो हमें परछाईं नजर आती है। चाहे वस्तु की हो, या फिर किसी भी इंसान की। सुबह के वक्त परछाईं लंबी होती है, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ता जाता है, परछाईं छोटी होती जाती है। एक वक्त तो ऐसा भी आता है कि यह काफी छोटी रह जाती है। बीते 21 जून को तो एक ऐसा भी समय आया, जब परछाईं ने भी साथ छोड़ दिया था। ये तो हुई धरती की बात, लेकिन क्या आपने कभी अंतरिक्ष में परछाईं देखी है? अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के कैमरे ने इस अद्भुत नजारे को रिकॉर्ड किया है।

यह सूर्य की सबसे लंबी परछाईं है। नासा की रिपोर्ट के मुताबिक, जब अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन मनीला के उत्तर-पूर्व में फिलीपींस के तट से दूर परिक्रमा कर रहा था, तब सूर्योदय ने बादलों से भरे फिलीपीन सागर पर लंबी छाया डाली. ठीक उसी वक्त ये सबसे लंबी परछाईं बनी, जिसे कैमरे में रिकॉर्ड किया गया। इस वक्त सूर्योदय हो रहा था और धरती हिसाब से सुबह का समय था। अगर नापा जाए तो यह सैकड़ों किलोमीटर लंबी होगी। धरती पर किसी भी चीज की परछाईं इतनी लंबी नहीं होती। वीडियो शेयर करते ही वायरल हो गया। अब तक 57 हजार से ज्यादा बार इसे देख जा चुका है। लोग इसे देखकर हैरान हैं।

कब होती सबसे लंबी परछाईं

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक, आमतौर पर परछाईं सुबह और देर शाम को सबसे लंबी होती है, जब सूरज आसमान में नीचे दिखाई देता है। जैसे ही धरती अपनी धूरी पर घूमती है, सूर्य प्रत्येक स्थान पर एक कोण पर टकराता है। दोपहर के वक्त सूर्य सीधे सिर के ऊपर से गुजरता हुआ प्रतीत होता है। इसलिए परछाईं छोटी होती है। उस वक्त सूर्य की किरणें हम पर लंबवत पड़ती हैं, जिसकी वजह से परछाई छोटी बनती है। लेकिन आकाश में भी कुछ इसी तरह का नजारा होता है।

गूगल अपडेट में मिलेंगे ये फीचर

गूगल प्ले सर्विसेज ऐप के वर्जन 23.50.13 के नए अपडेट में इसकी जानकारी मिली है। इसमें **Quick Share** के नाम से ये फीचर दिया गया है। इस फीचर का लोगो भी काफी चेंज कर दिया गया है। इसका एक स्क्रीन शॉट भी सामने आया है। इससे साफ हुआ है कि इसके डैशबोर्ड इंटरफेस, सेंडिंग स्क्रीन और क्विक सेटिंग में काफी बदलाव हुआ है। **Samsung** भी अपने स्मार्टफोन में इस नाम का इस्तेमाल करता है। हालांकि अभी तक इसकी कोई जानकारी नहीं है कि इसमें क्या क्या बदलाव किए जाएंगे।

लेखक डॉ एके द्विवेदी की फुलवारी का विमोचन

विश्व में बढ़ रही सनातन की स्वीकार्यता, तेजी से लोकप्रिय हो रही हमारी संस्कृति

जबलपुर। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का उद्घोष करने वाली महान सनातनी संस्कृति संपूर्ण वसुधा के जन.जन को अपने परिवार का सदस्य समझती है। सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' सिद्धान्त इसका मूल.प्राण है। इसीलिए 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' सूत्र में अटूट विश्वास रखने वाली यह संस्कृति विश्व के अनेक देशों में तेजी से लोकप्रिय हो रही है और जन.जन में सनातन धर्म के प्रति आस्था और स्वीकार्यता बढ़ रही है।

ये बात शुक्रवार शाम 'वन नेशन वन अर्थ' 'कुलपति प्रो अरविंद कुमार शुक्ला' ने पुस्तक यात्रा.वृत्तांत 'सनातनी संस्कृति से सुरभित बाली की फुलवारी' का विमोचन करते हुए कही। केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय भारत सरकार में वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य तथा देश के सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ एके द्विवेदी द्वारा लिखित उक्त यात्रा वृत्तांत के बारे में प्रो शुक्ला ने कहा कि इससे न केवल विदेशों और खासतौर पर इस्लामिक देशों में फल.फूल रही सनातन संस्कृति के बारे में लोगों को पता चलेगा बल्कि उन्हें इस सच्चाई का भी एहसास होगा कि मात्र पूजा पद्धति बदल लेने से हमारे पुरखे और उनकी साझा विरासत नहीं बदली जा सकती है। पुस्तक के लेखक डॉ एके द्विवेदी ने कहा कि हिंदी भाषा में सनातन धर्म के सिद्धान्तों से सुरभित बाली इंडोनेशिया पर बहुत ज्यादा साहित्य नहीं मिलता है। इसीलिए मैंने अपने और परिवार के सदस्यों पत्नी सरोज और पुत्र अथर्व के अनुभवों को पुस्तक के रूप में प्रस्तुत कर उनका दस्तावेजीकरण करने का प्रयास किया।

एनएसई ने जबलपुर में शुरू किया कॉमन इन्वेस्टर्स सर्विस सेंटर

मंबई। निवेशक सेवाएं, जागरूकता और सुरक्षा स्टॉक एक्सचेंजों के प्रमुख कार्य हैं। एनएसई द्वारा प्रबंधित ये निवेशक सेवा केंद्र 29 दिसंबर को नॉर्थ सिविल लाइंस, नेपियर टाउन, स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड क्रमांक 33 में चालू किया गया। निवेशकों तक पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से, एक्सचेंज ने नए निवेशक सेवा केंद्र स्थापित किए हैं। केंद्र क्वेरी समाधान, शिकायत समाधान और सेबी स्कोर पोर्टल और स्मार्ट ओडीआर पोर्टल में शिकायत दर्ज करने में आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। एनएसई के एमडी और सीईओ आशीषकुमार चौहान ने कहाः निवेशक सेवा केंद्र प्रतिभूति बाजार में सूचीबद्ध कॉर्पोरेट संस्थाओं और अन्य पंजीकृत मध्यस्थों के खिलाफ निवेशकों की शिकायतों के समाधान की सुविधा प्रदान करेगा और राज्यों में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की सुविधा भी प्रदान करेगा।

गूगल का नियरबाई अब कहलाएगा क्विक शेयर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कंपनी ने नाम बदलने का किया है फैसला

गूगल अपने फीचर्स में समय के साथ बदलाव करता रहता है। अब एक बार फिर कंपनी अपने फीचर में बड़ा बदलाव करने जा रही है। अब कंपनी अपने एक और फीचर में बड़ा बदलाव करने जा रही है। यहां तक कि ये फीचर खत्म हो जाएगा। इससे पहले भी टेक जायंट ऐसे बदलाव कर चुका है। दरअसल अब खबर नियरबाई को लेकर आई है। अब कंपनी ने फैसला किया है कि वह इसका नाम बदलेगी। गूगल इस फीचर का नाम बदलकर 'क्विक शेयर' कर देगी। कंपनी का मानना है कि इसकी मदद से यूजर्स को फीचर के बारे में जानने में काफी आसानी होगी। साथ ही ये पॉपुलर भी नहीं हुआ है तो ये काफी आसान भी हो जाएगा। स्मार्टफोन अपडेट करने के बाद नए नाम के साथ ये फीचर नजर आएगा। दरअसल ये फीचर फोटो और वीडियो शेयर करने के लिए जाना जाता है। इसकी मदद से आप किसी डॉक्यूमेंट को भी शेयर कर सकते हैं। लेकिन अब इसमें काफी बदलाव किए जा रहे हैं जो दूसरी बार हो रहे हैं। इससे पहले भी गूगल अपने इस शेयरिंग फीचर के नाम में बदलाव कर चुका है। गूगल को उम्मीद थी कि ये फीचर Airdrop और Shareit जितना पॉपुलर हो जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया।

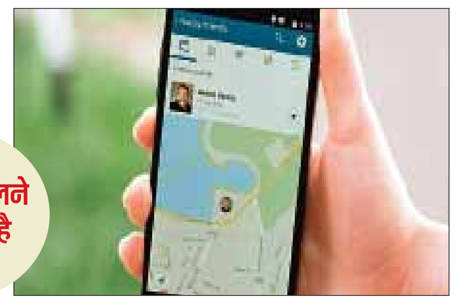

लगा नहीं था कि विश्व कप खेल सकूंगा

नई दिल्ली। सर्जरी के बाद एक समय तीन चार सप्ताह वह अपने पैरों पर भी खड़े नहीं हो पा रहे थे। ऐसे समय में भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल के लिए इस साल वनडे विश्व कप खेलने के बारे में सोचना भी मुश्किल था। उन्होंने टूर्नामेंट में 452 रन बनाकर शानदार वापसी की बल्कि कई मैचों में मेजबान के लिए संकटमोचक भी साबित हुए। राहुल ने स्टार स्पोटर्स की 'बिलीव' सीरिज में कहा, 'वापसी कर दबाव तो था लेकिन मैं उस समय जीवन के सबसे खराब दौर से गुजर रहा था मानो कुछ और मायने नहीं रखता था।'

फ्लैट की कीमत 3.84 करोड़

88 साल के बुजुर्ग ने फल वाले के नाम की सारी प्रॉपर्टी

शंघाई। एक 88 साल के बुजुर्ग शख्स ने अपनी सारी प्रॉपर्टी फल बेचने वाले एक शख्स के नाम कर दी। उसके फ्लैट की कीमत ही 3.84 करोड़ रुपये से अधिक है। बुजुर्ग के इस फैसले से उसके रिश्तेदारों को झटका लगा. मगर जब इसके पीछे की वजह सामने आई, तो लोगों ने बुजुर्ग शख्स को ही सही ठहराया। ये मामला चीन के शंघाई का है। यहां मा नामक शख्स ने तीन साल पहले ये फैसला लिया कि वो अपनी सारी प्रॉपर्टी फल बेचने वाले के नाम कर देंगे। जिससे उनका खून का रिश्ता भी नहीं है। उन्होंने ये सब अपनी वसीयत में लिखवा दिया। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, फल विक्रेता का नाम लियु है। उसके नाम मा ने ये प्रॉपर्टी इसलिए की क्योंकि उसने मौत से पहले के आखिरी सालों में बुजुर्ग की काफी देखभाल की थी। कुछ साल पहले लियु अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ मा के घर रहने आ गए. पूरे परिवार ने इस दौरान उनका ख्याल रखा। फिर 31 दिसंबर, 2021 में बुजुर्ग शख्स मा की मौत हो गई। तब उनकी तीनों बहनों ने बैंक अकाउंट सर्टिफिकेट लियु को देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि अपने भाई की प्रॉपर्टी में उनका अधिकार है। काफी परेशान होने के बाद लियु ने कोर्ट का रुख किया। मा की तीनों बहनों ने कहा कि ये बात गलत है कि उनके बुजुर्ग भाई ने अपनी मौत से पहले 2020 में लियु के साथ एक अग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए थे. जिसमें लिखा था कि जीते जी लियु ही उनकी देखभाल करेगा और मौत के बाद उनकी सारी प्रॉपर्टी भी उसे ही मिल जाएगी। इन्होंने दावा किया कि मा की मानसिक हालत ठीक नहीं थी। उन्हें भूलने की बीमारी हो गई थी। ऐसे वक्त में उनसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाए गए. हालांकि नोटरी अधिकारियों ने रिश्तेदारों के इस दावे को नकार दिया। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग शख्स की मानसिक हालत एकदम ठीक थी। इसी महीने बाओशान डिस्ट्रिक्ट पीपल्स कोर्ट ने मामले में फैसला सुनाया। न्यायाधीशों ने कहा कि अग्रीमेंट वैध है और आदेश दिया कि मा का घर, पैसा सबकुछ लियु को दे दिया जाए. रिपोर्ट्स के अनुसार, लियु मा के घर के पास ही फल बेचते हैं. एक दिन दोनों की बातचीत हुई। तभी से ये एक दूसरे के काफी करीब आ गए। मा के इकलौते बेटे की मानसिक बीमारी के चलते मौत हो गई थी। ऐसे में सबकुछ लियु ने संभाल लिया। मा के रिश्तेदारों में से कोई भी उनके बेटे के अंतिम संस्कार तक में नहीं आया। जब वो बीमार होने पर अस्पताल में भर्ती हुए तब भी कोई मिलने नहीं आया। तब भी लियु ने ही देखभाल की. ऐसे में उन्होंने अपना सबकुछ लियु को दे दिया। सोशल मीडिया पर लोग उनके इस फैसले की काफी तारीफ कर रहे हैं।

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए- कान्यकुब्ज ब्राह्मण जन्म 1993 ग्वा. सुंदर आदि नाड़ी 29/6'1" एच.एम. (LPU) पी.जी.डी.एम. फ्रंट ऑफिस मैनेजर एम.एन.सी दिल्ली 8 लाख (पिता क्लास वन शास. म.प्र.) कार्यरत हेतु सुंदर सुशील समकक्ष कार्यरत वधू चाहिए (सभी ब्राह्मण मान्य) मोबाइलः- 9424767409 (2361)

वधु चाहिए

वधु चाहिए

जैन दिगंबर वधु चाहिए जैन उम्र 28 वर्ष कद 5 फीट 2 इंच 12वीं पास युवक हेतु सजातीय वधु चाहिए

संपर्क करें

8839484995

9926110737

आवश्यकता

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ की सिक्योरिटी कंपनी को रायपुर, दुर्ग, हेतु सुरक्षागार्ड 40 M/F सुपरवाइजर 10 पद वेतन 10,000/- से 15000/- फ्री आवास कैंटीन सुविधा संपर्क यश सिक्योरिटी सर्विसेस कुशालपुर चौक रायपुर छत्तीसगढ़ 8982225333, 8839618641, 8815170599, 9770196262 (रायपुर/31/दिस.23)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

इंडिया ओपन : घरेलू बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए मुश्किल ड्रा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एच एस प्रणय और लक्ष्य सेन सहित भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों को अगले महीने होने वाले इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में मुश्किल ड्रा मिला है जिसमें वे घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहेंगे।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ अंतिम पड़ाव में है और भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी 16 से 21 जनवरी तक इंदिरा गांधी स्टेडियम में होने वाले योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन से महत्वपूर्ण अंक जुटाने की कोशिश करेंगे। एशियाड स्वर्ण पदक विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी तथा कांस्य पदक विजेता प्रणय विश्व रैंकिंग में अपना स्थान मजबूत करने की कोशिश करेंगे जबकि किदाम्बी श्रीकांत, सेन और प्रियांशु राजावत ओलंपिक में दूसरे भारतीय स्थान के लिए प्रयास करेंगे। ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियमों के अनुसार दो भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी ओलंपिक में भाग ले सकते हैं, अगर दोनों ही 30 अप्रैल तक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया के अंत में शीर्ष 16 रैंकिंग में शामिल रहेंगे।

शब्द पहेली - 5380

बाएँ से दाए-

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.दौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -5379 का हल

■	स	ला	म	त	■	म	हा	व	र	■
का	म	■	ही	र	■	म	सि	■	थ	ल
फी	■	शा	न	■	बं	■	ल	ब	■	क्ष्य
■	■	य	■	म	हा	न	■	र	■	■
■	फ	र	मा	न	■	र	स	खा	न	■
का	की	■	ल	■	■	■	न	■	र	ति
■	र	नि	वा	स	■	ह	म	द	म	■
■	■	य	■	र	ज	क	■	स्त	■	■
जा	■	म	जा	■	हां	■	श	क	■	का
न	शा	■	य	म	■	पा	प	■	सा	या
■	म	हा	का	ल	■	ल	थ	प	थ	■

सूडोकु नवताल - 5390

★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल - 5389 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

अपने जीवन को नया रूप, नया अर्थ हम ही दे सकते हैं। इसके लिए हमें अपने स्वास्थ्य, आर्थिक, मानसिक, आत्मिक, संबंध और तकनीक प्रबंधन की कला सीखनी होगी। इस कला के सूत्रों को अपनाकर हमारा जीवन निश्चित ही तनावमुक्त, उत्साह और ऊर्जा से भरपूर बन जाएगा। इसका शुभारंभ हम कल से शुरू हो रहे नववर्ष से ही कर सकते हैं।

नए वर्ष में दें जीवन को नया अर्थ

आवरण कथा / कुमार राधारमण

यह जीवन सुख-दुख और हर्ष-विषाद की एक अनवरत यात्रा है। हमारी कामनाएं इस यात्रा को गति देती हैं और परेशानी का कारण भी बनती हैं। इस वर्ष आपने ना जाने कितनी योजनाएं बनाई होंगी। कुछ पूरे हुए होंगे और कुछ शेष होंगे। कल की बेहतरी की उम्मीद जिजीविषा को बनाए रखती है और जीवन को नए मायने देती है। वस्तुतः नएपन का बोध व्यक्ति को ऊर्जा से भर देता है और यही ऊर्जा मनुष्य के विकास का आधार है। कल से आरंभ हो रहे नववर्ष में हम स्व प्रबंधन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

आर्थिक प्रबंधन

यह आर्थिक युग है। जीने के लिए धन की अनिवार्यता है और आर्थिक आत्मनिर्भरता हर व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आप अपने परिवार से इतर लोगों के लिए भी सहारा बनते हैं और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भी योगदान देते हैं। व्यवसाय कई पीढ़ियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना सकता है। व्यवसाय के लिए पूंजी चाहिए और लंबे समय तक छोटी बचत से भी बड़ी पूंजी खड़ी हो सकती है। बाजार के प्रभाव में आकर अनावश्यक खर्चे से बचें और आर्थिक रूप से जागरूक बनें। जिस निवेश में जोखिम हो, उसमें लाभ की संभावना भी छिपी होती है। नया वर्ष ऐसी किसी योजना को कार्यरूप देने का अवसर है। जमीन या मकान में ऐसा निवेश ना करें, जो कई वर्षों तक आपकी परेशानी का सबब बना रहे। वास्तविक जरूरत का सम्यक आकलन ऐसी परेशानी से बचा सकता है।

स्वास्थ्य प्रबंधन

जो स्वस्थ है, वही जीवन का आनंद ले सकता है। किसी रोग से ग्रस्त होने से पहले भी शरीर कई तरह के संकेत देता है, लेकिन सामान्यतः हम उन्हें पकड़ नही पाते क्योंकि हम इसके प्रति इतने जागरूक नहीं होते। ऐसे में, बेहतर यही है कि प्रतिवर्ष बुनियादी मानदंडों पर अपने स्वास्थ्य को परखने के लिए अपनी जांच कराएं ताकि यदि कोई रोग भीतर पनप भी रहा हो, तो शुरुआती दौर में ही उसका पता चल जाए और आप आगे का जीवन सक्रियतापूर्वक बिता सकें। क्या बीत रहे वर्ष में आपने ऐसी कोई जांच कराई है? यदि हां, तो क्या आपकी दिनचर्या डॉक्टर के कहे मुताबिक ही चल रही है या आप अब भी तमाम लक्षणों का विश्लेषण अपने कयास के आधार पर कर रहे हैं? चिकित्सा विज्ञान ने जो प्रगति की है, उसका लाभ उठाना आपका अधिकार है, यह लाभ लेने में ही ना सिर्फ आपकी बल्कि आपके परिवार की भी सुरक्षा और भलाई है।

संबंध प्रबंधन

यह दुनिया संबंधों की है। बहुधा देखा जाता है कि पद, कद, रुतबा बदलते ही हमारे व्यवहार में परिवर्तन आने लगता है। अपनी खुशहाली में हम जिनसे सम्मान और मान्यता की अपेक्षा रखते हैं, व्यवहार जगत में हम उन्हीं रक्तसंबंधियों से दूर होने लगते हैं। हममें से अधिकतर लोग अपने ही सगों से धोखा खाए, सताए हुए हैं। ऐसे में, कई बार पराए, अल्पपरिचित लोग अधिक प्रिय लगने लग जाते हैं। फिर भी, संबंध छूट नहीं जाते। मैं सही-तू गलत के चक्कर में यदि संबंधों की न्यूनतम मर्यादा के पालन से भी आप चूके हों, तो आने वाला वर्ष इसे सुधारने का अवसर है। नए संबंध भी बनाएं और रक्तसंबंधियों से भी जुड़े रहें। इससे आगे चलकर पहचान का संकट पैदा नहीं होगा।

तकनीक प्रबंधन

सबसे कीमती है समय। सही समय पर लिया गया सही निर्णय एक लंबी छलांग दे सकता है। लेकिन हममें से बहुतों की दुनिया अब गैजेट्स तक सीमित रह गई है। वास्तव में, इन दिनों लोग सोशल मीडिया पर बहुत अधिक समय दे रहे हैं। परिवार छोटे हो रहे हैं और परिवार का हर सदस्य अपने मोबाइल में व्यस्त है। गौर कीजिए कि इस बीत रहे वर्ष में आपने प्रतिदिन सोशल मीडिया पर बिताए औसत समय की तुलना में क्या कुछ हासिल किया? सोशल मीडिया आपके लिए अपनी रचनात्मकता की अभिव्यक्ति या धनार्जन का विषय है या आप बस टाइमपास कर रहे हैं? गैजेट्स पर अपनी व्यस्तता की समीक्षा कीजिए और अधिक सार्थक काम को समय दीजिए। जीवन की जरूरतें बहुत अधिक नहीं हैं और ना ही महत्वाकांक्षा का कोई अंत है। इसलिए किसी भी तकनीक को उतना ही समय दें, जितने के बाद भी आप परिवार को पर्याप्त समय दे पा रहे हों।

मानसिक प्रबंधन

संभव है, बीत रहा वर्ष आपके लिए किसी विषय या क्षेत्र में कड़वा अनुभव देने वाला रहा हो। यह अनुभव नए वर्ष में आपके काम आ सकता है, क्योंकि बकौल हरिवंश राय बच्चन-जो बीत गई, सो बात गई। किसी दुर्घटना के डर से हम सड़क पर निकलना तो नहीं छोड़ देते। जीवन में आगे बढ़ना ही होता है। अपनी जिजीविषा के बूते मनुष्य ने अनंत चुनौतियां पार की हैं। प्रकृति प्रतिपल नूतन है और जीवन का हर क्षण एक अप्रतिम अवसर है। महाप्राण निराला का महामंत्र है-'नवगति नवलय ताल-छंद नव, नवल कंठ नव जलद मंत्र रव।' जब तक आपमें प्राणऊर्जा है, आप अपनी परिस्थितियों को बेहतर बनाने के लिए प्रयास कर सकते हैं। अनंत अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। आइए, अपने जीवन को नया रूप, नया अर्थ देने के शुभ संकल्प के साथ नव वर्ष में प्रवेश करें। *

आत्म प्रबंधन

मनुष्य केवल भूख, नींद और पैसा कमाने के लिए नहीं है। उसके पास एक विकसित मन और चेतना भी है। जीवन की इस आपा-धापी में, हमारे पास अपने लिए समय ना के बराबर रह गया है। आज ऐसा एकांत दुर्लभ होता जा रहा है, जिसमें हम कुछ समय सिर्फ अपने आपको दे सकें। स्वाध्याय, चिंतन-मनन, शांत करने वाले संगीत और ध्यान से हममें से अधिकतर लोग विमुख हैं। जीवन में जो कुछ भी आध्यात्मिक रूप से मूल्यवान है, तकनीक वो हमें नहीं दे रही है। सो निरंतर सक्रियता के साथ ठहरना भी जरूरी है। नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए आत्ममंथन भी हो कि क्या यह हमें बेहतर मनुष्य बना रही है? यह समय इस वर्ष की गलतियों से सबक लेकर नए वर्ष में नए संकल्प के साथ प्रवेश करने का है। क्या आपके खान-पान और जगत-व्यवहार में शुचिता है? क्या चेतना के तल पर आप ऊपर उठ पाए हैं? क्या आपके जीवन में आध्यात्मिकता है? इन प्रश्नों के जवाब अगर ना में हैं तो यही सही समय है कि आत्मचेतना के लिए भी सक्रिय हों।

लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा

आभासी चक्रव्यूह

नववर्ष के संकल्पों की सूची बनाते हुए उसने तकनीकी दुनिया से मिली सहूलियतों पर भी विचार किया। नए साल में अपनी दुनिया नई कर लेने के वादों को वास्तविकता के धरातल पर उतारने के लिए बहुत से एप स्मार्ट फोन में डाउनलोड कर लिए। फोन की स्क्रीन पर पल-पल अवतरित हो वजन घटाने की युक्तियां बताने वाले एप से लेकर मन की सेहत सुधारने के तरीके सुझाने वाले एप तक। कोई एप दिन की शुरुआत में ही सितारों की चाल जान लेने के लिए चुना तो कोई जीवनशैली बदलने के गुर समझने के लिए। उसके उत्साहित युवा मन को ये एप्स झटपट कुछ कर जाने और उसका लेखा-जोखा रखने के माध्यम प्रतीत हुए।

साल का पहला सप्ताह स्क्रीन पर अवतरित होते सुझावों को समझते-गुनते ही बीत गया। स्क्रीन स्क्रॉल का वक्त घटने के बजाय और बढ़ गया। साथ ही कम हो गई लक्ष्य तक जाने, जो करने की ठानी है, उसे कर पाने की सक्रियता और प्रतिबद्धता। कोई संकल्प मुश्किल लगता तो मन उसका विकल्प भी किसी दूसरे एप में तलाशने की वर्चुअल दौड़-धूप शुरू कर देता। यह नहीं तो वह, वह नहीं तो यह। कुछ ना करते हुए सब कुछ कर जाने का आभासी चक्रव्यूह असल जीवन को घेरने लगा। गति पकड़ने के गुर बताने वाले माध्यमों से जीवन कुछ और ठिठक-सा गया।

बेटे के स्वयं से किए वादों का दावे भर बनकर रह जाना देख मां ने संयत स्वर में एक दिन कहा, 'सोचने या चाहने भर से कुछ नहीं होता बेटा, नियमित समय और ऊर्जा लगाना ही अपने लक्ष्य तक जाने का एकमात्र रास्ता है।' बेटे ने मां की ओर देखकर हामी भरी, 'हां मां, मैं समझ गया हूं। यह सब भ्रम-सा ही है। स्क्रीन के इस ओर बैठकर जानी-समझी गई बातों के मायने भी तभी हैं, जब वास्तविक दुनिया में हम स्वयं इन्हें लागू करने की ठानें।'

मां ने आशा भरी नजर से अपने बेटे को देखा और फिर बोलीं, 'अपने आपको या जिंदगी को बदलने की राह में असर तभी नजर आता है, जब सूचनाओं और जानकारियों को जुटाने के साथ-साथ मन-जीवन में भी सक्रियता लाई जाए। बदलाव का मार्ग किसी एप में नहीं स्वयं अपने आप में है बेटे।' बेटे ने बरसों से सधी-सजग और सक्रिय दिनचर्या का पालन कर रही मां की ओर मुस्कुराकर देखा और स्क्रीन स्क्रॉल कर रहे अंगूठे को विराम दिया। फोन एक तरफ रख मन ही मन कुछ ठानते हुए वह कागज-कलम ले गंभीरता से अपनी समय सारिणी बनाने लगा। *

गीत

अशोक 'अंजुम'

नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!

तोड़ गया, अंदर तक हमको तोड़ गया,
गया वर्ष जो उलझन अनगिन छोड़ गया,
तुम देना निष्कर्ष,
तुम्हारा स्वागत है!
स्वागत है,
नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!
जो सच्चाई की राहों के साधक हैं,
मानवता के जो सच्चे आराधक हैं,
वे पाएं उत्कर्ष,
तुम्हारा स्वागत है!
स्वागत है,
नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!
निर्बल का बल बनकर जो भी रहते हैं,
जिनके मन में करुणा के नद बहते हैं,
उनको देना हर्ष,
तुम्हारा स्वागत है!
स्वागत है,
नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!
सबके पथ पर सुंदर फूल खिलाना तुम,
भटकों को अब मंजिल तक पहुंचाना तुम,
सुफलित हों संघर्ष,
तुम्हारा स्वागत है!
स्वागत है,
नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!

आत्मप्रेरणा / बीके शिवानी, मोटिवेशनल स्पीकर

आध्यात्मिक संस्था ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से जुड़ीं राजयोग मेडिटेशन शिक्षिका एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मोटिवेशनल स्पीकर बीके शिवानी दुनिया भर के लाखों-करोड़ों लोगों के जीवन में सार्थक और सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रेरित करती रहती हैं। नववर्ष के अवसर पर शिवानी बता रही हैं बेहतर, शांतचित्त और खुशहाल जीवन जीने के सूत्र।

नए संकल्प लें दृढ़ता से करें उन्हें पूर्ण

आध्यात्मिक प्रेरक वक्ता बीके शिवानी किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। 2007 में प्रसारित टीवी शो- 'अवेकनिंग विद ब्रह्मा कुमारीज' के माध्यम से उन्होंने जनमानस को मानसिक तनाव, अवसाद आदि मानसिक विकारों से मुक्त होकर अपने आत्म-सम्मान को ऊंचा रखने एवं आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की प्रेरणा दी। 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित बीके शिवानी विश्व साइकिएट्रिक एसोसिएशन की गुडविल एम्बेसेडर होने के अलावा फॉग्सी (एफओजीएसआई) के अद्भुत मातृत्व कार्यक्रम से भी जुड़ी हैं। प्रस्तुत हैं उनके प्रेरक विचार, उन्हीं की जुबानी।

नव वर्ष के मायने

नए वर्ष का मतलब होता है, पुराने को विदाई और नए को बधाई देना। पुरानी, कड़वी बातों, घटनाओं को भूल कर आगे बढ़ना। लेकिन क्या हम ऐसा कर पाते हैं? जवाब है-नहीं। अधिकतर लोग वर्षों तक इन कटु बातों को याद रखते हैं। मन पर बोझ लिए चलते रहते हैं और दुखी रहते हैं। जरूरी यह है कि हम पुराने साल को विदा करते समय ऐसी तमाम यादों, कमजोरियों को बिसारते जाएं। हरेक के प्रति शुभभावना रखें। लोगों को दुआएं दें, तो स्वयं को भी दुआ देना ना भूलें। नए, शक्तिशाली संकल्प लें और इन्हें दृढ़ता के साथ पूर्ण करें।

स्व-परिवर्तन सिखाता है राजयोग ध्यान

राजयोग ध्यान द्वारा स्व-परिवर्तन की इस अद्भुत यात्रा को मुझे 25 वर्ष से अधिक हो गए हैं। गुजरते समय के साथ अपने भीतर छिपे अहंकार को आत्मिक स्वरूप के अभ्यास से परिवर्तित करने का प्रयास किया है। यह यात्रा अब भी जारी है, क्योंकि आंतरिक शक्ति का विकास एक निरंतर प्रक्रिया है। हमें किसी से कुछ मांगना नहीं, सिर्फ देना होता है। देने से आंतरिक शक्ति स्वयं ही बढ़ती जाती है। जो हम देते हैं, बदले में वही पाते हैं। यह सोच दुनिया की उस मान्यता से ठीक विपरीत है कि हम जो पाते हैं, वही सच है। इससे शांति, स्थिरता एवं स्वीकार्यता तीनों बढ़ती है। इच्छाएं खत्म होती जाती हैं और वर्तमान में रहने की आदत स्वाभाविक बन जाती है। हमारे ब्रह्मा कुमारीज में एक खूबसूरत कहावत है कि जब मैं बदलूंगी तो मेरी दुनिया भी बदलेगी। तमाम आध्यात्मिक सिद्धांत एवं पद्धति भी स्व में सुधार लाने पर ही जोर देते हैं। अर्थात् स्व का ध्यान रखें, स्व की जिम्मेदारी लें, स्व को सशक्त बनाएं, स्व को मान दें एवं स्व को प्रेम करें। ऐसा करने से हम आध्यात्मिक, भावनात्मक, मानसिक, शारीरिक एवं सामाजिक पांचों रूपों में शक्तिशाली बनते जाते हैं। इसलिए किसी व्यक्ति या बाह्य परिस्थिति के बदलने की प्रतीक्षा किए बिना स्वयं पर ध्यान दें।

ऐसे रखें खुद को शांत

अशांत वातावरण में खुद को शांत रखने से पहले हमें समझना होगा कि कोलाहल हमारे आस-पास नहीं, बल्कि हमारे अपने मन के अंदर होता है। अगर सुबह ही हम अपने मन की स्थिति को ठीक कर लेते हैं और पूरा दिन थोड़ा-थोड़ा उसका ध्यान रखते रहते हैं, तो कैसी भी परिस्थिति आने पर हम उसका स्थिर रहकर सामना कर पाते हैं। जैसे किसी फोन को सुबह चार्ज करने के बाद उसके सैकड़ों फीचर्स पूरे दिन कार्य करते रहते हैं। लेकिन बैट्री अगर चार्ज ना हो, तो फिर फोन रखने का कोई उद्देश्य नहीं रह जाता है। उसी प्रकार, हमारी आत्मा भी एक बैट्री की तरह ही है, जिसे हमें हर सुबह मेडिटेशन से चार्ज करना पड़ता है। इसके अलावा, जब हम कर्मयोगी के स्वरूप में स्थित होकर कोई कार्य करते हैं, तो उसकी दिशा सही होती है। कहने का तात्पर्य है कि हर कर्म करते हुए हमें अपने वाइब्रेशंस का ध्यान रखना होता है।

कैसे मिलती है सच्ची खुशी

सच्ची खुशी तब मिलती है, जब हमारा मन हर परिस्थिति में स्थिर रहता है। यानी बाह्य संसार में कुछ भी घटित क्यों ना हो रहा हो, कोई व्यक्ति कुछ भी क्यों ना बोल रहा हो, आलोचना ही क्यों ना कर रहा हो, मन हलचल में नहीं आता है। विचलित नहीं होता है और हम खुश रहते हैं। इसी प्रकार, जब मन में सही विचार उत्पन्न होते हैं, तो हमें खुशी मिलती है। असल में खुशी हमारे भीतर ही छिपी है। वह प्रत्येक मनुष्य आत्मा का मूल एवं आंतरिक गुण है। विडंबना यह है कि आज मानव बाहरी दुनिया में खुशी तलाश रहा है। उसकी खुशी दूसरों पर निर्भर हो गई है। मनोनुकूल परिस्थिति ना होने पर वह दुखी, निराश हो जाता है। ऐसे में हम अगर अपनी स्व स्थिति पर ध्यान दें, तो खुश रहने से कोई रोक नहीं सकता है।

बच्चों-युवाओं के लिए संदेश

आजकल बच्चे, किशोर और युवा कई तरह की मानसिक समस्याओं का सामना करते दिखते हैं। हमें समझना होगा कि उनकी मानसिक समस्याओं के कई कारण हैं। पहला, वे अपने घरों में बड़ों को गुस्सा, तनाव, बेचैनी, चिंता आदि में घिरा देखते हैं। वही वाइब्रेशन उन्हें खुद भी अनुभव होती हैं। इसके अतिरिक्त, बाहरी जगत का नकारात्मक वातावरण उनके मन-मस्तिष्क पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसके अलावा, अभिभावकों एवं अन्य लोगों द्वारा बच्चों के अंदर निरंतर यह विचार डाला जाता है कि जैसी परिस्थिति होगी, वैसे ही उनका मन होगा। परिणाम यह होता है कि बच्चों और युवाओं की भावनाएं बाह्य कारकों पर निर्भर करने लगती हैं। किसी को क्रोध आता है, तो वे भी गुस्सा करने लगते हैं। कोई निराश होता है, तो उन्हें भी वही महसूस होता है। इस प्रकार की भावनात्मक निर्भरता से उनका भावनात्मक स्वास्थ्य कमजोर हो जाता है। हालांकि, बच्चे या युवा अपनी दिनचर्या में सुधार लाकर इन तमाम समस्याओं से निजात पा सकते हैं। उनके बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि वे रात को समय से (दस बजे तक) सोएं। सोने से कम से कम एक घंटे पहले गैजेट्स से दूरी बना लें। इसके बदले सकारात्मक चीजें पढ़कर या सुनकर सोएं। तब नींद भी अच्छी आएगी और सुबह जल्दी उठ सकेंगे। इससे वे ऊर्जावान महसूस करेंगे। साथ में उनकी रचनात्मकता, स्पष्टता, निर्णय लेने की क्षमता सब बढ़ जाएगी। याद रखें कि आप जो पढ़ते, सुनते, देखते और बोलते हैं, उससे ही विचार उत्पन्न होते हैं। इसके अलावा, टीवी या मोबाइल फोन देखकर खाना बंद करें। खाने से पहले मेडिटेशन के जरिए भोजन में सकारात्मक ऊर्जा भरें। हो सके तो घर का बना भोजन करें, जिसमें प्यार के वाइब्रेशन होते हैं और जो शुद्धता से बनाए जाते हैं। इन उपायों से उन्हें अवश्य लाभ होगा। *

बातचीत : अंशु सिंह

नए वर्ष के दोहे

अखिलेश श्रीवास्तव चमन

अखबारों में सुर्खियां, नया दिवस औ रैन।
मन ना माने बात यह, पढ़ते थक गए नैन।।
आते व जाते रहे, नए साल हर साल।
यक्ष प्रश्न अब भी वही, कपड़ा, रोटी, दाल।।
नया कहूं तो किसलिए, तुझको ऐ नववर्ष।
वही पुरानी बेबसी, चिथड़ा-चिथड़ा हर्ष।।
आंख धंसीं, चेहरे बुझे, जन-गण हैं बदहाल।
भूख, गरीबी, व्याधियां, दे गया गुजरा साल।।
गए साल में लिखना था, एक नया इतिहास।
क्या लिक्खें यह सोचते, बीते बारह मास।।
कितने फागुन, चैत गए, कितने अगहन, माघ।
नए मुखौटों में मिले, वही पुराने घाघ।।
द्वेष, डाह औ नफरतें, महंगाई की मार।
नया साल गर हो सके, कर इनका उपचार।।
हे विधना नववर्ष में, हो ऐसा संयोग।
मिटे देश की देह से, दहशतगर्दी रोग।।

लघुकथा / ललित शौर्य

नया सूरज

रश्मि बड़े ध्यान से सूरज को देख रही थी। वह मन ही मन बुदबुदाई, 'सूरज तो कल जैसा ही है, तो फिर यह साल नया कैसे हो गया? मैं तो यह नहीं मानती कि कुछ भी नया है!'

तभी पीछे से आकर रश्मि की भाभी ने उसे चौंका दिया, 'सुबह-सुबह बहुत ध्यान से क्या देख रही हो रश्मि? क्या नया नजर आ रहा है आज?'

'नया ही तो कुछ नजर नहीं आ रहा है। कल से टीवी, अखबारों में सुन-पढ़ रही हूं, नए साल का नया सूरज! पर यहां नया और नयापन जैसा कुछ भी नजर नहीं आ रहा। खैर! आपको नया साल मुबारक हो भाभी!' रश्मि ने उलझे स्वर में जवाब दिया। 'नयापन तो महसूस करना पड़ता है रश्मि। अगर हम इसे महसूस कर लें तो सब कुछ नएपन से भर जाएगा। हमारे भीतर उमंग की तरंग दौड़ने लगेगी। सूरज का नयापन हमें पहले से ज्यादा गर्माहट देगा। संबंधों का नयापन पहले से ज्यादा गहरा लगेगा। हमें अपने भीतर एक नई ऊर्जा महसूस होगी।' भाभी ने रश्मि को समझाने की कोशिश की।

यह सुनते ही रश्मि के शरीर में एक अजीब-सी सिहरन दौड़ गई। अभी तक जो सूरज उसे तेजहीन लग रहा था, अचानक उसकी आंखों के सामने दमकने लगा था। उसने भाभी को गले लगा लिया, बोली, 'भाभी, मुझे इस नए सूरज और नएपन का आभास कराने के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद और नए साल की शुभकामनाएं।' *

क्रिकेट : दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 0-1 से पीछे है टीम इंडिया

नेट अभ्यास में रोहित का फोकस मुकेश पर, जडेजा ने की गेंदबाजी

एजेंसी ▸▸| सेंचुरियन

पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भारतीय टीम के लिए सुपरस्पोर्ट पार्क पर शनिवार को अभ्यास सत्र वैकल्पिक था लेकिन कप्तान रोहित शर्मा ने जमकर पसीना बहाया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में रोहित को आउट किया था। यहां दो घंटे तक हुए अभ्यास सत्र में रोहित ने बतौर कप्तान और बल्लेबाज भाग लिया। रोहित का फोकस तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की गेंदों का सामना करने पर था जिन्होंने 45 मिनट तक सिर्फ भारतीय कप्तान को गेंदबाजी की।

फिट होकर लौटे रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने भी नेट में अभ्यास किया। थ्रोडाउन विशेषज्ञ दयानंद गरानी ने भी रोहित को आफ स्टम्प पर गेंद डाली। अभ्यास के दौरान रोहित ने मुकेश से कहा, 'हवा में अंदर आ रहा है पर कोशिश कर एंगल से अंदर लाने का।' बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने जब उनसे पूछा, 'तू इस नेट पे आएगा' तो उन्होंने कहा, 'नहीं यही पर और दस मिनट बल्लेबाजी करुंगा।'

प्रसिद्ध नहीं हो रहे कृष्णा

रोहित ने मुकेश को अतिरिक्त समय दिया और कुछ टिप्स भी दिए। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले मुकेश पिछले तीन साल में दो बार रणजी ट्रॉफी फाइनल में पहुंची बंगाल टीम के इस प्रदर्शन के सूत्रधारों में रहे हैं। पहले टेस्ट में नाकाम रहे तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को फिर मौका मिलता है तो यह हैरानी की बात होगी। प्रसिद्ध ने नेट पर किसी बल्लेबाज को गेंदबाजी नहीं की और वह सही लैंग्थ तलाशने के लिए मेहनत करते रहे। गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने अकेले उन पर 75 मिनट दिए।

जडेजा पूरी तरह फिट

रविंद्र जडेजा ने काफी समय गेंदबाजी और बल्लेबाजी की और वह पूरी तरह फिट दिखे। उन्होंने अश्विन के साथ करीब 45 मिनट गेंदबाजी की। बल्लेबाजी के दौरान शार्दुल ठाकुर को बाएं कंधे में चोट लगी जब वह फील्डिंग कोच टी दिलीप के थ्रोडाउन का सामना कर रहे थे। अभ्यास के बाद वह आइस पैक लगाकर बैठे दिखे।

बल्लेबाजी करते शार्दुल के कंधे में लगी चोट

सेंचुरियन। भारतीय टीम को शनिवार को झटका लगा जब गेंदबाज आल राउंडर शार्दुल ठाकुर को नेट पर बल्लेबाजी करते हुए कंधे में चोट लग गई। ऐसी संभावना है कि वह तीन जनवरी से केपटाउन में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे लेकिन उनकी चोट की गंभीरता स्कैन से पता चल पाएगी, अगर इसकी जरूरत पड़ेगी। इस समय यह पुष्टि नहीं हो सकी कि उनकी चोट के लिए स्कैन की जरूरत है या नहीं। ठाकुर को काफी परेशानी हो रही थी और वह नेट सत्र के दौरान गेंदबाजी भी नहीं कर सके। ठाकुर थ्रोडाउन नेट में सबसे पहले पहुंचने वाले खिलाड़ी थे और जब वह बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ से थ्रोडाउन से गेंद का सामना कर रहे थे तो उनके बाएं कंधे में गेंद लग गई। यह नेट सत्र शुरू होने के 15 मिनट के बाद हुआ। ठाकुर शॉर्ट गेंद का बचाव नहीं कर सके जैसा वह पहले टेस्ट की दूसरी पारी के दौरान हुआ था। वह गेंद लगते ही दर्द से चिल्ला उठे। लेकिन मुंबई के इस आल राउंडर ने नेट पर बल्लेबाजी जारी रखी।

एएफसी एशियाई कप के लिए भारत ने की टीम की घोषणा

समद टीम में शामिल, चोटिल जैकसन और मार्टिन्स बाहर

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

मुख्य मिडफील्डरों की चोटों से जूझ रहे भारत ने शनिवार को एएफसी एशियाई कप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें सहल अब्दुल समद जगह बनाने में सफल रहे। लेकिन जैकसन सिंह और ग्लान मार्टिन्स को फिटनेस संबंधित मुद्दों के कारण बाहर रखा गया। शीर्ष मिडफील्डर जैकसन को नवंबर में कंधे में चोट लगी थी और उनका चुना जाना संदिग्ध था। मोहन बागान के मार्टिन्स भी हाल ही में चोटिल हो गए थे। हालांकि ये दोनों 50 संभावित खिलाड़ियों में शामिल थे। इस महीने के शुरू में चोटिल हुए समद हालांकि टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे जिसका नेतृत्व अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री करेंगे। भारतीय सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने टीम की घोषणा की। भारतीय टीम शनिवार को दोहा पहुंच गई और एशियाई कप में पांचवीं दफा हिस्सा लेगी। भारत अपना पहला ग्रुप बी मैच 13 जनवरी को अल रेयान के अहमद बिन अली स्टेडियम में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा और 18 जनवरी को इसी स्थान पर उज्बेकिस्तान से भिड़ेगा। फिर स्टिमक की टीम 23 जनवरी को अल खोर के अल बेयट स्टेडियम में सीरिया से भिड़ेगी।

भारतीय टीम

गोलकीपर : अमरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह संधू, विशाल कैथ। **डिफेंडर** : आकाश मिश्रा, लालचुंगनुंगा, मेहताब सिंह, निखिल पुजारी, प्रीतम कोटल, राहुल भेके, संदेश झिंगन, सुभाशीष बोस। **मिडफील्डर** : अनिरुद्ध थापा, ब्रैंडन फर्नांडिस, दीपक टांगरी, लालेंगमाविया राल्टे, लिस्टन कोलासो, नाओरेम महेश सिंह, सहल अब्दुल समद, सुरेश सिंह वांगजाम, उदांता सिंह। **फॉरवर्ड** : ईशान पंडिता, लालियानजुआला चांगटे, मनवीर सिंह, राहुल कन्नोली प्रवीण, सुनील छेत्री, विक्रम प्रताप सिंह।

एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

LIC HFL
LIC HOUSING FINANCE LTD

एरिया ऑफिस :–18 सिविल सेंटर खंडेलवाल कॉम्प्लेक्स,सामने प्रभु वंदना टॉकीज मार्शल,जबलपुर, म.प्र. 482001, फोन नंबर 761–2401338, www.lichousing.com

परिशिष्ट–IV नियम 8(1) आधिपत्य सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

अधोहस्ताक्षरकर्ता एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि. का अधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002की धारा 13(2) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित ऋणधारियों को ब्याज राशि सहित नोटिस प्राप्ति के दिनांक से 60 दिन की समयावधि में भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था। ऋणीग्रहिता राशि का भुगतान करने में असफल रहा है अत: ऋण ग्रहिता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम (8) के साथ पढ़ा जाये एतरिमन नीचे वर्णित संपत्ति का आधिपत्य को ग्रहण कर लिया गया है। ऋणगहिता को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यत: एतद् द्वारा निम्नवर्णित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिये निम्न खाते के सामने अंकित एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि. इंदौर, प्रभार के अधीन होगा।

क्रं.	ऋण खाता संख्या	खातेदार का नाम एवं पता	संपत्ति विवरण	मांग सूचना तिथि/ कब्जा सूचना	उल्लेखित राशि ₹ मांग सूचना पत्र
1	120500018010	प्रांत पाल सिंह और चित्रा सिंह ईडब्ल्यूएस प्लॉट नंबर 61 और 62 एमपी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी महाराजपुर जबलपुर मध्य प्रदेश	ईडब्ल्यूएस प्लॉट नंबर 61 एवं 62 एमपी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी महाराजपुर जबलपुर	19.09.2023 / 19.12.2023	6,88,243.34 + ब्याज व अन्य खर्चे
2	120500010085 120500010225	ऋषि कुमार अग्रवाल सुहागन भूषण भंडार नजूल लीज प्लॉट नंबर 84/1 89/3 105/3 106/1 107 ब्लॉक–52 गंजीपुरा जबलपुर मप्र	सुहागन आभूषण भंडार नजूल लीज प्लॉट नंबर 84/1 89/3 105/3 106/1 107 ब्लॉक–52 गंजीपुरा जबलपुर मप्र	25.09.2023 / 19.12.2023	4,28,77,789.00 + ब्याज व अन्य खर्चे
3	120500009959 120500003357	शशि खम्परिया, अनूप खम्परिया, फ्लैट नंबर केवी–408, कान्हा वर्टिकल गोपाल विहार, उपराईगंज, जबलपुर मप्र	फ्लैट नंबर केवी–408 कान्हा वर्टिकल गोपाल विहार उपराईगंज जबलपुर म.प्र.	21.11.2022 / 27.12.2023	31,97,311.04 + ब्याज व अन्य खर्चे
4	120500007696	संजय कुमार सोनेकर फ्लैट नंबर एम–604 छठवीं मंजिल कौशल्या मायहोम्स अपार्टमेंट ज्ञान गंगा कॉलेज स्कूल जबलपुर एमपी	फ्लैट नंबर–604 6वीं मंजिल कौशल्या माय होम्स अपार्टमेंट ज्ञान गंगा कॉलेज स्कूल जबलपुर एमपी	26.11.2019 / 27.12.2023	21,49,702.73/- + ब्याज व अन्य खर्चे
5	120500013537 / 120500013541	मोनिका नादान नितिन नादान प्लॉट नंबर 44 वसुंधरा विहार कॉलोनी मौजा घाना ख नंबर 247,274,275,276 जबलपुर एमपी	प्लॉट नं 44 वसुन्धरा विहार कॉलोनी मौजा घाना ख नं 247, 274, 275, 276 जबलपुर म.प्र.	18.09.2023 / 19.12.2023	12,30,807.61/- + ब्याज व अन्य खर्चे

ऋणी एवं जमानतदारों को सूचित (**Notice**) किया जाता है। कि इस नोटिस के छपने की तारीख के 30 दिनों के अंदर, वे उपरोक्त राशि एवं उस पर देय ब्याज एवं खर्चो का भुगतान कर देवें अन्यथा उक्त वर्णित संपत्ति की नीलामी कर दी जावेगी तथा उसके बाद ऋण एवं ब्याज की वसूली खर्चे सहित ऋणी एवं जमानतदार से की जावेगी।

दिनांक : 31.12.2023
स्थान : जबलपुर

आज्ञा से
प्राधिकृत अधिकारी
एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान होंगी सविता

बेंगलुरु। अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया 13 से 19 जनवरी तक रांची में होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर में भारत की 18 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की कप्तान होंगी जबकि वंदना कटारिया उपकप्तान रहेंगी। टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमें पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय महिला टीम की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'पेरिस ओलंपिक के हमारे सफर में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। हमें अपेक्षाओं पर खरे उतरकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है।' सविता ने हाल ही में एफआईएच वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार जीता जबकि वंदना 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बनी। भारत को पूल बी में न्यूजीलैंड, इटली और अमेरिका के साथ रखा गया है जबकि जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य ग्रुप ए में हैं।

वॉर्नर चयनकर्ता नहीं टेस्ट में ग्रीन से करा सकते हैं पारी का आगाज

मेलबर्न। डेविड वॉर्नर ने भले ही उनके बाद टेस्ट क्रिकेट में पारी की शुरुआत के लिए मार्कस हैरिस का नाम लिया हो लेकिन आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि वे अधिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं और कैमरन ग्रीन भी दौड़ में हैं। वॉर्नर पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी में तीन जनवरी से होने वाले तीसरे टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। टेस्ट क्रिकेट में पारी की शुरुआत के लिए वॉर्नर के बाद कई नामों पर विचार चल रहा है। हैरिस, ग्रीन, मैट रेनशॉ और कैमरन बेनक्रॉफ्ट के नाम दौड़ में हैं।

थिएम के मैच के दौरान आया सांप क्वालीफाइंग मैच में हारने से बचे

एजेंसी ▸▸| ब्रिसबेन

पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन डोमिनिक थिएम शनिवार को ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग मैच के दौरान आस्ट्रेलिया के सबसे जहरीले सांप के कोर्ट पर आने से खेल रूकने के बाद जीत दर्ज करने में सफल रहे। थिएम पहले दौर के क्वालीफाइंग मैच के दौरान 20 साल के आस्ट्रेलियाई जेम्स मैककाबे से एक सेट से पिछड़ रहे थे तभी दर्शकों ने कोर्ट के करीब एक सांप को देखा। सुरक्षाकर्मी तेजी से कोर्ट के पास पहुंचे और अंपायर को खेल रोकना पड़ा क्योंकि सांप कोर्ट पर रेंग रहा था जिससे खिलाड़ी और दर्शक भयभीत थे। यह सांप 50 सेंटीमीटर लंबा था और आस्ट्रेलिया के सबसे जहरीले सांप में से एक है।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा
संकेत एवं दूरसंचार विभाग

मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निर्धारित ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा सूचना क्रमांक:** जबल/एन/टेली./टेण्डर/2023/20, **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** जबलपुर मंडल के विभिन्न स्थानों पर 77 एटीवीएम मशीन एवं अन्य डाटाकॉम उपकरण का प्रावधान। **निविदा का अनुमानित मूल्य (रू. में) :** रू 3463176.89, **निविदा फार्म की कीमत:** रू. 00/–, **कार्यालय का पता:** मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर, **बयाना राशि रूपये:** रू 69300.00/, **समापन अवधि (माह) :** 06 माह, **निविदा बंद होने एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय:** दिनांक 29.01.2024 की 15.00 बजे तक बंद होगी एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट "https://ireps.gov.in" पर उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त वेबसाइट से ऑनलाईल ही आवेदन की जा सकती है।

मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वामी प्रज्ञानंद शिक्षा महाविद्यालय, कुल्हुआ, कटंगी-जबलपुर

बी.ए.बी.एड./बी.एड. हेतु एन.सी.टी.ई. के नियमानुसार

आवश्यकता

महाविद्यालय में बी.एड./बी.ए.बी.एड. पाठ्यक्रम में परिनियम कॉलेज कोड-28 के तहत् प्राचार्य एवं सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति के लिये आवेदक अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव संबंधी समस्त प्रमाण पत्र की छायाप्रति एवं दो छायाचित्रों के साथ महाविद्यालय के कार्यालय में जमा करें।

सं.क्रं.	पद विवरण	संख्या	शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव
01	प्राचार्य	01	एम.एड. एवं स्नातकोत्तर परीक्षा 55% के साथ पी.एच.डी. शिक्षा संकाय या संबंधित विषय में नेट स्लेट परीक्षा उत्तीर्ण/ अन्य संकाय अनुभव 10 वर्ष।
02	शिक्षा के परिपेक्ष्य में या आधारित पाठ्यक्रम-मनोविज्ञान	01	संबंधित विषय में 55% अंको के साथ PG एवं 55% अंको के साथ M.Ed./ पी.एच.डी. शिक्षा संकाय या संबंधित विषय में नेट स्लेट परीक्षा उत्तीर्ण अनुभवी को वरीयता।
	समाजशास्त्र	01	
03	शिक्षण विषय-		संबंधित विषय में 55% अंको के साथ PG एवं 55% अंको के साथ M.Ed./ पी.एच.डी. शिक्षा संकाय या संबंधित विषय में नेट स्लेट परीक्षा उत्तीर्ण अनुभवी को वरीयता।
	गणित	01	
	भौतिकी	01	
	रसायन शास्त्र	01	
	हिन्दी	01	
	अंग्रेजी	01	
	इतिहास	01	
	अर्थशास्त्र	01	
	राजनीति शास्त्र	01	
04	स्वास्थ एवं शारीरिक शिक्षा	01	55% अंको के साथ M.P.Ed.
05	निष्पादन कला (संगीत,नृत्य, रंगमंच)	01	55% अंको के साथ PG (संगीत,नृत्य, रंगमंच)

नोट:-उपरोक्त पद के लिये चयन (UGC/NCTE) के नियमों के आधार पर किया जायेगा। चयन प्रक्रिया में आरक्षण एवं म.प्र. शासन के नियमों का पालन अनिवार्य रूप से किया जायेगा। आवेदक अपना आवेदन पत्र महाविद्यालय के पते पर विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अन्दर स्वयं डाक द्वारा कार्यालयीन समय में उक्त योग्यताओं के प्रमाणीकरण हेतु सत्यापित दस्तावेजों के साथ जमा करें। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय की ई.मेल.आई.डी. पर भी भेज सकते है।

ई.मेल.आई.डी. :www.spsmkatangi@gmail.com
मो.नं.:-+91-9599772200,+91-9893912312

स्वामी प्रज्ञानंद शिक्षा महाविद्यालय
प्रज्ञाधाम, पो. ऑफिस-कटंगी
तहसील-मझौली, जिला-जबलपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मण्डला (म.प्र.)

दूरभाष क्रमांक - 07642-252443 ई-मेल- eephedmal@mp.nic.in फैक्स- 07642-253622
निविदा क्रमांक 136/2023-24/नि.शाख/लो.स्वा.यॉ./2023 मण्डला, दिनांक 20.12.2023

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नानुसार कार्य हेतु ऑनलाईन वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर निविदा आमंत्रित किये जाते है। निविदा से सम्बंधित कोई भी संशोधन ई-टेण्डरिंग पोर्टल पर प्रदर्शित है। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

Name Of Work :- Laying and Jointing of Pipeline and other Work at Village Jhulpur Block Nainpur District Mandla.

क्रमांक	निविदा क्रमांक	ई-टेण्डर आई. डी. नं.	उपखण्ड का नाम	ग्राम का नाम	ठेक की अनुमानित लागत (रुपए लाख में)	धरोहर राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत की अंतिम तिथि	ऑनलाईन निविदा खोले जाने की तिथि	समयावधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	136/ 23-24	2023_PHED_ 320971_1	Nainpur	Jhulpur	5.94	11880	2000	02.01.2024	04.01.2024	01 Month I/R

नोट:- निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर कैश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से ऑनलाईन भुगतान पर क्रय किया जा सकता है।

Member Secretary
District Water and Sanitation Mission
Executive Engineer PHE Division
Mandla District Mandla

G-22383/23

दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग

वर्ष 2023–24 के लिए
एससी तथा अन्यों हेतु मैट्रिक–पूर्व छात्रवृत्ति स्कीम के अंतर्गत विद्यालय शिक्षा हेतु अनुसूचित जाति तथा अन्य लाभवंचित समूहों के
26 लाख छात्रों के लिए छात्रवृत्तियों की घोषणा करता है।

	पात्रता	कार्य क्षेत्र	हकदारी
घटक – I	• एससी वर्ग से संबंधित छात्र • माता–पिता/अभिभावक की वार्षिक आय 2.50 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए	• मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा 9 तथा कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र • लाभार्थियों का चयन राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किया जाएगा • सबसे गरीब परिवारों को प्राथमिकता	• प्रतिवर्ष 3500/– रुपए से 7000/– रुपए की अकादमिक भत्ता • दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10% अतिरिक्त भत्ता
घटक – II	• सफाई तथा स्वास्थ्य के लिए खतरनाक व्यवसायों में कार्यरत माता–पिता/अभिभावकों के छात्र • कोई आय सीमा पात्रता नहीं है	• मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा 1 से कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र • लाभार्थियों का चयन राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किया जाएगा • सबसे गरीब परिवारों को प्राथमिकता	• प्रतिवर्ष 3500/– रुपए से 8000/– रुपए की अकादमिक भत्ता • दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10% अतिरिक्त भत्ता

• छात्रों को उनके संबंधित राज्य छात्रवृत्ति पोर्टलों पर आवेदन करना होगा
• छात्र के पास वैध मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर (यूआईडी), आधार से जुड़ा बैंक खाता, आय प्रमाण–पत्र तथा जाति प्रमाण–पत्र होना चाहिए।

• स्कीम के दिशा–निर्देश तथा विस्तृत पात्रता मानदंड **http://socialjustice.gov.in/schemes/23** पर उपलब्ध हैं।

cbc 38101/11/0056/2324

नए साल में बिगड़ेंगे मौसम के मिजाज

फिर बन रहे कोहरे और बूंदाबांदी के आसार

जबलपुर। नये साल का पहला हफ्ता कोहरा, ठंड, पानी लेकर आ सकता है। समुद्री तट पर पश्चिमी विक्षोप और चक्रवात के आसार बनने से आने वाले दिनों में मौसम में काफी उलटफेर करेंगे। तापमान में आंशिक उछाल आएगा, जिससे ठण्ड से राहत मिलेगी लेकिन कोहरा और बूंदाबांदी परेशान कर सकते हैं। हवा की रफ्तार बढ़ी तो कहीं कहीं ओले भी गिर सकते हैं। अगले तीन-चार दिनों में मौसम के बदले मिजाज देखने को मिल सकते हैं। पिछले तीन दिनों में पारे में उछाल आई है, लेकिन शीतलहर कायम रही। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक दिल्ली में पिछले दिनों जमकर हुई बारिश और देश के उत्तरी इलाकों में हुई बर्फबारी के बाद शहर में शीत लहर का प्रकोप बना हुआ है। इस बीच हिमालय में पश्चिमी विक्षोप तथा बंगाल की खाड़ी में चक्रवात बनने के आसार नजर आ रहे हैं, जिससे अगले दो दिनों तक तापमान में हल्की वृद्धि हो सकती है और सोमवार या मंगलवार से आसमान पर बादल छाने और कोहरे के आसार बन सकते हैं। तापमान में गिरावट बनी हुई है। दिन का अधिकतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 93 प्रतिशत और सायंकाल 67 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 6.51 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम 5.35 मिनिट पर हुआ। प्रदेश में सबसे कम 7 डिग्री तापमान ग्वालियर जिले में दर्ज किया गया। उत्तरी हवाएं 2 से 3 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

अब मोबाइल ऐप से होगी बोर्ड परीक्षाओं की निगरानी

बोर्ड परीक्षा में नकल रोकने की कवायद

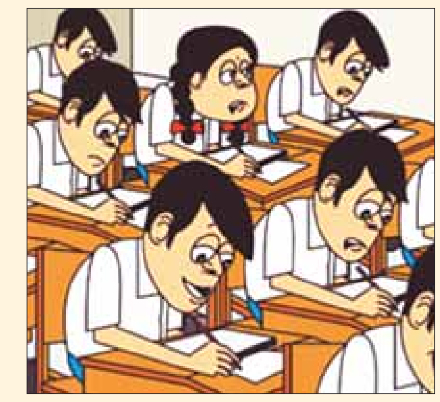

जबलपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं एवं बारहवीं कक्षा की परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी न हो इसके लिए अब मोबाइल ऐप के माध्यम से पेपरों की निगरानी की जाएगी। इतना ही नहीं कलेक्टर प्रतिनिधि भी परीक्षा शुरू होने के एक घंटे बाद ही परीक्षा केंद्र छोड़ सकेंगे। परीक्षा के प्रश्न-पत्रों की गोपनीयता बनाए रखने के लिए स्कूल शिक्षा की प्रमुख सचिव रश्मि शमी ने शुक्रवार को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

प्रमुख सचिव ने जारी निर्देशों में कहा गया है कि परीक्षा के प्रश्न-पत्र परीक्षा केंद्र के नजदीकी थानों में रखे जाएंगे। प्रत्येक परीक्षा के दिन थाने से प्रश्न-पत्र निकालने के लिए संबंधित परीक्षा केंद्र के केंद्राध्यक्ष या सहायक केंद्राध्यक्ष के साथ एक-एक कलेक्टर प्रतिनिधि की नियुक्ति होगी। जिला कलेक्टर प्रतिनिधि के मोबाइल पर एक एप डाउनलोड करवाया जाएगा। उसके आधार पर थाने से परीक्षा केंद्र तक पेपर पहुंचाने की ट्रैकिंग की जाएगी। कलेक्टर प्रतिनिधि परीक्षा केंद्र पर पहुंचकर यह सुनिश्चित करेंगे कि केंद्र पर सभी के मोबाइल बंद होकर सील्ड हो गए हैं। साथ ही केंद्राध्यक्ष के रूम या कंट्रोल रूप में कोई भी पेपर नहीं खोला जाएगा।

सुबह 10 बजे तक रहेंगे उपस्थित

कलेक्टर प्रतिनिधियों की नियुक्ति का कार्य 15 जनवरी तक पूर्ण किया जाना है। कलेक्टर प्रतिनिधि प्रतिदिन परीक्षा केंद्र पर सुबह 10 बजे तक उपस्थित रहेंगे। कलेक्टर के प्रतिनिधि की अनुपस्थिति में संबंधित केंद्राध्यक्ष द्वारा जिला कलेक्टर अथवा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत (नोडल अधिकारी) को दूरभाष पर सूचित कर उनके निर्देशानुसार थाने से प्रश्न-पत्र निकालने की कार्यवाही करेंगे।

पांच फरवरी से शुरू होंगी परीक्षाएं

बोर्ड परीक्षाएं पांच फरवरी से शुरू होंगी। दोनों परीक्षाओं में 18 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे। सत्र 2022-23 की मार्च में आयोजित दसवीं-बारहवीं की परीक्षा में कई पेपर आउट हुए थे। इसके बाद माशिमं की कार्यपालिका समिति ने प्रश्न-पत्रों की गोपनीयता भंग करने पर दस साल की जेल व दस लाख रुपए जुमार्ना समेत कई प्रस्ताव पारित कर शासन को भेजे।

15 सूत्रीय मांगों पर व्यवस्था बनाने प्रशासन ने मांगा 1 हफ्ता

किसानों का घेराव प्रदर्शन सात दिन के लिए टला

जबलपुर। जबलपुर जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों पर खरीदी में व्याप्त भारी अव्यवस्था व किसानों से मची लूट के खिलाफ भारतीय किसान संघ के द्वारा घोषित 48 घंटे की चेतावनी के पूर्ण होने के पहले ही जिला प्रशासन ने भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय, प्रांत व जिला पदाधिकारियों के साथ शनिवार को सर्पिट हाउस नंबर एक में बैठक की। जिसमें जिला प्रशासन की ओर से प्रभारी कलेक्टर व जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयति सिंह के अलावा खाद्या नागरिक आपूर्ति विभाग, सहकारिता विभाग, विपणन विभाग, मंडी, वेयरहाउसिंग व कृषि विभाग के प्रमुख अधिकारियों की टीम के साथ किसानों से चर्चा की। भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटैल ने बैठक की जानकारी देते हुये बताया कि प्रभारी कलेक्टर जयति सिंह ने धान खरीदी में शामिल सभी विभाग के प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति में किसानों को आ रही समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा बैठक में मौजूद जिम्मेदार विभागों के अधिकारियों को धान खरीदी केंद्रों पर सभी व्यवस्थायें बनाने के निर्देश दिये। जिससे कि धान की उपज विक्रय के लिये लेकर आने वाले किसानों को कोई भी समस्याओं का सामना न करना पड़े। श्री पटैल ने बताया कि जिला प्रशासन ने जिले के सभी धान खरीदी केंद्रो पर सात दिनों में सभी व्यवस्थायें सुचारू रूप से संचालित करने का आश्वासन दिया। जिस पर भारतीय किसान संघ ने तहसील मुख्यालयों के घेराव करने का कार्यक्रम आगामी सात दिनों तक स्थगित कर दिया।

बैठक में किसानों ने अपनी 15 सूत्रीय मांगे रखी जिसमें जिले में धान खरीदी केंद्रो की संख्या बढ़ाई जाये। स्लाट बुकिंग में आ रही सर्वर की समस्या को दूर किया जाये। खरीदी गई धान का शीघ्र परिवहन व भंडारण किया जाये। ब्लैक लिस्टेड किये गये वेयरहाउसों में रखी किसानों की धान को खरीदने की व्यवस्था की जाये। किसानों से खरीदी गई धान की भुगतान व्यवस्था में गति लायी जाये।

जिला कलेक्टर, एसडीएम स्तर के अधिकारी धान खरीदी केंद्रो का आकस्मिक निरीक्षण करें। एफएक्यू के नाम पर सर्वेयरों की कमीशनखोरी बंद की जाये।धान खरीदी में आ रही समस्याओं को दूर करने कलेक्टर कार्यालय में नियंत्रण कक्ष बनाया जाये।

तौल कांटों की नियमित जांच की जाये। मूंग खरीदी में किसानों के रूके भुगतान तत्काल किये जाये। धान खरीदी की तिथि 30 जनवरी तक बढ़ाई जाये। धान खरीदी केंद्रों पर वर्षा की असमय स्थिति पर उचित प्रंबध रखे जाये। खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था की जाये। किसानों के नामांतरण व फौती के प्रकरणों का निपटारा शीघ्र किया जाये। उड़द मूंग में ओलावृष्टि होने पर स्वीकृत की गई क्षतिपूर्ति राशि का शीघ्र किसानों को वितरण किया जाये आदि शामिल हैं।

कल से 24 घंटे पुलिस करेगी निगरानी

सदर मेन रोड सहित 2 मार्ग हैलमेट व सीट बैल्ट जोन घोषित

जबलपुर। पुलिस प्रशासन ने यातायात सुरक्षा पर बड़ा कदम उठाते हुए 1 जनवरी 2024 से शहर के दो मार्गो को हेलमेट एवं सीट बेल्ट जोन घोषित किया गया है। इन मार्गे पर अब दो पहिया चालक एवं कार चालक बिना हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग कर नहीं जा सकेंगे। इस संबंध में जबलपुर एसपी आदित्य प्रताप सिंह ने पत्रकारों को बताया कि नई पहल के तहत 1 जनवरी 2024 से जन प्रतिनिधियों, व्यापारियों आदि से चर्चा करते हुये दो मार्ग जिनमे थाना कैंट अंतर्गत सदर मेन रोड पैंटी नाका चौक से गणेश चौक तक एवं दूसरा थाना सिविल लाईन अंतर्गत चुंगी नाका से इलाहबाद चौक तक के मार्ग को हैल्मेट, सीट बैल्ट जोन के रूप में चिन्हित किया गया है। आगामी 1 जनवरी 2024 से प्रतिदिन सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक एवं शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक दोनों मार्गों पर विशेष चैकिग प्वाईट लगाये जायेंगे। उक्त मार्ग पर बिना हैलमेट दुपहिया वाहनं एवं सीट बैल्ट लगाये चार पहिया वाहन चालकों को प्रवेश नहीं दिया जायेगा, अर्थात उपरोक्त चिन्हित दोनों मार्गे पर हैलमेट एवं सीट बैल्ट लगाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार मंडे इज हेलमेट डे का विशेष जागरुकता अभियान भी जारी रहेगा। प्रत्येक सोमवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में चेपिंग प्वाइंट लगाए जायेंगे। यातायात का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई की जाएगी।

विद्युत दरों में वृद्धि का प्रस्ताव नियामक आयोग में वेबासाईट पर लोड नहीं

जबलपुर। 28 दिसंबर को सार्वजनिक सूचना से विद्युत नियामक आयोग ने मप्र पावर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा प्रस्तावित आगामी वर्ष में 3.86 प्रतिशत से बिजली रेट बढ़ाने पर आपत्तियं मांगी है, लेकिन इस प्रस्ताव को अपने वेबसाईट पर लोड नहीं किया है, जब कि आयोग के वेबसाइट पर यह प्रस्ताव उपलब्ध है, ऐसा सार्वजनिक सूचना में बताया है। डॉ.पीजी नाजपांडे ने बताया कि ऐसे सुस्त कार्रवाईयें से उपभोक्ता हमेशा अंधकार में रहते है। जनसुनवाईयों के दिन तक आपत्तिकर्ताओं को जवाब प्राप्त नहीं होते है। मंच के रजत भार्गव, एड.वेदप्रकाश अधौलिया तथा डीआर लखेरा ने बताया कि आपत्तियां दर्ज करने की अंतिम तारीख 22 जनवरी 2024 है, ऐसे में मुश्किल से अभ्यास तथा विचार विमर्श करने के लिए कम समय मिलता है। मंच ने अनेक बार उत्पन्न ऐसे स्थिति को आयोग के सचिव को सूचित किया लेकिन परिस्थितियों में सुधार नहीं हुआ है।

पूर्व विधायक रामबाई व अन्य को कोर्ट उठने तक की सजा

जबलपुर। एमपी एमएलए विशेष कोर्ट की न्यायाधीश श्रीमती विश्वेश्वरी मिश्रा ने चकाजाम कराकर शासकीय कार्य में अवरोध के आरोप में दोष सिद्ध पाते हुए जबेरा की पूर्व बसपा विधायक रामबाई सहित अन्य को कोर्ट उठने तक की सजा से दंडित किया साथ ही 5-5 सौ रुपए का जुर्माना भी लगाया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक 5 जून 2018 को दमोह जिले की बटियागढ़ तहसील कृषि उपज मंडी में चना, मसूर की फसल की खरीदी के दौरान पूर्व विधायक रामबाई उनके समर्थक अजय उर्फ अजित, व मनोज ने किसानों को दुप्रेरित कर अवैध रुप से टेक्टरों को मंडी में भेजकर जाम लगवा दिया। जिससे शासकीय कार्य बाधित हुआ। ड्यूटी में तैनात कतर्व्य अधिकारी आरएल विश्वकर्मा द्वारा बटियागढ़ पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी जिसमें पुलिस ने विवेचना के बाद धारा 341, 186 का प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया। अभियोजन पक्ष की ओर विशेष लोक अभियोजक हेमलता दहल द्वारा पैरवी की गई, जिसके तर्को से सहमत होकर एमएलए विशेष कोर्ट ने आरोपी पूर्व विधायक रामबाई, अजयउर्फ अजित व मनोज को धारा 186 के तहत कोर्ट उठने तक की सजा सुनाई व जुर्माना लगाया।

शराब पीकर वाहन चलाने पर होगा लायसेंस निरस्त

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर सुरक्षा के चाक-चौबंध प्रबंध

जबलपुर। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर जोश में होश खोने वालों के होश ठिकाने लगाने पुलिस ने कड़े इंतजाम कर रखें हैं। शहर के हर प्रमुख चौराहों पर फिक्स पिकेट और स्टापर लगाये जा रहे हैं, ताकि तेज रफ्तार में वाहन चलाने वालों को नियंत्रित कर संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। शराब पीकर वाहन चलाने वालों की खोज खबर ली जायेगी और ब्रीथ एनालाईजर से परीक्षण किया जाएगा। नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के लायसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी। 3 सवारी लेकर वाहन चलाने वालों पर वैद्यानिक कार्यवाही भी की जाएगी।

जिला पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह ने बताया कि नव वर्ष की पूर्व संध्या पर जबलपुर पुलिस द्वारा इस उद्देश्य से कि कहीं कोई घटना, दुर्घटना न हो तथा नव वर्ष का आगमन खुशहाल माहाल में हो के उद्देश्य से चाक चौबंद व्यवस्था की गयी है। अधिकांशतः शराब पीकर तेज रफ्तार से वाहन चलाने के कारण दुर्घटनाये होती है, जिसे घ्यान मे रखते हुये शहर के प्रमुख चौराहो पर जगह जगह फिक्स पीकेट्स, (बैरिकेट्स एवं स्टापर के साथ) लगाये जाकर चैकिंग की जायेगी। शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों को ब्रीथ एनालाईजर द्वारा चैक किया जावेगा एवं तेज गति तथा तीन सवारी वाहन चलाने वालों के विरूद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करते हुये, शराब पीकर वाहन चालाने वालो के लायसेंस निरस्तीकरण की भी कार्यवाही की जावेगी, साथ ही चिन्हित स्थानों पर सादी वर्दी में जवानो को लगाया गया है जो अवांछनीय तत्वों पर निगाह रखेंगे।

शहर के ढाबों एंव पार्को तथा होटल में जहॉ नव वर्ष की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है, आयोजकगण आयोजित कार्यक्रम के सम्बंध मे पूर्व से आवश्यक रूप से विधिवत अनुमति प्राप्त करते हुये निर्धारित मापदण्डो का पालन सुनिश्चित करायेंगे। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम आयोजित करने वाले आयोजकगण एव संचालकों की गत 28 दिसंबर को पुलिस कन्ट्रोलरूम में बैठक लेकर सुरक्षा सम्बंधी निर्देश दिये गये है। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान मे रखते हुये आयोजकगण यह ध्यान रखेंगे कि कोई अनाधिकृत/अपरिचित व्यक्ति कार्यक्रम में सम्मिलित न हो। आयोजन अच्छी भावना एवं स्वस्थ मन से करें ताकि उसका किसी प्रकार से विरोध न हो।

पुलिस अधीक्षक जबलपुर आदित्य प्रताप सिंह ने जबलपुर वासियो से अपील की है कि नये वर्ष की पूर्व संध्या पर डीजे पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। साउंड बाक्स का उपयोग इस प्रकार करें की उसका वॉल्यूम नियंत्रित रहे जिससे आसपास रहने वाले लोगो को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा ऐसा कोई भी कृत्य न करें जिससे आने वाले नव वर्ष में आपको किसी प्रकार की परेशानी हो। इसी उद्देश्य का ध्यान मे रखते हुये जबलपुर पुलिस द्वारा व्यापक प्रबंध किये गये है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240